राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

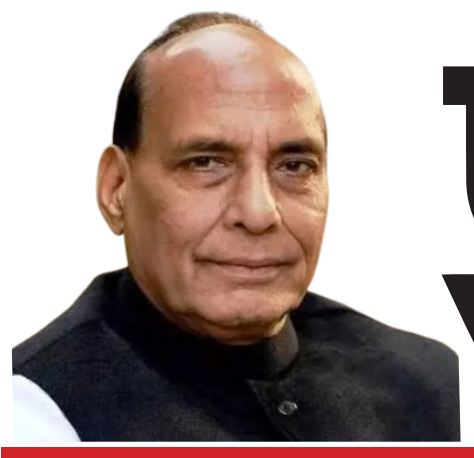

12 बाहुबली से बायो युग की ओर बढ रहा यूपी राजनाथ सिह.....

वैभव सूर्यवशी भारतीय टीम मे चुने गए सबसे युवा..... 11

वर्ष : 17 | अंक : 43 | नई दिल्ली, रविवार, 07 जून, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 44.0°C

न्यूनतम तापमान 37.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	50%
नहीं	40%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,58,105

चांदी 2,74,000

सेंसेक्स 74,349.34

निफ्टी 23,366.70

संक्षिप्त खबरें

विक्रम मिस्री ने किया भाविनी और आईआईटी मद्रास का दौरा

नई दिल्ली/कल्पक्कम। विदेश सचिव एवं परमाणु ऊर्जा आयोग के सदस्य विक्रम मिस्री ने विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) को तमिलनाडु के कल्पक्कम स्थित भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास का दौरा किया। शनिवार को एक्स पर इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी। भाविनी में वैज्ञानिकों और अधिकारियों से बात की। मिस्री ने यहां, भारत के अत्याधुनिक 500 मेगावाट क्षमता वाले प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विदेश सचिव ने भाविनी परिसर में बकुल (मौलश्री) का पौधा भी लगाया। मिस्री ने 5 जून 2026 को ही भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (आईआईटी) में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के डिग्री वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। समारोह में विभिन्न देशों से आए छात्रों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में विक्रम मिस्री ने स्नातक होने वाले सभी छात्रों को बधाई दी और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ह्व आज दुनिया तेजी से तकनीकी परिवर्तन के दौर से गुजर रही है और ऐसे समय में युवाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे आईआईटी मद्रास में अर्जित ज्ञान, कौशल और अनुभव का उपयोग मानवता के सामने मौजूद चुनौतियों के समाधान तथा वैश्विक दक्षिण के देशों के विकास में योगदान देने के लिए करें। इ

ब्रिक्स सीडब्ल्यूजी के प्रतिनिधियों ने काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन पूजन

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक नगरी वाराणसी में आयोजित ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की दो दिवसीय बैठक में भाग लेने के बाद शनिवार को सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन किया। मंदिर में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का दर्शन पूजन के बाद विदेशी मेहमानों ने काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण किया। ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने इस दौरान मंदिर की भव्यता और दिव्यता के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अनुभव किया। धाम में भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने वाराणसी की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं, आध्यात्मिक मूल्यों और ऐतिहासिक महत्व को निकटता से जाना। यह यात्रा उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक आस्था और सनातन परंपरा से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर बनी। बता दें कि, वाराणसी में आयोजित हुई दो दिवसीय बैठक के दौरान ब्राजील, चीन, इंडोनेशिया, ईरान, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए, जबकि इथियोपिया, मिस्र और रूसी संघ के प्रतिनिधि वर्चुअल रूप से जुड़े थे।

कॉकरोच जनता पार्टी ने किया जंतर-मंतर पर प्रदर्शन

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर शनिवार को पूरे देश भर में चर्चा में बनी हुई कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने प्रदर्शन किया। शनिवार सुबह संस्थापक अभिजीत दीपके अमेरिका से दिल्ली पहुंचे। इसके बाद उन्होंने जंतर-मंतर पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन शुरू किया। इस विरोध प्रदर्शन में शिक्षाविद और पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी शामिल हुए। जंतर-मंतर पर अभिजीत दीपके ने कहा कि पिछले दो-तीन दिन से मेरी मां-बहन रो रहे थे कि तुम वापस आ जाओगे तो ये लोग तुम्हें अंदर डाल देंगे। मेरे घर वापस आने से उन्हें डर लग रहा था। ये मेरी मां का अकेले का डर नहीं है। दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से लेकर संसद मार्ग तक कड़ी सुरक्षा रही।पूरे देश भर में चर्चा में बनी हुई कॉकरोच जनता पार्टी की ओर से आज जंतर मंतर पर नीट पेपर लीक के विरोध में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर के विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया। प्रदर्शन को देखते हुए बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों की तैनाती जंतर मंतर पर की गई। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में दूर दूर से लोग शामिल हुए हैं।सोनम वांगचुक ने जंतर मंतर पर कहा कि मैं सभी के लिए सद्भावना का संदेश लेकर आया हूं। सरकार का धन्यवाद है कि शांति पूर्वक प्रदर्शन करने की अनुमति दी।जंतर-मंतर से पार्टी फाउंटर अभिजीत दीपके ने कहा कि मुझसे कहा जा रहा था कि सिर्फ सोशल मीडिया पर पेज बना देने से क्या होता है, जमीन पर भी तो दिखना जरूरी है। कैमरा घुमाकर उन लोगों को दिखा दो कि आज जमीन पर कितने लोग उतरे हैं।

मुझसे पूछा जा रहा है कि आप खुद को कोकरोच क्यों बोलते हो। मैं कहना चाहता हूं कि कॉकरोच कहां होते हैं, कॉकरोच वहां होते हैं जहां कुछ सड़ जाता है। पार्टी ने प्रदर्शनकारियों के लिए अनोखी गाइडलाइन जारी की थी।

-भारत की आर्थिक मजबूती पर की चर्चा

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच पीएम मोदी ने आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ की बैठक

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की बैठक की अध्यक्षता की। अधिकारियों के अनुसार, बैठक में देश की आर्थिक विकास गति को बनाए रखने, अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने तथा पश्चिम एशिया संकट के बीच उभरती वैश्विक चुनौतियों से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में ऐसे समय में आर्थिक विकास को और तेज करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया, जब दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और कमजोर मांग जैसी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी और आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्यों ने कठिन वैश्विक परिस्थितियों के बीच भारत की विकास दर को बनाए रखने और व्यापक आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जरूरी नीतिगत कदमों पर अपने विचार साझा किए। बैठक में लोगों के जीवन को आसान बनाने और कारोबार करने में सहूलियत बढ़ाने से जुड़े सुधारों पर भी चर्चा हुई। विचार-विमर्श का केंद्र शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाना, अनुपालन संबंधी बोझ को कम करना और निवेश तथा उद्यमिता के लिए बेहतर माहौल तैयार करना रहा। बैठक का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के प्रभावों को लेकर रहा। परिषद के सदस्यों ने भारत और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित असर पर चर्चा की। चर्चा के दौरान ऊर्जा बाजारों, व्यापार मार्गों और व्यापक आर्थिक स्थिरता से जुड़ी चिंताओं की समीक्षा की गई, क्योंकि क्षेत्र में लंबे समय से जारी तनाव वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। यह महत्वपूर्ण बैठक ऐसे समय हुई है जब बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही (चौथी तिमाही) में भारत की जीडीपी वृद्धि दर मजबूत 7.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पूरे वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से कृषि, निर्माण और सेवा क्षेत्रों की मजबूत वृद्धि के कारण संभव हुआ। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में सरकार पश्चिम एशिया की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है, क्योंकि लंबे समय तक अस्थिरता बने रहने से कच्चे तेल की कीमतों और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रवाह पर असर पड़ सकता है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद में अर्थशास्त्री और नीति विशेषज्ञ शामिल हैं, जो आर्थिक और विकास संबंधी मुद्दों पर स्वतंत्र सुझाव देते हैं तथा सरकार को दीर्घकालिक विकास प्राथमिकताओं और उभरते आर्थिक रुझानों पर सलाह प्रदान करते हैं।

सूरत के लोगों के बीच रहना बहुत अच्छा लगा पीएम मोदी ने शेयर की तस्वीरें, दोहराया आत्मनिर्भर भारत का संकल्प

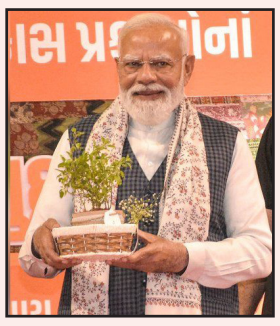

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने गुजरात दौरे की झलकियां शेयर की हैं। उन्होंने सूरत शहर की प्रशंसा की और कहा कि इस जीवंत शहर से हमने मिलकर भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का अपना संकल्प दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने गुजरात दौरे के अगले दिन शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर एक वीडियो शेयर किया। पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, कल सूरत के लोगों के बीच रहना बहुत अच्छा लगा। इस जीवंत शहर से हमने मिलकर भारत को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने का अपना संकल्प दोहराया। वीडियो में पीएम मोदी ने कार्यक्रमों शामिल होने की तस्वीरें और अपने भाषणों के कुछ अंश शेयर किए हैं। उन्होंने कहा, मुझे कई बार लगता है कि ये सूरत शहर नहीं है, सूरत एक स्पिरिट है। हमारा संकल्प ह्यविकसित गुजरातह्न और विकसित भारत इस संकल्प को सिद्ध करना व सेवा के भाव से समर्पित होकर के करना है। उन्होंने कहा कि ये जो वैश्विक संकट चल रहा है, ये दिखाता है कि एनर्जी के मामले में आत्मनिर्भरता कितनी जरूरी है। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत का क्या मतलब होता है, ये हजीरा जाने पर भी साफ दिखता है। हजीरा आज केवल एक औद्योगिक क्षेत्र नहीं है। यह एक ऐसा इकोसिस्टम बन चुका है जहां, एनर्जी है, स्टील है, डिफेंस प्रोडक्शन है, पोर्ट है, और ग्लोबल ट्रेड का इकोसिस्टम है। हजीरा, देश के एक बड़े मेरीटाइम इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित हो रहा है, आत्मनिर्भर भारत के एक बड़े सेंटर के रूप में उभर रहा है। उन्होंने विरोधियों पर भी निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, ह्यआज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं, जो आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाते रहते हैं। देश के इस संकल्प को वो लगातार नीचा ही दिखाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, भारत, नकारात्मकता से कहीं आगे निकल चुका है। ये असीमित आशावाद वाला देश है। अद्भुत आकांक्षाओं से लैस देश है। भारत के नागरिक सपनों से भरे हुए हैं, संकल्पों से भरे हुए हैं। और संकल्प को सिद्धि में बदलने के लिए प्रतिबद्ध जनता जनार्दन है। और जब देश की जनशक्ति संकल्पित है, तो देश हर लक्ष्य पा सकता है और यही भारत की ताकत है।

भारत भविष्य के लिए तैयार डिजिटल अर्थव्यवस्था बना रहा है : जितिन प्रसाद

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार के अनुसार, भारत इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और टेक्नोलॉजी के मामले में आत्मनिर्भरता पर आधारित एक ऐसी डिजिटल इकोनॉमी बना रहा है जो भविष्य के लिए तैयार है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और इंडिया एआई मिशनह्न जैसी प्रमुख पहलें रिसर्च, मैन्युफैक्चरिंग और इनोवेशन-आधारित विकास के लिए नए रास्ते खोल रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार प्रगतिशील नीतियों, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और टेक्नोलॉजी तक बेहतर पहुंच के जरिए एक अनुकूल इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। आईटी मंत्रालय के तहत सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) ने यहां ह्यएसटीपीआई टेक समिट 2026ः इंडियाज नेक्स्ट लीपह्न का आयोजन किया, जिसमें सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, वेंचर कैपिटलिस्ट और इकोसिस्टम को बढ़ावा देने वाले लोग शामिल हुए। प्रसाद ने कहा कि जैसे-जैसे भारत ग्लोबल टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में लीडर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, एसटीपीआई जैसे संस्थान एंटरप्रेन्योरशिप को बढ़ावा देने, इनोवेशन को पोषित करने, उभरते टेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को मजबूत करने और ग्लोबल मार्केट के लिए वर्ल्ड-क्लास समाधानों के विकास को सक्षम करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मीटी (ट्रीइ) के सेक्रेटरी एस कृष्णन ने एसटीपीआई के 35 साल पूरे होने पर कहा कि हमें आगे के मौकों की पहचान करनी चाहिए और उभरते क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए इसकी मजबूत विरासत का लाभ उठाना चाहिए।

दिल्ली में ड्रोन सर्वे, सैटेलाइट मॉनिटरिंग और टास्क फोर्स के जरिए होगी निगरानी

- रेखा सरकार का अवैध निर्माण और सुरक्षा उल्लंघनों पर कड़ा एक्शन

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में मालवीय नगर अग्निकांड जैसी दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने तथा अनधिकृत निर्माणों, अग्नि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और नागरिकों के जीवन को खतरे में डालने वाली गतिविधियों पर कठोर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में शहरी विकास एवं गृह मंत्री आशीष सूद, मुख्य सचिव, दिल्ली पुलिस आयुक्त, डीडीए उपाध्यक्ष, एमसीडी आयुक्त, एनडीएमसी के चेयरमैन, डिविजलन कमिश्नर, सभी डीएम, निगम उपायुक्त तथा विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भी व्यक्तिगत जवाबदेही तय की जाएगी इस बैठक की जानकारी देते हुए आशीष सूद ने बताया कि दिल्ली सरकार इन हादसों में प्रभावित सभी परिवारों के साथ पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री स्वयं स्थिति की पल-पल की समीक्षा कर रही हैं। सरकार का उद्देश्य केवल तात्कालिक कार्रवाई करना नहीं, बल्कि एक ऐसा फुल-प्रूफ सिस्टम बनाना है जिससे भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को हमेशा के लिए रोका जा सके। उन्होंने कहा कि आज की बैठक में कई व प्रभावी निर्णय लिए गए हैं, जिनमें अब लापरवाह व भ्रष्टाचार में लिप्त पाए गए अधिकारियों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की विभिन्न धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जाएगी, इसके तहत अधिकतम 2 वर्ष की सजा व मोटे जुमार्ने का प्रावधान है। यह कार्रवाई उन अधिकारियों के खिलाफ की जाएगी, जिनकी लापरवाही या मिलीभगत के कारण अवैध निर्माण, अग्नि सुरक्षा उल्लंघन अथवा अन्य खतरनाक गतिविधियां पनपती हैं। अफसरों को यह भी चेतावनी दी गई कि आवश्यक होने पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों का भी उपयोग किया जाएगा। सूद के अनुसार मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से कहा कि सरकारी नुकसान की भरपाई अब केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगी। राजस्व वसूली अधिनियम-1890 के तहत सरकार को हुए नुकसान की भरपाई दोषी अधिकारियों के वेतन, पेंशन तथा संपत्तियों से की जाएगी। साथ ही बिल्डर, ऑनर व कॉलोनाइजर्स के बैंक अकांउट व चल अचल संपत्ति को फ्रीज व अटैच किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की जिम्मेदारी से बच निकलने की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी। बैठक में अधिकारियों की जवाबदेही को और कठोर बनाने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की एपीएआर (वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट) में नकारात्मक टिप्पणी दर्ज की जाएगी, जिसका प्रभाव उनके भविष्य के करियर पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केवल अधीनस्थ कर्मचारियों पर कार्रवाई करने के बजाय वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।

राज्यसभा चुनावः मध्य प्रदेश में भाजपा उम्मीदवार तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल ने नामांकन पत्र भरे

भोपाल। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों के लिए हो रहे चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी की ओर से घोषित दो उम्मीदवारों-राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल ने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस मौके पर पार्टी के तमाम प्रमुख नेता मौजूद रहे। दरअसल राज्य की तीन राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव हो रहे हैं, इसके लिए भाजपा ने दो उम्मीदवारों का ऐलान किया है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस की ओर से भी उम्मीदवार घोषित किया जा चुका है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व मध्यप्रदेश से राज्यसभा प्रत्याशी तरुण चुघ और रजनीश अग्रवाल ने शनिवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, पार्टी के प्रदेश प्रभारी महेन्द्र सिंह एवं क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल सहित कोर कमेटी के सदस्यों एवं वरिष्ठ नेतृत्व की उपस्थिति में भाजपा प्रदेश कार्यालय स्थित मंदिर में दर्शन-पूजन कर पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

अब बुलेट ट्रेन परियोजना से भी जुड़ेगा पश्चिम बंगाल

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुभेंदु संग की बैठक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्य सचिवालय नबान्न में शनिवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बीच महत्वपूर्ण बैठक हुई है। बैठक में राज्य में रेल परियोजनाओं के विस्तार, मेट्रो विकास और बुनियादी ढांचे से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक से पहले दोनों पक्षों ने संयुक्त पत्रकार वार्ता भी की, जिसमें रेल मंत्री ने पश्चिम बंगाल में चल रही और प्रस्तावित रेल परियोजनाओं को लेकर विस्तृत जानकारी दी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पूर्व की सरकारों के समय रेल परियोजनाओं को लेकर कई बार अनुमति मिलने में देरी होती थी और कुछ मामलों में काम न्यायालय तक पहुंच जाता था, जिससे परियोजनाओं की गति प्रभावित होती थी। उन्होंने चिंगड़ीघाटा मेट्रो परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय कई अड़चनें आई थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदल रही हैं और केंद्र व राज्य के बीच बेहतर समन्वय से परियोजनाओं को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पश्चिम बंगाल में विकास कार्यों के लिए अनुकूल माहौल बना है और इससे रेल क्षेत्र में भी तेजी आएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में दिल्ली से सिलिगुड़ी तक बुलेट ट्रेन चलाने की योजना है, जिससे यह दूरी लगभग छह घंटे में पूरी की जा सकेगी।

झारखंड दौरे पर रांची पहुंचे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

प्रातः किरण, एजेंसी

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन शनिवार को दो दिवसीय संगठनात्मक दौरे पर झारखंड की राजधानी रांची पहुंचे। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद उनका यह पहला झारखंड दौरा है, जिसे पार्टी संगठन के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर भाजपा नेताओं, पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। एयरपोर्ट पर स्वागत के बाद नितिन नवीन सीधे भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने समाजवादी नेता जननायक कर्पूरी ठाकुर तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता और संगठन निमार्ता कैलाशपति मिश्र की प्रतिमाओं पर भी पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। श्रद्धांजलि कार्यक्रमों के बाद नितिन नवीन भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे, जहां वे पार्टी की कोर कमेटी के सदस्यों के साथ संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा करने वाले हैं। बैठक में संगठन विस्तार, बूथ स्तर पर पार्टी की मजबूती, सदस्यता अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रमों और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर व्यापक मंथन होने की संभावना है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि मजबूत संगठन ही चुनावी सफलता का आधार है, इसलिए इस दौरे में संगठनात्मक ढांचे को और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। अपने दो दिवसीय झारखंड प्रवास के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष विभिन्न बैठकों और संवाद कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वे पार्टी के सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ अलग-अलग बैठक कर संगठन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की रणनीति पर चर्चा करेंगे। साथ ही कार्यकताओं से संवाद कर उन्हें आगामी चुनौतियों और राजनीतिक अभियानों के लिए तैयार करने का प्रयास भी किया जाएगा। भाजपा सूत्रों के अनुसार, यह दौरा राज्य में संगठन को नई ऊर्जा देने और आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों के लिए कार्यकताओं को सक्रिय करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पार्टी नेतृत्व झारखंड में जनाधार को और मजबूत करने तथा संगठन की जमीनी पकड़ बढ़ाने के लिए विशेष रणनीति पर काम कर रहा है। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर कार्यकताओं में भारी उत्साह है। उन्होंने कहा कि अगले दो दिनों तक विभिन्न स्तरों पर बैठकों और विचार-विमर्श का दौर चलेगा, जिससे संगठन को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। संजय सेठ ने कहा, ह्यराष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के मार्गदर्शन में भाजपा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का काम करेगी। उनके सुझाव और दिशा-निर्देश आगामी कार्ययोजना तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। हम सभी कार्यकर्ता उनके मार्गदर्शन के अनुसार जनता के बीच पार्टी की पहुंच और प्रभाव को बढ़ाने के लिए कार्य करेंगे। रांची एयरपोर्ट पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदीप वर्मा, भानु प्रताप शाही सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत के दौरान पार्टी कार्यकताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

अर्थव्यवस्था इस वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था की रफ्तार और अधिक बढ़कर 7.8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई.....

भारत बना दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था वाला देश : राजनाथ

प्रातः किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर जारी आर्थिक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बीच भारत ने एक बार फिर दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। वित्त वर्ष 2025-26 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की विकास दर शानदार 7.7 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसके साथ ही, इस वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में अर्थव्यवस्था की रफ्तार और अधिक बढ़कर 7.8 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई। भारत के इस शानदार आर्थिक प्रदर्शन पर केंद्रीय मंत्रियों ने देश की आर्थिक प्रगति, दूरदर्शी नीतियों और सुदृढ़ आधारशिला की सराहना की है। देश की इस आर्थिक मजबूती पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह शानदार विकास दर भारत की बढ़ती ताकत और उस ठोस बुनियाद को दशार्ती है, जिसे पिछले 12 वर्षों में रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म (सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन) के मंत्र के जरिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि जहां आज दुनिया के कई बड़े देश आर्थिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहे हैं, वहीं भारत स्थिरता और ऊंचे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके राष्ट्र-निर्माण के प्रति समर्पण, इनोवेशन, इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्यमिता पर विशेष ध्यान देने के कारण ही आज भारत वैश्विक स्तर पर एक सम्मानित और आत्मनिर्भर आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित हुआ है। विकास की यह गति विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के साथ ही 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं को नए अवसर प्रदान कर रही है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी जीडीपी के इन आंकड़ों पर बेहद खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए दूरदर्शी आर्थिक सुधारों ने देश की समृद्धि को एक निरंतर और अटूट गति प्रदान की है। गृह मंत्री ने रेखांकित किया कि वैश्विक महामारी और युद्ध जैसी अभूतपूर्व अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के बावजूद भारत ने जो 7.7 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है, वह सभी प्रमुख वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के मुकाबले सबसे बेहतर प्रदर्शन है। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि पिछले 12 वर्षों में देश की आर्थिक नीतियों ने कितनी गहराई और मजबूती हासिल की है। मोदी सरकार की सटीक नीतियों ने न केवल देश को हर वैश्विक संकट से सुरक्षित बाहर निकाला है, बल्कि इसे विकास के पथ पर भी शीर्ष पर बनाए रखा है। वैश्विक मंदी के इस दौर में भारत का यह प्रदर्शन देश की आर्थिक स्थिरता, विश्वसनीयता और टिकाऊपन की एक बेमिसाल कहानी बयां करता है।

मसूरी में जाम बना सबसे बड़ी चुनौती, घंटों फंसे रहे पर्यटक, व्यवस्था पर उठे सवाल

मसूरी, एजेंसी। पहाड़ों की रानी मसूरी में इन दिनों पर्यटकों की भारी आमद जहां पर्यटन कारोबारियों के लिए राहत लेकर आई है, वहीं दूसरी ओर लगातार बढ़ता ट्रैफिक जाम स्थानीय लोगों और पर्यटकों दोनों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है. सुबह के समय मसूरी-देहरादून मार्ग और शहर के प्रमुख चौराहों पर वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं. कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए, जबकि कुछ जगहों पर लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ा. जांच के दौरान पाया गया कि सड़क किनारे अव्यवस्थित तरीके से वाहनों की पार्किंग जाम की सबसे बड़ी वजह बन रही है.

सड़क किनारे पार्किंग से बिगड़ रही व्यवस्था: ग्राउंड रिपोर्ट में सामने आया कि बड़ी संख्या में लोग अपनी निजी गाड़ियों को सड़क किनारे खड़ा कर रहे हैं. इसके अलावा मसूरी में संचालित होमस्टे, गेस्ट हाउस और होटल भी अपने पर्यटकों के वाहनों को सड़क पर ही पार्क करा रहे हैं. संकरी सड़कों पर खड़े इन वाहनों के कारण दोतरफा यातायात प्रभावित हो रहा है. जाम की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है.स्थानीय लोगों का कहना है कि पर्यटन सीजन में यह समस्या और बढ़ जाती है. इसके बावजूद पार्किंग व्यवस्था को लेकर कोई ठोस कदम दिखाई नहीं देता है. मसूरी पेट्रोल पंप क्षेत्र में भी यातायात व्यवस्था चरमराई हुई दिखाई दी. यहां सीमेंट, बजरी, कोल्ड ड्रिंक और अन्य सामान के थोक कारोबारियों द्वारा बड़े-बड़े ट्रकों को सड़क किनारे खड़ा कर लोडिंग-अनलोडिंग कराई जा रही थी. व्यस्त समय में सड़क पर खड़े इन भारी वाहनों के कारण यातायात बाधित हो रहा है. जिसके कारण भी लंबा जाम लग रहा है. स्थानीय व्यापारियों का मानना है कि यदि लोडिंग-अनलोडिंग के लिए निर्धारित समय तय किया जाए तो इस समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकता है.

प्रमुख चौराहों पर नहीं दिखी पुलिस की मौजूदगी: यातायात प्रबंधन में पुलिस की भूमिका भी सवालों के घेरे में दिखाई दी. सुबह के व्यस्त समय में मसूरी के कई प्रमुख चौराहों पर कोई पुलिसकर्मी या यातायात कर्मचारी नजर नहीं आया. ऐसे में वाहनों की बढ़ती संख्या और अव्यवस्थित पार्किंग ने स्थिति को और अधिक खराब कर दिया. स्थानीय नागरिकों का कहना है कि पर्यटन सीजन में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती आवश्यक है, ताकि यातायात को सुचारु बनाया जा सके और लोगों को राहत मिल सके.

दिल्ली से आए पर्यटकों ने बयां किया दर्द: मसूरी घूमने पहुंचे कई पर्यटकों ने जाम को लेकर नाराजगी जताई. दिल्ली से आए पर्यटकों ने बताया वे राजधानी की भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए मसूरी पहुंचे थे. यहां का मौसम बेहद सुहावना और मनमोहक है, लेकिन ट्रैफिक जाम ने उनके पूरे सफर का अनुभव खराब कर दिया. एक पर्यटक ने कहा, 'दिल्ली से देहरादून तक का सफर अब काफी आसान हो गया है, लेकिन देहरादून से मसूरी पहुंचना सबसे मुश्किल हिस्सा बन गया है। कुछ किलोमीटर की दूरी तय करने में घंटों लग जाते हैं. पर्यटकों का कहना है कि यदि जाम की समस्या पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया तो मसूरी की पर्यटन छवि प्रभावित हो सकती है.

सरकार और प्रशासन से ठोस कार्ययोजना की मांग: स्थानीय लोगों, व्यापारियों और पर्यटकों का मानना है कि मसूरी में बढ़ते ट्रैफिक दबाव को देखते हुए सरकार और प्रशासन को संयुक्त रूप से दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए. इसमें वैकल्पिक पार्किंग स्थल विकसित करना, सड़क किनारे अवैध पार्किंग पर सख्ती, भारी वाहनों की आवाजाही के लिए समय निर्धारित करना और पर्यटन सीजन में अतिरिक्त यातायात पुलिस की तैनाती जैसे कदम शामिल किए जा सकते हैं.

पर्यटन नगरी के लिए चेतावनी: मसूरी उत्तराखंड के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है. हर साल लाखों पर्यटक यहां पहुंचते हैं, लेकिन यदि यातायात व्यवस्था को समय रहते दुरुस्त नहीं किया गया, तो यह समस्या पर्यटन उद्योग और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों के लिए चुनौती बन सकती है. सुहावने मौसम और प्राकृतिक सुंदरता के लिए मशहूर मसूरी में अब सबसे बड़ी जरूरत बेहतर ट्रैफिक प्रबंधन और प्रभावी प्रशासनिक समन्वय की महसूस की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

दो पंप चालू होने से गांवों में शुरू हुई पानी की आपूर्ति

अल्मोड़ा, एजेंसी। जल निगम ने सल्ट क्षेत्र की सबसे बड़ी शशिखाल-कोटेश्वर पंपिंग पेयजल योजना के खराब पंप को बदल दिया है। योजना में लगे तीन पंपों में से दो पंपों को चालू कर बुधवार देर रात से पानी की लिफ्टिंग शुरू कर दी गई जिसके बाद टैंकों में पानी भरना शुरू हो गया। पिछले तीन दिनों से योजना ठप होने के कारण क्षेत्र के दर्जनों गांवों की करीब 20 हजार आबादी भीषण गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रही थी। पानी की आपूर्ति बाधित होने से लोगों को प्राकृतिक स्रोतों और नौलों पर निर्भर होना पड़ रहा था। जल निगम के अधिकारियों के अनुसार खराब पड़े पंप को बदलने के बाद दो पंपों से नियमित रूप से पानी लिफ्ट किया जा रहा है।
इसके चलते योजना से जुड़े कुछ गांवों में गुरुवार को पेयजल आपूर्ति भी शुरू कर दी गई। कई दिनों बाद नलों में पानी आने से ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।

बस नहीं चलने से मुवानी लेकर धरमघर तक के लोग परेशान

मुवानी, एजेंसी। जिला मुख्यालय से मुवानी-धरमघर-दिल्ली रूट पर संचालित रोडवेज की एकमात्र बस के पहिये एक महीने से थमे हुए हैं। बस का संचालन रुकने से मुवानी, थल, पांखू, धरमघर क्षेत्र के 80 से अधिक गांवों के ग्रामीण परेशान हैं। मजबूरन क्षेत्र के लोगों को अधिक किराया देकर टैक्सी में सफर करना पड़ रहा है। मुवानी से लेकर धरमघर तक के ग्रामीणों की आवाजाही सुगम बनाने के लिए दिल्ली रूट पर रोडवेज की एकमात्र बस सेवा संचालित थी।
एक महीने से बस का संचालन रुका है इससे क्षेत्र की बड़ी आबादी परेशान है। एक महीने से बस मुवानी, पांखू, थल और धरमघर नहीं पहुंची है। मजबूरन क्षेत्र के लोग टैक्सी से सफर कर रहे हैं। दिल्ली के लिए बस पकड़ने के लिए लोगों को जिला मुख्यालय या गंगोलीहाट की दौड़ लगानी पड़ रही है। बस का संचालन रोकने से क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है। लोगों ने जल्द बस सेवा शुरू न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है।

सुंदरखाल की सुरक्षा के लिए 10 लाख से बनेगा तटबंध

रामनगर, एजेंसी। रामनगर के वन ग्राम सुंदरखाल को बचाने के लिए 10 लाख रुपये से तटबंध बनने का निर्णय लिया है। बीते दिनों भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष मदन जोशी ने सुंदरखाल वन ग्राम को बाढ़ से बचाने की वन विभाग से मांग की थी।
रामनगर वन प्रभाग के एसडीओ अंकित बडोला ने बताया कि सुंदरखाल कोसी नदी के सटा हुआ है। ऐसे में यहां मानसून सीजन के दौरान बड़ी दुर्घटना होने की संभावना है। इसे देखते हुए उच्चाधिकारियों को नदी में चेनलाइजेशन का प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने बताया कि इसके लिए 10 लाख रुपये का बजट मिला है। कार्य शुरू कर दिया है। उम्मीद है कि मानसून सीजन से पूर्व कार्य पूरा हो जाएगा।

शहर में कूड़ा देने के बदले मिलेंगे रुपये

हल्द्वानी। अब शहर में कूड़े-कचरे के आपको रुपये मिलने वाले हैं। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर शुक्रवार को ऐसा ही एक स्टॉल नगर निगम के सामने खुल गया है। जहां चिप्स का खाली रैपर हो या फिर पानी की बोतल या कोल्ड ड्रिंक्स के कैन का दो रुपये प्रति पीस के हिसाब से भुगतान हो रहा है। शहर में कई जगह ऐसे ही और स्टॉल लगाने की भी योजना है।
स्वच्छ भारत मिशन के तहत यहां यह पहला स्टॉल लगाया गया है। सबका साथ-स्वच्छ उत्तराखंड की थीम पर लगाए गए इस स्टॉल में चिप्स के खाली पैकेट, प्लास्टिक की बोतलें आदि वापस करने पर संबंधित व्यक्ति को प्रति पैकेट अथवा बोतल दो रुपये का भुगतान किया जा रहा है। स्टॉल संचालित कर रहे अभिनव नेगी ने बताया कि राज्य के तीन शहरों में कचरे की खरीद के लिए ऐसे स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें हल्द्वानी भी शामिल है। स्टॉल में रिसाइकल कचरा देने पर रिटर्न अर्न रिसाइकल का एक क्यूआर कोड लगाया जा रहा है। क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद उपभोक्ताओं के खातों में दो रुपये पहुंच रहे हैं। हैदराबाद की रिसाइकल कंपनी के साथ शासन के स्तर पर यह अनुबंध हुआ है। इस अनुबंध के बाद अब रिसाइकिल होने वाले कचरे की खरीद होने पर सड़क पर फैलने वाले कूड़े से मुक्ति मिलेगी। जल्द ही निगम क्षेत्र में अन्य स्थानों पर भी ऐसे स्टॉल खोले जाएंगे।

नैनीताल में मूसलाधार बारिश से जनजीवन प्रभावित राहत

नैनीताल, एजेंसी। शहर में शुक्रवार को को मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को प्रभावित किया। सुबह से शुरू हुई तेज बारिश के कारण शहर की रफ्तार थम गई। हल्द्वानी में सुबह बूंदाबांदी के बाद दिन में फिर हल्की धूप भी रही। शाम को एक बार फिर मौसम में बदलाव दिखा और बादल छाए रहे।
बारिश के बाद सरोवर नगरी में ठंड बढ़ गई जिससे लोगों ने गर्म कपड़े निकाले। इस बदले मौसम ने गर्मी से परेशान लोगों को राहत पहुंचाई। बारिश के दौरान मॉलरोड और तल्लीताल जैसे प्रमुख क्षेत्रों में लोगों की आवाजाही कम हो गई
तल्लीताल में कई स्थानों पर जलभराव हुआ जिससे पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी हुई। बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल-पहल रही।
बारिश के बाद ठंडी हवाएं चलीं। तापमान में गिरावट से मौसम सुहावना हो गया। मौसम विभाग देहरादून ने तेज हवा चलने और कहीं कहीं हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी दी है। मैदानी इलाकों में हल्की बारिश की संभावना जताई है। अधिकतम तापमान 32.3 और न्यूनतम 24.9 डिग्री सेल्सियस रहा। मुक्तेश्वर का अधिकतम 18.4 और न्यूनतम 14.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

नन्हें जादूगर' की चमकेगी किस्मत: 'क्यों न वो दुनिया का बेहतरीन जादूगर बने?' कायल हुए उद्योगपति आनंद महिंद्रा

नैनीताल, एजेंसी। नैनीताल की सड़कों पर जादू के करतब दिखाकर लोगों का मनोरंजन करने वाले एक बालक की प्रतिभा ने देश के प्रसिद्ध उद्योगपति और महिंद्रा समूह के चेयरमैन आनंद महिंद्रा का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो को साझा करते हुए उन्होंने बालक की प्रतिभा की खुलकर सराहना की और उसके बारे में जानकारी मांगी है। करीब 1 मिनट 39 सेकंड के वीडियो में बालक आत्मविश्वास और सहजता के साथ जादू के करतब दिखाता नजर आ रहा है। उसकी प्रस्तुति, संवाद शैली और मासूम अंदाज ने लोगों को काफी प्रभावित किया है। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और हजारों लोग उसकी प्रतिभा की प्रशंसा कर रहे हैं। आनंद महिंद्रा ने अपने एक्स अकाउंट पर वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यह बच्चा बेहद प्रतिभाशाली है। उन्होंने सवाल किया कि क्या वह अभी भी नैनीताल की सड़कों पर प्रदर्शन करता है। साथ ही उन्होंने इच्छा जताई कि यदि संभव हो तो वे न केवल उसकी पढ़ाई में सहयोग करना चाहेंगे, बल्कि जादू कला के प्रति उसकी रुचि को भी आगे बढ़ाने में मदद करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि इस बालक के भीतर असाधारण क्षमता दिखाई देती है और उसे उचित मार्गदर्शन व अवसर मिलें तो वह भविष्य में दुनिया के बेहतरीन जादूगरों में शामिल हो सकता है। उनकी इस टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर बच्चे की खोज और उसकी मदद को लेकर चर्चा तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि यह बालक मूल रूप से रामनगर क्षेत्र का रहने वाला है और नैनीताल सहित आसपास के पर्यटन स्थलों पर अपने जादुई करतब दिखाकर लोगों का मनोरंजन करता रहा है। स्थानीय स्तर पर भी उसकी कला को सराहा जाता रहा है, लेकिन अब आनंद महिंद्रा जैसे बड़े उद्योगपति की नजर उस पर पड़ने से उसकी प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलने की संभावना बढ़ गई है।

नशे के नेटवर्क का भंडाफोड़, राजस्थान के दो भाइयों को पुलिस ने 618 ग्राम स्मैक के साथ दबोचा

नैनीताल, एजेंसी। राजस्थान से उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में नशे की सप्लाई करने पहुंचे दो भाइयों को पुलिस ने काठगोदाम क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 618 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। दो राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की सीमाएं लांघकर पहाड़ में नशे की सप्लाई करने पहुंचे राजस्थान के दो भाइयों को पुलिस ने काठगोदाम में धर दबोचा। उनके कब्जे से 618 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। तस्करों की गिरफ्तारी ने राजस्थान से उत्तराखंड तक फैले नशे के नेटवर्क की परतें खोल दी हैं। एसएसपी ने दावा किया कि कुमाऊं क्षेत्र में अब तक पकड़ी गई स्मैक की यह सबसे बड़ी खेप है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी ने शुक्रवार को पुलिस बहुउद्देश्यीय भवन में मामले का खुलासा करते हुए बताया कि चार जून को गौलापार पश्चिमी खेड़ा स्थित एक निर्माणाधीन मकान के पास से दो भाई गजब सिंह और सीताराम निवासी अटलबंद धऊ पासा भरतपुर (राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया। आरोपी राजस्थान के साथ ही दिल्ली और यूपी की सीमा पार करने के बाद यहां पहुंचे थे। ुलिस के अनुसार स्मैक की डिलीवरी काठगोदाम निवासी रवि नामक युवक को की जानी थी। उसकी तलाश जारी है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी यह मादक पदार्थ कहां से और कब से ला रहे थे।

डिलीवरी के बाद मुक्तेश्वर जाने की थी योजना- पूछताछ में सीताराम ने बताया कि वह टैक्सी चालक है और गजब सिंह भरतपुर में एक आरओ प्लांट में काम करता है। उसकी ससुराल मुक्तेश्वर के जाड़ापानी क्षेत्र में है। दोनों भाई तीन जून की रात अपने मामा की टैक्सी लेकर राजस्थान से हल्द्वानी पहुंचे थे। योजना स्मैक की डिलीवरी देने के बाद ससुराल जाने की थी लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

वाहनों से जुड़ा है रवि का कारोबार- गजब सिंह के खिलाफ राजस्थान में आबकारी और एनडीपीएस एक्ट के तहत चार प्राथमिकी दर्ज हैं जबकि सीताराम का आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। आरोपियों के अनुसार काठगोदाम निवासी रवि वाहनों के कारोबार से जुड़ा है और वही इस नशे के कारोबार को पहाड़ी क्षेत्रों तक पहुंचाने का काम कर रहा था।

तो राजस्थान से भी हो रही है स्मैक तस्करी - इस गिरफ्तारी के बाद पुलिस की उस धारणा को भी झटका लगा है कि उत्तराखंड में आने वाली अधिकतर स्मैक केवल बरेली और शाहजहांपुर से ही पहुंचती है। एसएसपी ने स्वीकार किया कि राजस्थान से स्मैक तस्करी का यह पहला बड़ा मामला सामने आया है।
तीन राज्यों की सीमाएं पार कर यह खेप हल्द्वानी तक पहुंच गई जिससे कानून-व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर भी सवाल खड़े हुए हैं।

मासूम ने निगला पांच का सिक्का: निकालने में काट दी बच्ची की भोजन नली, फेफड़ों तक फैल गया इंफेक्शन; पूरी कहानी

हल्द्वानी, एजेंसी। हल्द्वानी के सुशीला तिवारी अस्पताल के चिकित्सकों पर एक महिला ने अपनी आठ वर्षीय बेटी के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उपचार के दौरान हुई चूक से बच्ची की हालत गंभीर हो गई और इलाज पर सात से आठ लाख रुपये खर्च होने के बावजूद वह अभी तक पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो सकी है। रामनगर निवासी कंचन ने बताया कि उसकी बेटी ने पांच रुपये का सिक्का निगल लिया था। 13 मई को बेटी को रामनगर के अस्पताल से सुशीला तिवारी अस्पताल (एसटीएच) रेफर किया गया। रात नौ बजे वह यहां पहुंची तो ईएनटी विभाग के डॉक्टर ने मरीज को अगले दिन देखने की बात कही। अगले दिन सिक्का तो निकाल लिया गया लेकिन बेटी की तबीयत में सुधार नहीं हुआ। कंचन का कहना है कि उन्होंने 15 मई को डॉक्टर को बताया कि बेटी को बुखार और दर्द है। जांच में पता चला कि आहार नली में सूजन और फेफड़ों में पानी भर गया है। डॉक्टर ने यह नहीं बताया कि यह कैसे

हुआ। कंचन का कहना है कि इस दौरान उनकी बेटी को आईसीयू में शिफ्ट कर दिया गया। वहां भी जब तबीयत ठीक नहीं हुई तो बेटी को उसी रात 10.30 बजे दिल्ली या बरेली दिखाने की बात कहकर डिस्चार्ज कर दिया। वह बेटी को लेकिन देर रात दो बजे बरेली के राममूर्ति अस्पताल पहुंची। वहां के डॉक्टरों ने जांच कर बताया कि बेटी की भोजन नली में कट लग गया है जिसकी वजह से इंफेक्शन हो गया है। अस्पताल प्रबंधन ने लखनऊ से सर्जन बुलाया और फेफड़ों की सर्जरी हुई। महिला का आरोप है कि एसटीएच में यदि पहले ही सही से इलाज हो जाता तो उनकी बेटी की यह हालत नहीं होती। ईएनटी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शहजाद का कहना है कि वह उस दिन अवकाश में थे। ऐसे में उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। मामला जानकारी में नहीं है लेकिन यह गंभीर प्रकरण है। अगर लिखित शिकायत मिलती है तो उस पर कार्रवाई की जाएगी होगी।

मेले को लेकर प्रशासन की तैयारियां तेज, दो दिन पर्वतीय मार्गों पर नहीं चलेंगी रोडवेज बसें

नैनीताल, एजेंसी। कैंची धाम में हर साल 15 जून को होने वाले मेले के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। जाम की स्थिति से बचने के लिए पर्वतीय मार्गों पर मेले से एक दिन पहले रोडवेज की बसों का संचालन बंद रखने का निर्णय लिया गया है। पुलिस के मुताबिक भवाली क्षेत्र के मुख्य चौराहों और डायवर्जन प्वाइंट पर मेले से पहले रात को भी पुलिस बल तैनात रहेगा। परिवहन निगम ने 14 जून से दो दिन के लिए कैंची धाम में लगने वाले मेले को देखते हुए पर्वतीय मार्ग की बसों का संचालन रोकने का निर्णय लिया है। हल्द्वानी डिपो के एआरएम संजय पांडे ने बताया कि मेले के दिन नैनीताल और आसपास के रूटों पर बसों का संचालन बढ़ाया जाएगा। नैनीताल जाने वाले पर्यटकों की संख्या में इन दिनों इजाफा हो रहा है। शुक्रवार को भी काठगोदाम और हल्द्वानी डिपो से नैनीताल के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन किया। औसतन एक दिन में 25 बसों का संचालन होता है लेकिन भीड़ बढ़ने पर यह संख्या 30 से अधिक पहुंच रही है। एआरएम संजय पांडे ने बताया कि नैनीताल मार्ग पर ही यात्री उमड़ रहे हैं। मैदानी रूटों की बसों में कम यात्री आ रहे हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए होगा होटलों का ऑडिट - कैंची मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शटल सेवा चलाई जाएगी। साथ ही पर्वतीय जिलों के वाहनों के लिए स्टीकर व्यवस्था की गई है। भवाली से कैंची धाम मार्ग पर स्थित होटलों और होमस्टे का ऑडिट करने के निर्देश दिए गए हैं।
थाना प्रभारियों को होटल और होमस्टे संचालकों के साथ गोष्ठी करने के लिए कहा गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए होटल बुकिंग के आधार पर ही चेकिंग प्वाइंटस से उन्हें आगे जाने की अनुमति दी जाएगी।

केदारनाथ यात्रा पर फिर लगा 'ब्रेक', मूसलाधार बारिश ने रोकी राह, अलर्ट पर प्रशासन

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड), एजेंसी। रुद्रप्रयाग में लगातार हो रही मूसलाधार वर्षा और मौसम विभाग द्वारा जारी खराब मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है. श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर संचालित सभी यात्रियों को तत्काल प्रभाव से निकटतम होल्डिंग स्थलों और सुरक्षित स्थानों पर रोकने के निर्देश जारी किए हैं.

जिलाधिकारी के निर्देशन में जारी आदेशों के अनुसार भूस्खलन संभावित क्षेत्रों, संवेदनशील जोनों तथा यात्रा मार्ग के विभिन्न पड़ावों पर तैनात अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि मौसम सामान्य होने तक किसी भी यात्री को आगे

बढ़ने की अनुमति न दी जाए. सभी यात्रियों को सुरक्षित होल्डिंग क्षेत्रों में ठहराने, उनके भोजन, आवास एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा लगातार निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं. प्रशासन ने केदारनाथ यात्रा मार्ग सहित जनपद के सभी संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात सेक्टर मजिस्ट्रेट, पुलिस बल, डीडीआरएफ, एसडीआरएफ, एनडीडीएफ तथा संबंधित विभागों को उच्च स्तर की सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं. अधिकारियों से कहा गया है कि किसी भी प्रकार की आपदा, भूस्खलन, सड़क अवरोध, दुर्घटना अथवा अन्य आपात स्थिति की सूचना तत्काल जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र को उपलब्ध कराई जाए, ताकि त्वरित राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जा सकें. लगातार हो रही वर्षा के कारण पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन और सड़क अवरुद्ध होने की आशंका बनी हुई है. ऐसे में प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है. विभिन्न विभागों के माध्यम से संवेदनशील स्थानों की निगरानी की जा रही है. जिला प्रशासन ने यात्रियों, स्थानीय नागरिकों तथा तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे मौसम विभाग और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन करें. अफवाहों से बचें तथा मौसम सामान्य होने तक अनावश्यक यात्रा करने से परहेज करें. प्रशासन ने कहा है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है. किसी भी प्रकार का जोखिम नहीं उठाया जाएगा. आपातकालीन सहायता को लेकर प्रशासन की ओर से इन नंबरों 8 9 5 8 7 5 7 3 3 5 , 8218326386 पर संपर्क करने का आह्वान किया है. जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने स्पष्ट किया कि मौसम की स्थिति सामान्य होने और मार्ग पूरी तरह सुरक्षित घोषित किए जाने के बाद ही यात्रियों की आवाजाही पुनः शुरू की जाएगी।

केंद्रीय रेलमंत्री ने कियकर्मचारियों और तकनीकी स्टाफ से सीधा संवाद

- विभिन्न विकास योजनाओं और प्रगति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की नई दिल्ली।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उत्तर रेलवे के तिलक ब्रिज से शकूरबस्ती रेल सेक्शन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं और प्रगति कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अश्विनी वैष्णव ने शकूरबस्ती डिपो में कार्यरत कर्मचारियों, मेंटेनेंस स्टाफ और अन्य रेलकर्मियों से सीधे तौर पर संवाद स्थापित किया। एक बेहद आत्मीय और सौहार्दपूर्ण वातावरण में रेल मंत्री ने कर्मचारियों

के अनुभवों को सुना, उनकी पीठ थपथपाकर उनका उत्साहवर्धन किया और उनके दैनिक कार्य में आने वाली व्यावहारिक परेशानियों व समस्याओं को गहराई से जाना। कर्मचारियों के प्रति अपनी संवेदनशीलता का परिचय देते हुए केंद्रीय रेल मंत्री ने बिना किसी प्रशासनिक विलंब के मौके पर ही मौजूद वरिष्ठ रेल अधिकारियों को उनकी समस्याओं पर गंभीरता से गौर करने तथा उनके त्वरित और समयबद्ध निवारण के लिए कड़े प्रशासनिक आदेश जारी किए।

रेल मंत्री ने कामगार दशरथ कुमार को दिलाया अमृत भारत एक्सप्रेस का टिकट

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुड़गांव रेलवे स्टेशन का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेशन पर चल रहे विश्वस्तरीय पुनर्विकास कार्यों की प्रगति का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस स्टेशन का पुनर्विकास कार्य 300 करोड़ की लागत से किया जा रहा हैं। निरीक्षण के दौरान रेल मंत्री ने हमेशा की तरह जमीन से जुड़े नेतृत्व का परिचय देते हुए स्टेशन पर मौजूद यात्रियों से सीधा संवाद किया। उन्होंने यात्रियों से रेलवे की सेवाओं, उनके अनुभवों और यात्रा के दौरान आने वाली परेशानियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरे का सबसे भावुक और ऐतिहासिक पल तब आया जब रेल मंत्री ने स्टेशन के पुनर्विकास कार्य में दिन-रात जुटे निर्माण कामगारों से बातचीत की। संवाद के दौरान वहां काम कर रहे कामगार दशरथ कुमार और उनके साथियों ने केंद्रीय रेल मंत्री से देश की आधुनिक अमृत भारत एक्सप्रेस में सफर करने की अपनी तीव्र इच्छा व्यक्त की। कामगारों की इस सरल और निश्छल इच्छा को सुनकर माननीय रेल मंत्री ने संवेदनशीलता और तत्परता दिखाई। उन्होंने बिना एक पल गंवाए मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश दिए और दशरथ कुमार की इच्छा पूरी करते हुए उन्हें नई दिल्ली-पटना अमृत भारत एक्सप्रेस का कन्फर्म टिकट तुरंत उपलब्ध कराया। टिकट हाथ में आते ही दशरथ कुमार और उनके साथियों के चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ गई। उन्होंने रेल मंत्री के इस सहृदय व्यवहार के लिए उनका सहर्ष आभार व्यक्त किया।

रविन्द्र इन्द्राज सिंह के प्रयासों से दरियापुर कलां में सर्वोदय कन्या विद्यालय होगा संचालित

- लगभग 700-800 बालिकाओं को मिलेगा लाभ, नर्सरी से बारहवीं तक की शिक्षा होगी उपलब्ध
- बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। बवाना विधानसभा क्षेत्र के दरियापुर कलां में स्थित लंबे समय से अनुपयोगी एवं जर्जर अवस्था में पड़े सर्वोदय कन्या विद्यालय (उपदेश कौर) के पुनः संचालन का मार्ग प्रशस्त होने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। दिल्ली के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति-अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण, सहकारिता एवं चुनाव मंत्री तथा बवाना विधानसभा क्षेत्र से विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह के सतत प्रयासों से अब क्षेत्र की बेटियों को अपने ही इलाके में बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। विद्यालय के पुनः शुरू होने से क्षेत्र की लगभग 700 से 800 बालिकाओं को सीधा लाभ मिलेगा। यहां नर्सरी (बाल वाटिका-1) से लेकर कक्षा 12वीं तक की शिक्षा उपलब्ध होगी, जिससे छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए अन्य क्षेत्रों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। विद्यालय में विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी तीनों संकायों में अध्ययन की सुविधा उपलब्ध होगी। छात्राओं को उनकी रुचि, योग्यता और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विषय चुनने का अवसर मिलेगा। आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के अनुरूप कंप्यूटर शिक्षा, कला, शारीरिक शिक्षा तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों का भी अध्ययन कराया जाएगा। इस अवसर पर मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में क्षेत्र की जनता की सेवा करना उनका दायित्व है, लेकिन जब बात बेटियों की शिक्षा और उनके भविष्य की आती है तो यह उनके लिए एक विशेष संकल्प बन जाता है। उन्होंने कहा कि यह विद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि क्षेत्र की बेटियों के सपनों को नई उड़ान देने वाला केंद्र होगा। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और बेटियों को शिक्षा के समान अवसर उपलब्ध कराना एक विकसित एवं सशक्त समाज की आधारशिला है। इस विद्यालय के पुनः संचालन से क्षेत्र की अनेक बालिकाओं को सुरक्षित और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिलेगा, जिससे वे अपने भविष्य को नई दिशा दे सकेंगी। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। दरियापुर कलां में सर्वोदय कन्या विद्यालय (उपदेश कौर) का पुनः संचालन इसी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है। उन्होंने क्षेत्रवासियों, अभिभावकों एवं छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह विद्यालय आने वाले समय में शिक्षा और उत्कृष्टता का केंद्र बनेगा तथा क्षेत्र की बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखेगा। उन्होंने सभी अभिभावकों से आग्रह किया कि वे अपनी बेटियों को शिक्षा से जोड़कर उनके सपनों को साकार करने में सहयोग करें। बेटी पढ़ेगी, बेटी बढ़ेगी तभी बवाना आगे बढ़ेगा, दिल्ली आगे बढ़ेगी और भारत विकसित राष्ट्र बनेगा।

संक्षिप्त खबरें

सीजेपी की मांग सोनम वांगचुक ने उठाई शिक्षा सुधार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले शनिवार को आयोजित प्रदर्शन शांतिपूर्ण संपन्न हो गया। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में विभिन्न राज्यों से आए छात्र, अभिभावक और युवा शामिल हुए। भारी पुलिस सुरक्षा के बीच चला यह प्रदर्शन निर्धारित समय से पहले ही समाप्त हो गया। सीजेपी ने सुबह जानकारी दी थी कि दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति दे दी है। इसके बाद समर्थकों से सीधे धरनास्थल पहुंचने की अपील की गई। पहले उन्हें संसद मार्ग थाने जाने के लिए कहा गया था, लेकिन अनुमति मिलने के बाद योजना में बदलाव किया गया। दिनभर चले शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद शाम करीब चार बजे से पहले अभिजीत दीपके और अन्य प्रमुख आयोजक जंतर-मंतर से रवाना हो गए। इसके बाद पुलिस ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों के माध्यम से लोगों को प्रदर्शन समाप्त होने की जानकारी दी और धरनास्थल खाली करने का अनुरोध किया।

तिरंगा, फूल और संदेशों से सजे पोस्टरों के साथ जंतर-मंतर पहुंचे प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली, । राजधानी के जंतर-मंतर पर शनिवार को शिक्षा व्यवस्था में सुधार और जवाबदेही की मांग को लेकर बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित इस प्रदर्शन में शामिल लोगों ने हाथों में तिरंगा, फूल और विभिन्न संदेशों वाले आकर्षक पोस्टर लेकर अपनी आवाज बुलंद की। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराते हुए शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रदर्शन स्थल पर युवाओं, छात्रों और देश के विभिन्न राज्यों से आए समर्थकों की उल्लेखनीय उपस्थिति देखने को मिली। हाथों में तिरंगा लिए प्रदर्शनकारी शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास करते नजर आए। कई लोग पुलिसकर्मियों के लिए फूल लेकर पहुंचे और उन्हें सम्मान स्वरूप भेंट कर लोकतांत्रिक विरोध की सकारात्मक मिसाल भी पेश की। धरनास्थल पर लगाए गए पोस्टर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे थे। इन पोस्टरों पर ह्लशिक्षा में पारदर्शिता लाओह्व, ह्लछात्रों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करोह्व और ह्लयुवा न्याय चाहते हैंह्व जैसे संदेश लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि शिक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही खामियों और विभिन्न परीक्षाओं को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब सरकार को देना चाहिए।

एमसीडी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, कई वरिष्ठ अधिकारियों के हुए तबादले

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर बड़ा फेरबदल किया है। केंद्रीय स्थापना विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत कई अधिकारियों का तबादला किया गया है, जबकि कुछ अधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। निगम प्रशासन के अनुसार यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। जारी आदेश के मुताबिक शाश्वत सौरभ को सेंट्रल जोन के डिप्टी कमिश्नर पद से स्थानांतरित कर नजफगढ़ जोन का डिप्टी कमिश्नर नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही उन्हें सिटी सदर पहाड़गंज (सीएसडी) का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। प्रशासनिक अनुभव को देखते हुए उन्हें यह अतिरिक्त जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, प्रतीक्षा सूची (वेटिंग पोस्टिंग) में चल रहे सचिन गुप्ता को सेंट्रल जोन का नया डिप्टी कमिश्नर बनाया गया है। सेंट्रल जोन एमसीडी के महत्वपूर्ण जोनों में शामिल है, जहां बड़ी आबादी और व्यावसायिक गतिविधियों के चलते प्रशासनिक कार्यों की विशेष चुनौती रहती है। एमसीडी ने ऋषिता गुप्ता का भी तबादला करते हुए उन्हें रोहिणी जोन से कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया है। इस पद पर उन्हें राजस्व संग्रह और कर संबंधी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन करना होगा। वहीं, उनकी जगह अंशुल सिरोही को रोहिणी जोन का नया डिप्टी कमिश्नर नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त सुमित कुमार को नई जिम्मेदारी देते हुए एलएंडई (लैंड एंड एस्टेट) तथा टोल टैक्स विभाग में तैनात किया गया है। माना जा रहा है कि उनके अनुभव का लाभ इन विभागों के प्रशासनिक और राजस्व संबंधी कार्यों को मजबूत करने में मिलेगा।एमसीडी प्रशासन द्वारा जारी आदेश 5 जून से प्रभावी माना जाएगा।

मृत के ट्रांसफर आदेश ने खोली भाजपा शासित एमसीडी की कार्यशैली की पोल - अंकुश नारंग

- मृत और एक निलंबित जेई के तबादले से साफ एमसीडी को अपने कर्मचारियों की स्थिति के बारे में पता नहीं- अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली।आम आदमी पार्टी ने एक मृत और एक निलंबित जेई के ट्रांसफर करने पर भाजपा शासित एमसीडी की कार्यशैली पर सवाल खड़ा किया है। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि यह ट्रांसफर भाजपा शासित एमसीडी की कार्यशैली की पोल खोल रहा है। उन्होंने पूछा कि क्या एमसीडी को अपने कर्मचारियों की स्थिति के बारे में भी जानकारी नहीं है। उन्होंने मांग की कि इस ट्रांसफर आदेश की जांच की जाए और मृत व निलंबित कर्मचारियों को ट्रांसफर सूची में शामिल करने वाले अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जाए। एमसीडी में नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने एक्स पर एमसीडी की ओर से जारी ट्रांसफर आदेश की सूची जारी कर कहा कि मौत के 7 महीने बाद ट्रांसफर आदेश ने भाजपा शासित एमसीडी की कार्यशैली की पोल खोल दी है। कई महीने पहले निधन हो गया जेई अपूर्व भटनागर का ट्रांसफर आदेश जारी कर दिया गया।वहीं पिछले साल से निलंबित जेई अतुल कुमार सुमन का नाम भी सूची में शामिल है। अंकुश नारंग ने कहा कि इस ट्रांसफर आदेश की तत्काल जांच की जाए। यह पता लगाया जाए कि मृतक कर्मचारियों का नाम सूची में किस अधिकारी ने शामिल किया और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए डिजिटल सत्यापन प्रणाली लागू की जाए। अंकुश नारंग ने कहा कि सवाल यह है कि क्या भाजपा शासित एमसीडी बिना किसी सत्यापन के फाइलें चला रही है क्या अतिरिक्त उपायुक्त (इंजीनियरिंग) को अपने विभाग के कर्मचारियों की स्थिति तक की जानकारी नहीं है। जब मृत, निलंबित और सेवा में न रहने वाले कर्मचारियों के तबादले किए जा रहे हों, तब समझा जा सकता है कि भाजपा के राज में प्रशासनिक व्यवस्था किस स्तर पर पहुंच चुकी है। अंकुश नारंग ने कहा कि शुक्रवार को एमसीडी के इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट की एक चिट्ठी सामने आई है जिसकी संख्या 165 है। यह चिट्ठी 5 जून को जारी की गई। इस चिट्ठी में दो अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है। इनमें से एक अपूर्व भटनागर हैं जिनकी मृत्यु 7 महीने पहले हो चुकी है। दूसरे व्यक्ति अतुल कुमार सुमन हैं जो जेई सिविल हैं और पिछले 9 महीने से निलंबित चल रहे हैं, लेकिन उनका भी ट्रांसफर कर दिया गया है।

पेयजल एवं स्वच्छता व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा : रविन्द्र इन्द्राज सिंह

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति-अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण, सहकारिता एवं चुनाव मंत्री तथा बवाना विधानसभा क्षेत्र के विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने आज जेजे कॉलोनी, सेक्टर-24, रोहिणी में स्थानीय नागरिकों के साथ विस्तृत संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं, जनसुविधाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न स्थानों का निरीक्षण किया तथा नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। क्षेत्रवासियों द्वारा पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता व्यवस्था, सड़क अतिक्रमण, पार्कों के पुनर्विकास तथा आवारा पशुओं की समस्या को प्रमुखता से उठाया गया। इस पर मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने नल से जल व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा सफाई व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। स्थानीय निवासियों की मांग पर जेजे कॉलोनी का नाम बदलकर शहीद ऊधम सिंह कॉलोनी करने के प्रस्ताव पर आवश्यक कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। साथ ही क्षेत्र के पार्क के पुनर्निर्माण एवं सौंदर्यीकरण के लिए भी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि क्षेत्र से अतिक्रमण को हटाने के लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी और व्यापक वृक्षारोपण अभियान प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को आवारा पशुओं की समस्या के स्थायी समाधान हेतु भी प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने क्षेत्र स्थित एकलव्य पार्क में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ, हरित एवं सुव्यवस्थित वातावरण नागरिकों के बेहतर जीवन के लिए आवश्यक है और दिल्ली सरकार इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा क्षेत्र के समग्र विकास को गति देना दिल्ली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मेयर ने स्वामी दयानंद अस्पताल में किया अत्याधुनिक ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन

नई दिल्ली। मेयर प्रवेश वाही ने शनिवार को स्वामी दयानंद अस्पताल में नवनिर्मित उन्नत ऑपरेशन थिएटर ब्लॉक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अस्पताल में दो अत्याधुनिक 4के लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सिस्टम तथा आर्थोपेडिक एवं ट्रॉमा सर्जरी के लिए आवश्यक सी-आर्म (इमेज इंटेंसिफायर) मशीन का भी लोकार्पण किया गया। इन आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की स्थापना से अस्पताल में मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली, सुरक्षित एवं सटीक सर्जिकल सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। लगभग 1.70 करोड़ रुपए की लागत से स्थापित दो 4के लैप्रोस्कोपिक सिस्टम तथा 35 लाख की लागत वाली सी-आर्म मशीन अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को नई तकनीकी क्षमता प्रदान करेंगी। इस अवसर पर स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन सत्या शर्मा, नेता सदन जय भगवान यादव, शाहदरा नॉर्थ जोन चेयरमैन पुनीत शर्मा, वीर सिंह पंवार, स्थानीय पार्षद सहित निगमायुक्त संजीव खिरवार; अतिरिक्त आयुक्त पंकज नरेश अग्रवाल, उपायुक्त ममता यादव, निदेशक अस्पताल प्रशासन, डॉ. अनुज निरंजन माथुर, डॉ. राजेश कुमार बंसल तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। मेयर प्रवेश वाही ने कहा कि स्वामी दयानंद अस्पताल में स्थापित ये अत्याधुनिक उपकरण न केवल सर्जरी की गुणवत्ता और सटीकता को बढ़ाएंगे, बल्कि मरीजों के उपचार को अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी बनाएंगे। निगम अपने अस्पतालों को आधुनिक तकनीकों से सुसज्जित करने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है, ताकि नागरिकों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन सत्या शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का समावेश समय की आवश्यकता है। इन अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध होगा तथा अस्पताल की कार्यक्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। नेता सदन जय भगवान यादव ने कहा कि यह केवल उपकरणों का उद्घाटन नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी भीषण आग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। शनिवार को दिल्ली के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक प्लास्टिक फैक्ट्री में भीषण आग लग गई, जिसमें आसमान में घने काले धुएं के गुबार उठने लगे और इमरजेंसी सेवाएं सक्रिय हो गईं। घटनास्थल की ड्रामेटिक तस्वीरों में इमारत के कुछ हिस्सों को तेज नारंगी लपटों ने घेर लिया था, जबकि दूर से ही घना काला धुआं साफ दिखाई दे रहा था। दिल्ली फायर सर्विस की फायर टेंडर घटनास्थल पर पहुंच गईं और कई यूनिट्स को आग पर काबू पाने के लिए तैनात किया गया। फायर फाइटर्स लगातार आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के अनुसार अभी तक किसी हताहत की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन आग के कारण और नुकसान की जानकारी का इंतजार है। प्लास्टिक फैक्टरियों में आग लगने का खतरा बहुत अधिक होता है क्योंकि स्टोर किए गए मटेरियल अत्यधिक ज्वलनशील होते हैं और इनसे जहरीला धुआं भी निकलता है। स्थानीय निवासियों और कामगारों की भीड़ घटनास्थल के पास जमा हो गई है, जबकि इमरजेंसी सेवाएं स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हुई हैं। अभी तक अधिकारियों की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

वीडियो से मिली जानकारी बनी जीवनरक्षक

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दक्षिणी दिल्ली के हौजरानी स्थित अवैध होटल में लगी भीषण आग में जहां कई लोगों की जान चली गई, वहीं एक नाइजीरियाई दंपती ने अद्भुत सूझबूझ और पूर्व में प्राप्त जानकारी के सहारे अपनी जान बचा ली। आग और जहरीले धुएं के बीच उन्होंने घबराने के बजाय बचाव संबंधी उपाय अपनाए और सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे। पुलिस को दिए गए बयान में नाइजीरियाई दंपती ने बताया कि उन्होंने पहले आग लगने की स्थिति में बचाव के तरीकों से संबंधित एक वीडियो देखा था और अग्नि सुरक्षा अभ्यास के बारे में पढ़ा था। यही जानकारी संकट की घड़ी में उनके काम आई और उन्होंने धैर्य के साथ उसी के अनुसार कदम उठाए। दंपती के अनुसार, आग लगने के बाद उन्हें यह जानकारी थी कि धुआं ऊपर की ओर तेजी से फैलता है। ऐसे में उन्होंने कमरे से बाहर निकलने की जल्दबाजी करने के बजाय बाथरूम में शरण लेने का फैसला किया। वहां पहुंचकर उन्होंने शावर चालू कर दिया और लगातार पानी बहने दिया।

मैक्स अस्पताल में बाउंसर्स लगाकर घायलों से मिलने से विपक्ष को रोकना साबित करता है कि भाजपा मौत के असली आंकड़े छुपा रही है : आतिशी

- दिल्ली में भाजपा की सरकार बनते ही पूरा फायर सर्विस सिस्टम ध्वस्त, न गाड़ियां समय पर आ रहीं और न पाइपों में पानी है: आतिशी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मालवीय नगर अग्निकांड के बाद आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी घायलो से मिलने साकेत स्थित मैक्स अस्पताल में पहुंची थी। लेकिन भाजपा के इशारे पर प्रशासन और अस्पताल वालों ने घायलों से मिलने नहीं दिया। इसके बाद आतिशी ने दिल्ली की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस पूरी घटना को आपराधिक लापरवाही से की गई हत्या करार दिया है। अस्पताल में रोके जाने पर नाराजगी जताते हुए आतिशी ने कहा कि भाजपा के निर्देश पर मैक्स अस्पताल के सिक्योरिटी स्टाफ ने हमें अस्पताल के अंदर नहीं घुसने दिया। अस्पताल प्रशासन का तर्क था कि मरीजों के लिए तय प्रोटोकॉल

के अनुसार अंदर जाने की अनुमति नहीं है। मैं यह पूछना चाहती हूं कि मरीजों को इन्फेक्शन सिर्फ आम आदमी पार्टी के नेताओं से ही होता है क्या? जब भाजपा के नेता, भाजपा की मुख्यमंत्री और भाजपा के विधायक वहां आए, तब मरीजों को कोई रिस्क नहीं था। हमने अस्पताल प्रशासन से कहा कि चलिए आप हमें मरीजों से मत मिलने दीजिए, लेकिन कम से कम डॉक्टरों से मिलने दीजिए ताकि हम उनसे बात करके समझ सकें कि मरीजों का क्या हाल है। हमें डॉक्टरों से भी मिलने नहीं दिया गया। आतिशी ने कहा कि इससे यह बिल्कुल साफ है कि भाजपा और मैक्स अस्पताल मिलकर मरीजों के बारे में कुछ छुपा रहे हैं। वरना ऐसी क्या बात हो गई कि जिस अस्पताल में इस भीषण अग्निकांड के मरीज भर्ती हैं, वहां पर विपक्ष को मिलने से रोका जा रहा है? आखिर ऐसी कौन सी सच्चाई है जिसे जनता से छुपाया जा रहा है? भाजपा की क्रिमिनल नेग्लिजेंस की वजह से 21 लोगों की मौत हो गई और इतने सारे लोग अस्पताल में अपनी जान के लिए जूझ रहे हैं, लेकिन भाजपा इस पूरी सच्चाई पर लीपापोती करने में जुटी है। आतिशी ने कहा कि भाजपा से सीधा सवाल है कि जो 21 मौतों का आंकड़ा बताया जा रहा है, क्या वह पूरी तरह सही है? क्या इस हादसे में 21 लोगों से ज्यादा की जान जा चुकी है? जिस प्रकार से हमें अस्पताल में जाने से रोका गया, उससे आज यह बहुत बड़ा सवाल उठ गया है कि शायद असली आंकड़ा दिल्ली और देश की जनता के सामने नहीं रखा जा रहा है। अस्पताल के मुख्य गेट पर पुलिस और 15-20 बाउंसर्स को लगाकर आम आदमी पार्टी के नेताओं को रोका गया, जिससे साफ है कि सरकार कुछ छुपाना चाह रही है। आतिशी ने कहा कि अगर मरीजों से भाजपा के नेता मिल सकते हैं, तो विपक्ष के नेताओं को किस आधार पर रोका जा रहा है? हम मरीजों को किसी भी तरह के मेडिकल रिस्क में नहीं डालना चाहते, लेकिन डॉक्टरों से भी न मिलने देना इस संदेह को पुख्ता करता है कि भाजपा मौत के असली आंकड़ों को छुपा रही है। अगर ऐसा नहीं है, तो पारदर्शिता बरतने में क्या दिक्कत है? डॉक्टरों से न मिलने देने का सीधा मतलब है कि कोई न कोई ऐसी सच्चाई है, जिसे भाजपा सामने नहीं आने देना चाहती। यह पूरी स्थिति भाजपा की मिलीभगत को उजागर करती है, जिसके कारण दिल्ली में इस तरह की अवैध और असुरक्षित गतिविधियां धड़ल्ले से चल रही हैं। आतिशी ने कहा कि मालवीय नगर में लगी आग और उसमें गई 21 लोगों की जान कोई हादसा नहीं, बल्कि एक हत्या है। यह आपराधिक लापरवाही से की गई हत्या है।

पानी की गंभीर समस्या को लेकर कांग्रेस ने फतेह नगर में किया मटका फोड़ प्रदर्शन

- हरी नगर विधानसभा क्षेत्र की जनता अरसे से जनता जूझ रही पानी की गंभीर समस्या से, सरकार और जल बोर्ड मौन : प्रेम शर्मा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राजधानी में गर्मियों की शुरूआत के साथ ही पानी की भारी किल्लत होने लगी है। पानी की गंभीर समस्या को लेकर शनिवार को हरी नगर विधानसभा क्षेत्र के फतेह नगर ब्लॉक में कांग्रेस कार्यकताओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस ने दिल्ली सरकार और जल बोर्ड के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर मटका फोड़कर अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन का नेतृत्व हरी नगर विधानसभा प्रत्याशी रहे प्रेम शर्मा और फतेह नगर ब्लॉक अध्यक्ष दलजीत सिंह के संयुक्त नेतृत्व में आयोजित किया गया। प्रदर्शन में तिलका नगर जिला अध्यक्ष अमनदीप सूदन, हरी नगर ब्लॉक के पूर्व अध्यक्ष, पूर्व निगम प्रत्याशी दिनेश जैन, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हरपाल सिंह बब्बन, राजू यादव, जिला उपाध्यक्ष कमलजीत कौर, मंडल अध्यक्ष हरीश सच्चेदव, राजेंद्र ठाकुर, संतोष चौहान, रविंद्र गर्ग, हेनरी वरेरा, मनप्रीत समेत बड़ी संख्या कांग्रेस कार्यकताओं और आम नागरिकों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए हरी नगर विधानसभा प्रत्याशी रहे प्रेम शर्मा ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से पानी की भारी किल्लत से जूझ रही है। लोगों को दैनिक जरूरतों के लिए भी पानी नहीं मिल पा रहा। लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार और जल बोर्ड मूकदर्शक बने बैठे हैं। फतेह नगर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष दलजीत सिंह ने कहा कि जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में मौजूदा शासन पूरी तरह विफल साबित हुआ है। यदि इस समस्या का जल्द स्थायी समाधान नहीं निकाला गया तो कांग्रेस जनता के हक के लिए इस आंदोलन को और तेज करेगी। हरी

डिप्टी मेयर ने किया गाजीपुर लैंडफिल साइट का निरीक्षण

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली नगर निगम के विशेष स्वच्छता एवं पर्यावरण जागरूकता अभियान के अंतर्गत शनिवार को डिप्टी मेयर डॉ. मोनिका पंत ने गाजीपुर लैंडफिल साइट का निरीक्षण किया। इस अवसर पर स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन सत्य शर्मा, डेम्स कमेटी चेयरमैन संदीप कपूर तथा शाहदरा उत्तरी एवं दक्षिणी जोन के पार्षद उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों ने लैंडफिल साइट पर चल रहे बायो-माइनिंग, कचरा निस्तारण, पर्यावरणीय सुधार तथा स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत किए जा रहे विभिन्न कार्यों का अवलोकन किया। अधिकारियों ने साइट पर संचालित गतिविधियों, कचरा प्रसंस्करण की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी। डिप्टी मेयर डॉ. मोनिका पंत ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि गाजीपुर लैंडफिल साइट के शीघ्र एवं प्रभावी समाधान के लिए सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाएं। दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषणमुक्त बनाने के लिए निगम निरंतर प्रयासरत है। गाजीपुर लैंडफिल साइट का वैज्ञानिक एवं स्थायी समाधान हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। नागरिकों को बेहतर और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना हमारा संकल्प है। स्टैंडिंग कमेटी चेयरमैन सत्य शर्मा ने कहा कि गाजीपुर लैंडफिल साइट से जुड़े कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है। निगम का उद्देश्य न केवल पुराने कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण सुनिश्चित करना है, बल्कि भविष्य में कचरे के प्रभावी प्रबंधन के लिए भी मजबूत व्यवस्था विकसित करना है। स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए जनभागीदारी भी अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने भी क्षेत्रीय समस्याओं, स्थानीय आवश्यकताओं तथा उनके समाधान के संबंध में अपने सुझाव साझा किए। उल्लेखनीय है कि विश्व पर्यावरण दिवस-2026 की थीम के अंतर्गत दिल्ली नगर निगम ने पांच से 12 जून तक विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत छह जून को जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों के लिए अपशिष्ट प्रबंधन स्थलों का भ्रमण आयोजित किया गया, जिससे उन्हें स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त हो सके। इसके अतिरिक्त सात से 12 जून तक चार स्तरीय कचरा पृथक्करण, घरेलू कम्पोस्टिंग, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण तथा विभिन्न जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

एमसीडी ने की पूरी दिल्ली में बिल्डिंग बायलॉज उल्लंघन के खिलाफ सख्त कार्रवाई

- एक से पांच जून से तक निगम ने की सभी 12 जोन में 82 प्रॉपर्टीज के ध्वस्तीकरण की कार्रवाई, 43 प्रॉपर्टीज को किया सील

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देशों के अनुसार सख्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली नगर निगम ने एक जून से आज तक प्रतिदिन दिल्ली के सभी जोन में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। एक जून से आज तक अनधिकृत निर्माण के खिलाफ शहर भर में चलाए गए बड़े अभियान के तहत 82 प्रॉपर्टीज को गिराया गया और 43 प्रॉपर्टीज को सील किया गया। सील करने और तोड़ने का यह अभियान निगम की टीमों ने दिल्ली पुलिस की मदद से चलाया। टीमों ने अवैध ढांचों को हटाने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया और बिल्डिंग नियमों का उल्लंघन करने वाली प्रॉपर्टीज को सील कर दिया। एमसीडी ने एक जून से दक्षिणी क्षेत्र में बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करने वाली 12 प्रॉपर्टीज के खिलाफ तोड़ने की कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान दक्षिणी क्षेत्र में 14 और प्रॉपर्टीज को सील किया गया। सिविल लाइन्स जोन में सात प्रॉपर्टीज के खिलाफ तोड़ने की कार्रवाई की गई, जबकि नरेला जोन में एक जून से आज तक आठ अवैध प्रॉपर्टीज को गिराया गया। निगम ने दक्षिणी क्षेत्र ने अलग-अलग इलाकों में अनधिकृत निर्माण और गलत इस्तेमाल की समस्या को रोकने और कम करने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया है। दक्षिणी क्षेत्र के कई इलाकों में बड़े पैमाने पर सीलिंग और तोड़ने की कार्रवाई की। निगम और अन्य एजेंसियों के संयुक्त सर्वे के दौरान निगम ने हौजरानी में बिल्डिंग बायलॉज का उल्लंघन करके चल रहे 12 से ज्यादा बेड-एंड-ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) गेस्ट हाउस की पहचान की। सर्वे के दौरान सैदुलाजाब में 32 और खिड़की एक्सटेंशन में नौ प्रॉपर्टीज की भी पहचान की गई जो नियमों का उल्लंघन करके चल रही थीं। आज चलाए गए एक बड़े अभियान में अनधिकृत निर्माण के खिलाफ कार्रवाई के दौरान हौजरानी में पांच बीएंडबी गेस्ट हाउस को सील किया गया। इन गेस्ट हाउस में ग्रीन रेजिडेंसी, वेन्यू इन और मिकासा इन शामिल हैं। इसके अलावा खिड़की एक्सटेंशन में एक प्रॉपर्टी को तोड़ा और सील किया गया। निगम की टीमों ने साकेत के सैदुलाजाब में आठ प्रॉपर्टीज के खिलाफ सीलिंग और तोड़फोड़ की कार्रवाई की। निगम की निकट भविष्य में दिनों में सैदुलाजाब में 32 प्रॉपर्टीज और खिड़की एक्सटेंशन में नौ प्रॉपर्टीज के खिलाफ तोड़फोड़ और सीलिंग अभियान चलाने की योजना है। यह पक्का करने के लिए कि मामला लगातार निगरानी और नियंत्रण में रहे, इसलिए इलाकों पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि किसी भी गैर-कानूनी निर्माण और नियमों का उल्लंघन करने वाले बीएंडबी गेस्ट हाउस की पहचान की जा सके।

दिल्ली सिविल डिफेंस के पूर्व बस मार्शलों का प्रतिनिधिमंडल मिला प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से

- उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री के समक्ष उठाऊंगा मार्शलों की बात : हर्ष मल्होत्रा
- मार्शलों ने अपनी मांगों संबंधी सौंपा ज्ञापन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। अपनी बहाली को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे दिल्ली सिविल डिफेंस के 10,792 बेरोजगार बस मार्शलों का धैर्य अब जवाब देने लगा है। गत 22 मई को किए गए शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद मार्शलों के एक संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा से मुलाकात की। इस दौरान मार्शलों ने दो टूक शब्दों में कहा कि अब वादों का वक्त खत्म हो

चुका है और उन्हें जमीन पर ठोस कार्रवाई चाहिए। यह मुलाकात प्रदेश उपाध्यक्ष और विधायक श्री राजकुमार भाटिया के माध्यम से उनके आवास/कार्यालय पर संपन्न हुई। प्रतिनिधिमंडल में मुकेश पाल सिंह, नरेंद्र कुमार राय, दिव्या, किरन, सचिन, मोनू समेत समस्त नेतृत्व मंडल के सदस्य और बड़ी संख्या में पीड़ित मार्शल उपस्थित रहे। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा को भाजपा नेताओं द्वारा पूर्व में किए गए 60 दिनों के अंदर स्थाई रोजगार के वादे की याद दिलाई। मुकेश पाल सिंह ने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने हमें 60 दिनों में पक्का स्थाई रोजगार देने का भरोसा दिया था, लेकिन वह समय सीमा अब पूरी हो चुकी है। हमारे परिवार पिछले 471 दिनों से आर्थिक तंगी और भुखमरी का सामना कर रहे हैं। अब हमारे पास सब्र नहीं बचा है। हमें केवल लिखित आदेश और बहाली चाहिए। इस दौरान मार्शलों के प्रतिनिधिमंडल ने हर्ष मल्होत्रा को एक औपचारिक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कई मांगें की गई हैं। इसमें जैसा है, जहां है, के आधार पर बहाली। सभी 10,792 पूर्व बस मार्शलों को बिना किसी नियम-कायदों की देरी के तुरंत ड्यूटी पर वापस लिया जाए।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात: किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, रविवार, 07 जून, 2026

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में ई-रिक्शा लाइसेंस के नियम बदले

नईदिल्ली। राजधानी दिल्ली में ई-रिक्शा और ई-कार्ट चालकों के लिए लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। सड़क दुर्घटनाओं और यातायात अव्यवस्था पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा डीलरों द्वारा जारी किए जाने वाले प्रशिक्षण प्रमाणपत्रों को अमान्य घोषित कर दिया है। अब ई-रिक्शा या ई-कार्ट चलाने का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आवेदकों को सरकार से मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थानों से अनिवार्य प्रशिक्षण लेना होगा। परिवहन विभाग के नए निर्देशों के अनुसार, ई-रिक्शा चालक बनने के इच्छुक व्यक्तियों को पहले मान्यता प्राप्त ड्राइविंग प्रशिक्षण संस्थान से 10 दिन का प्रशिक्षण पूरा करना होगा। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद संस्थान द्वारा जारी प्रमाणपत्र के आधार पर ही आवेदक विभागीय ड्राइविंग परीक्षा में शामिल हो सकेंगे। ड्राइविंग परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही संबंधित व्यक्ति को ई-रिक्शा या ई-कार्ट चलाने का लाइसेंस जारी किया जाएगा। इसके बाद ही उसके नाम पर ई-रिक्शा अथवा ई-कार्ट का पंजीकरण संभव हो सकेगा। परिवहन विभाग का मानना है कि इससे सड़कों पर चलने वाले ई-रिक्शा चालकों की दक्षता और जिम्मेदारी दोनों में सुधार आएगा। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जब ई-रिक्शा को सड़कों पर परिचालन की अनुमति दी गई थी, तभी से चालकों के लिए 10 दिन का प्रशिक्षण अनिवार्य करने का प्रावधान मौजूद था। पहले यह व्यवस्था थी कि निर्माता कंपनियां अपने डीलरों के माध्यम से चालकों को प्रशिक्षण उपलब्ध कराएंगी और प्रमाणपत्र जारी करेंगी। हालांकि, सरकार को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि कई स्थानों पर डीलरों द्वारा बिना प्रशिक्षण दिए ही प्रमाणपत्र जारी कर दिए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ महीने पहले इस संबंध में दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा में शिकायत भी दर्ज कराई गई थी, जिसकी जांच अभी जारी है।

कड़ी धूप में मंत्री के इस्तीफे पर अड़े रहे युवा

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के बैनर तले शनिवार को जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया गया। युवाओं का समर्थन करने के लिए शिक्षाविद् व पर्यावरणविद सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में पहुंचे। यहां छात्र, युवा, महिलाएं व बुजुर्ग शामिल रहे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने परीक्षा व भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। साथ ही, पर्चा लीक मामले को लेकर शिक्षा मंत्री के विरोध में जमकर नारेबाजी की सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने अपने संबोधन की शुरुआत जय भीम व वंदे मातरम के साथ की। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना होगा। पेपर लीक का एक ही जवाब है इस्तीफा दिया जाए। यह सुनियोजित दल नहीं है बल्कि युवाओं की आवाज है। दीपके ने आरोप लगाया कि सरकार युवाओं को धर्म की राजनीति कर भटका रही है। युवा धर्म के नाम पर नहीं बटेंगे। यहां युवा परीक्षाओं में हो रही धांधली के विरोध में एकत्रित हुए हैं। प्रदर्शन स्थल पर जैसे ही दीपके पहुंचे, वैसे ही युवाओं में जोश भर गया। प्रदर्शनकारी युवाओं ने दीपके के समर्थन में नारे लगाए। उधर, दीपके ने दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के लिए छात्र व युवा नहीं बल्कि एक मंत्री जरूरी है।

एसआईआर के नाम पर वैध मतदाताओं के नाम नहीं कटने देंगे

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में संभावित विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने की आशंकाओं को लेकर शनिवार को एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित कर मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करना था। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बूथ प्रबंधन विभाग के अध्यक्ष राजेश गर्ग ने बीएलए-1 साथियों को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में शामिल कार्यकर्ता अगले रविवार से दिल्ली के सभी जिलों में आयोजित शिविरों के माध्यम से बीएलए-2 साथियों और अन्य बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देंगे। देवेंद्र यादव ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के नाम पर किसी भी दलित, अल्पसंख्यक, पुनर्वास कॉलोनियों में रहने वाले निम्न आय वर्ग के नागरिकों तथा कानूनी रूप से पात्र मतदाताओं के नाम किसी भी स्थिति में मतदाता सूची से न हटाए जाएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मताधिकार की सुरक्षा में निहित है और कांग्रेस पार्टी हर स्तर पर इसकी रक्षा के लिए संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रहें।

'मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के पीछे अथक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण होता है

देश तभी आगे बढ़ेगा जब हर युवा एक कदम आगे बढ़ाएगा : रेखा गुप्ता

- त्यागराज स्टेडियम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत विकसित भारत के लिए युवा-मेरा भारत युवा सम्मेलन आयोजित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को त्यागराज स्टेडियम में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत आयोजित विकसित भारत के लिए युवा - मेरा भारत युवा सम्मेलन कार्यक्रम में शामिल हुईं। देशभर से आए 6,000 से अधिक युवाओं की उपस्थिति में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, युवा मामलों की सचिव डॉ. पल्लवी जैन गोविल सहित विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियां उपस्थित थीं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमियों, खिलाड़ियों, कलाकारों, कंटेंट क्रिएटर्स, यूपीएससी अभ्यर्थियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह मंच वास्तव में भारत की युवा शक्ति का उत्सव है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के इतने प्रतिभाशाली युवा और प्रेरणास्रोत व्यक्तित्वों की उपस्थिति इस आयोजन को वास्तव में तारे जमीन पर जैसा स्वरूप देती है। जब एक ही मंच पर युवा उद्यमी, खिलाड़ी, कलाकार, जनप्रतिनिधि, कंटेंट क्रिएटर्स और यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले युवा उपस्थित हों तो यह भारत की विविध प्रतिभा और असीम क्षमता का सशक्त प्रतिबिंब बन जाता है। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया को इस अभिनव पहल के लिए बधाई देते हुए कहा कि मेरा भारत युवा सम्मेलन युवाओं को सम्मानित करने के साथ-साथ उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता के पीछे अथक परिश्रम, अनुशासन और समर्पण होता है। यही समर्पण भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि अगर देश का प्रत्येक युवा एक कदम आगे बढ़ाता है तो 140 करोड़ भारतीयों का देश भी उसी गति से आगे बढ़ता है। उन्होंने युवाओं से अपनी ऊर्जा, प्रतिभा और इनोवेशन की क्षमता को राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित करने का आह्वान करते हुए कहा कि जीवन में देश के लिए मरने का अवसर मिले या न मिले, लेकिन देश के लिए जीने और योगदान देने का अवसर हम सभी के पास है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की युवा शक्ति ही ह्यविकसित भारत-2047 का सबसे मजबूत आधार बनेगी।

जन जातीय इतिहास भारत की सभ्यतागत यात्रा का अभिन्न अंग हैं- दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष

- इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित भगवान बिरसा मुंडा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भगवान बिरसा मुंडा भारत के इतिहास में एक विशिष्ट एवं प्रेरणादायी स्थान रखते हैं। ह्यधरती आबाह्ल के रूप में पूज्य बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि स्वाभिमान, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक जागरण के प्रतीक थे। यह बात दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ह्यभगवान श्री बिरसा मुंडा, जनजातीय भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं संग्रहालयों में उनका प्रतिनिधित्वह्न को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। म्यूज़ियम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में संग्रहालय विशेषज्ञों, इतिहासकारों, पुरातत्वविदों, विद्वानों तथा शोधकताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी में भगवान बिरसा मुंडा की स्थायी विरासत, जनजातीय भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा जनजातीय धरोहर के संरक्षण और प्रस्तुतीकरण में संग्रहालयों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। अपने संबोधन में गुप्ता ने कहा कि बिरसा मुंडा का आंदोलन केवल औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक संस्थाओं और स्वदेशी जीवन-पद्धति की रक्षा का एक सशक्त प्रयास भी था। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब जनजातीय समुदाय आर्थिक शोषण, सामाजिक विघटन और परंपराओं के क्षरण का सामना कर रहे थे, बिरसा मुंडा ने उनमें आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का नया संचार किया। उनके अनुसार बिरसा मुंडा से जुड़ा सांस्कृतिक पुनर्जागरण जनजातीय समुदायों में उनके इतिहास, ज्ञान-परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति विश्वास को पुनर्स्थापित करने का प्रयास था, जिसने यह सिद्ध किया कि अधिकारों की रक्षा और संस्कृति का संरक्षण परस्पर गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत की समृद्ध जन जातीय विरासत का उल्लेख करते हुए गुप्ता ने कहा कि जनजातीय समुदायों के पास मौखिक साहित्य, लोक परंपराओं, संगीत, कला, पारिस्थितिक ज्ञान और पीढ़ियों से विकसित सामाजिक व्यवहारों की अद्भुत धरोहर है। उन्होंने कहा कि ये परंपराएँ केवल अतीत की स्मृतियाँ नहीं हैं, बल्कि जीवंत सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां हैं, जो आज भी भारत की सामाजिक संरचना को समृद्ध बना रही हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने आगे कहा कि जन जातीय समुदाय लंबे समय से वनों, जैव-विविधता और सतत जीवन-पद्धतियों के संरक्षक रहे हैं। ऐसे समय में, जब विश्व पर्यावरणीय चुनौतियों और तीव्र तकनीकी परिवर्तनों का सामना कर रहा है, उनके ज्ञान-तंत्र विशेष रूप से प्रासंगिक हो उठते हैं। उन्होंने कहा कि इन महत्वपूर्ण योगदानों के बावजूद दशकों तक अनेक जनजातीय इतिहासों और स्वतंत्रता संग्रामों को मुख्यधारा के विमर्श में पर्याप्त स्थान नहीं मिला। जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों को सम्मानित करने, जनजातीय गौरव दिवस मनाने और जनजातीय धरोहर के दस्तावेजीकरण के प्रयासों का स्वागत करते हुए उन्होंने इन्हें भारत के इतिहास की अधिक समावेशी समझ विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। संग्रहालयों की भूमिका पर बल देते हुए गुप्ता ने कहा कि संग्रहालय केवल कलाकृतियों के भंडार नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक स्मृति के संरक्षक हैं।

सुप्रीम कोर्ट से राहत के बाद सेक्टर 150 स्पोर्ट्स सिटी का सपना हकीकत के और करीब

- सुप्रीम कोर्ट से राहत के बाद सेक्टर 150 स्पोर्ट्स सिटी का सपना हकीकत के और करीब

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। करीब दो दशकों पहले सेक्टर 150 को नोएडा के प्रमुख खेल केंद्र के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गई थी। हालांकि, नियामकीय विवादों, नीतिगत चुनौतियों और लंबे समय तक चली कानूनी प्रक्रियाओं के कारण स्पोर्ट्स सिटी से जुड़े कई विकास कार्य अपेक्षित गति नहीं पकड़ सके। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही और उसके बाद नोएडा प्राधिकरण द्वारा उठाए गए कदम के बाद लंबित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। इससे हजारों घर खरीदारों, निवेशकों और अन्य हितधारकों के बीच नई उम्मीद जगी है। भूटानी इंफ्रा के नेतृत्व में सेक्टर 150 में आगे बढ़ रही प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। कंपनी ने यहां भूटानी स्पोर्ट्स सिटी की परिकल्पना प्रस्तुत की है, जिसे एक एकीकृत खेल-केंद्रित विकास परियोजना के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य सेक्टर 150 की मूल स्पोर्ट्स सिटी को नई दिशा देना और इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (ठउफ) के प्रमुख खेल एवं लाइफस्टाइल डेस्टिनेशन बनाना है। इस स्पोर्ट्स सिटी के मास्टर प्लान में गोल्फ कोर्स, क्रिकेट अकादमी, स्विमिंग सेंटर, इंडोर मल्टी-पर्पज स्पोर्ट्स हॉल और टेनिस सेंटर जैसी खेल सुविधाओं का प्रावधान है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रस्तावित योजनाएं निर्धारित समयसीमा के अनुसार पूरी होती हैं, तो सेक्टर 150 न सिर्फ एनसीआर के प्रमुख स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन में शामिल हो सकता है बल्कि खेलों के विकास समेत निवेश के लिहाज से भी एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर सकता है।

बढ़ती महंगाई से बेहाल जनता, बिगड़ रहा घरेलू बजट

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई से जुड़ी आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। राजधानी के विभिन्न इलाकों में लोगों का कहना है कि महंगाई ने उनके घरेलू बजट को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। परिवार का पालन-पोषण, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च उठाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। आय में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं होने के कारण बचत करना अब आम परिवारों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। व्यवसायी पवन कुमार का कहना है कि पिछले कुछ महीनों में घर का मासिक बजट पूरी तरह प्रभावित हो गया है। बिजली, पानी, राशन और बच्चों की पढ़ाई का खर्च लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, ह्लपहले महीने के अंत में कुछ पैसे बच जाते थे, लेकिन अब जितनी कमाई होती है, वह रोजमर्रा के खर्चों में ही समाप्त हो जाती है।

कोर्ट द्वारा सौंपी गई चैरिटेबल प्रॉपर्टी को ट्रांसफर करके अमानत में खयानत विश्वासघात करना

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट के डिस्ट्रिक्ट जज ने 05/08/2000 को सक्सेना समुदाय के 7 ट्रस्टियों को एक प्रॉपर्टी सौंपी थी। इस प्रॉपर्टी के साथ शर्त थी कि इससे होने वाली किराए की आय का इस्तेमाल लड़कियों की शिक्षा के लिए किया जाएगा और डिस्ट्रिक्ट जज की इजाजत के बिना इसे ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। साल 2016 में, श्री चित्रगुप्त सभा के सेक्रेटरी राजन बाबू सक्सेना ने डिस्ट्रिक्ट जज की इजाजत लिए बिना प्रॉपर्टी नंबर 3150, लाल दरवाजा, बाजार सीता राम, दिल्ली-06 को 99 साल की परपेचुअल लीज (हमेशा के लिए पट्टे) पर 35 लाख रुपये में ट्रांसफर कर दिया। कोर्ट की इजाजत के बिना प्रॉपर्टी ट्रांसफर करने के मामले में, 2024 में श्रीमती गीता गुप्ता और श्री सुशील सक्सेना ने वकील रचित गुप्ता और विनीत त्यागी के जरिए दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट के डिस्ट्रिक्ट जज के सामने राजन बाबू सक्सेना के खिलाफ एक एप्लीकेशन दायर की। 30 मई 2026 को डिस्ट्रिक्ट जज के सामने अपने बयान में राजन बाबू सक्सेना ने माना कि उन्होंने बिना परमिशन के प्रॉपर्टी लीज पर दी थी, जिसके लिए उन्होंने माफी मांगी। साथ ही, उन्होंने कहा कि इस पैसे से उन्हें कोई निजी फायदा नहीं हुआ, क्योंकि डिस्ट्रिक्ट जज ने श्री चित्रगुप्त सभा के बैंक अकाउंट में 40 लाख रुपये की रकम फ्रीज कर दी थी।

हौजरानी अग्निकांड के नायक रियाजुद्दीन की मदद को बढ़े कई हाथ, इंसानियत की मिसाल को मिला सलाम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के हौजरानी अग्निकांड की भयावह रात में अपनी जान की परवाह किए बिना दूसरों की जिंदगी बचाने वाले व्यापारी रियाजुद्दीन की मानवता और साहस को अब समाज का सम्मान मिल रहा है। आग की लपटों और धुएं के बीच उन्होंने अपनी दुकान के गद्दे और रजाइयां सड़क पर बिछाकर कई लोगों की जान बचाई थी। इस दौरान उन्हें लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा, लेकिन उन्होंने इंसानियत को सबसे ऊपर रखा। अब विभिन्न सामाजिक संगठन उनकी मदद के लिए आगे आ रहे हैं। हौजरानी स्थित होटल में लगी भीषण आग के दौरान ऊपरी मंजिलों पर फंसे लोग अपनी जान बचाने के लिए मदद की गुहार लगा रहे थे।

बिरसा मुंडा स्वाभिमान और सामाजिक जागरण के प्रतीक : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा भारत के इतिहास में एक विशिष्ट एवं प्रेरणादायी स्थान रखते हैं। ह्यधरती आबाह्ल के रूप में बिरसा मुंडा केवल एक स्वतंत्रता सेनानी नहीं थे, बल्कि स्वाभिमान, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक जागरण के प्रतीक है। यह बात दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने शनिवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी ह्यभगवान बिरसा मुंडा, जनजातीय भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण एवं संग्रहालयों में उनका प्रतिनिधित्व को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। म्यूजियम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस संगोष्ठी में संग्रहालय विशेषज्ञों, इतिहासकारों, पुरातत्वविदों, विद्वानों तथा शोधकताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी में भगवान बिरसा मुंडा की स्थायी विरासत, जनजातीय भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण तथा जनजातीय धरोहर के संरक्षण और प्रस्तुतीकरण में संग्रहालयों की भूमिका पर विचार-विमर्श किया गया। अपने संबोधन में विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि बिरसा मुंडा का आंदोलन केवल औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध संघर्ष नहीं था, बल्कि सांस्कृतिक पहचान, पारंपरिक संस्थाओं और स्वदेशी जीवन-पद्धति की रक्षा का एक सशक्त प्रयास भी था। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब जनजातीय समुदाय आर्थिक शोषण, सामाजिक विघटन और परंपराओं के क्षरण का सामना कर रहे थे, बिरसा मुंडा ने उनमें आत्मसम्मान, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का नया संचार किया। उनके अनुसार बिरसा मुंडा से जुड़ा सांस्कृतिक पुनर्जागरण जनजातीय समुदायों में उनके इतिहास, ज्ञान-परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति विश्वास को पुनर्स्थापित करने का प्रयास था, जिसने यह सिद्ध किया कि अधिकारों की रक्षा और संस्कृति का संरक्षण परस्पर गहराई से जुड़े हुए हैं। भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत का उल्लेख करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि जनजातीय समुदायों के पास मौखिक साहित्य, लोक परंपराओं, संगीत, कला, पारिस्थितिक ज्ञान और पीढ़ियों से विकसित सामाजिक व्यवहारों की अद्भुत धरोहर है। उन्होंने कहा कि ये परंपराएं केवल अतीत की स्मृतियाँ नहीं हैं, बल्कि जीवंत सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ हैं, जो

एनडीएमसी सुविधा शिविर में मिलीं 61 शिकायतें

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने नागरिक-केंद्रित और जवाबदेह प्रशासन की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए जय सिंह रोड स्थित एनडीसीसी कन्वेंशन सेंटर में सुविधा शिविर का आयोजन किया। शिविर में नागरिकों की समस्याओं के समाधान के लिए 61 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। एनडीएमसी क्षेत्र के निवासियों और सेवा उपभोक्ताओं के लिए आयोजित यह शिविर एकल खिड़की व्यवस्था के रूप में संचालित किया गया, जहां शिकायत निवारण के साथ-साथ विभिन्न नागरिक सेवाओं से संबंधित जानकारी और मार्गदर्शन भी उपलब्ध कराया गया। प्राप्त शिकायतें मुख्य रूप से कार्मिक, सिविल इंजीनियरिंग, उद्यान, जन स्वास्थ्य, प्रवर्तन, वाणिज्य, कर तथा संपत्ति विभागों से संबंधित थीं। बड़ी संख्या में लोगों ने विभिन्न सेवाओं की प्रक्रिया और सुविधाओं के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। शिविर की विशेषता नागरिकों और विभागीय अधिकारियों के बीच प्रत्यक्ष संवाद रही, जिससे शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता और त्वरित निर्णय की प्रक्रिया को बढ़ावा मिला। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव था, उनका निस्तारण मौके पर ही किया गया, जबकि अन्य मामलों में शिकायतकताओं को निर्धारित प्रक्रिया और समय-सीमा की स्पष्ट जानकारी दी गई। प्रभावी सेवा सुनिश्चित करने के लिए 30 से अधिक विभागों के 100 से अधिक अधिकारी और कर्मचारी शिविर में तैनात रहे। सभी सहायता केंद्रों की निगरानी संबंधित विभागाध्यक्षों ने की। एनडीएमसी ने डिजिटल सेवाओं को मजबूत करते हुए ह्यजन सुविधा पोर्टलह्न को भी बढ़ावा दिया है। इस माध्यम से नागरिक शिकायत दर्ज करने, उसकी स्थिति का वास्तविक समय में अवलोकन करने और अपनी प्रतिक्रिया देने की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही सामाजिक माध्यमों पर प्राप्त शिकायतों की निगरानी कर उनके त्वरित निस्तारण की व्यवस्था भी की जा रही है।

नेशनल टैलेंट हंट से प्रतिभाशाली कार्यकताओं को मिलेगा राष्ट्रीय मंच, कांग्रेस की आवाज बनने का अवसर : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी उन प्रतिभाशाली कार्यकताओं को कांग्रेस की सीधी आवाज बनने का अवसर प्रदान कर रही है, जो देश और समाज के ज्वलंत मुद्दों पर अपनी प्रभावशाली अभिव्यक्ति के माध्यम से लोगों की आवाज बुलंद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल युवाओं की प्रतिभा को पहचानने, उन्हें अवसर देने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। राजीव भवन स्थित दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को दो दिवसीय नेशनल टैलेंट हंट कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करने के लिए चयन प्रक्रिया शुरू की गई, जिसके तहत इच्छुक अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया जा रहा है। चयनित प्रतिभाओं को उनकी क्षमता को निखारने और पार्टी की विचारधारा से जुड़कर काम करने के लिए सशक्त मंच उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान प्रवक्ता, शोध समन्वयक और प्रचार समन्वयक जैसे तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए योग्य प्रतिभाओं का चयन किया जाएगा। चयनित अभ्यर्थियों को कांग्रेस पार्टी के संचार तंत्र का हिस्सा बनने और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी भूमिका निभाने का अवसर मिलेगा। इस अवसर पर देवेन्द्र यादव के साथ दिल्ली कांग्रेस के संगठन महासचिव एवं नेशनल टैलेंट हंट के संयोजक अनिल भारद्वाज, पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अमी यागिनक, हरियाणा की विधायक गीता भुक्कल, नेशनल टैलेंट हंट के सह-संयोजक अनुज आत्रेय तथा साक्षात्कार के लिए पहुंचे अनेक अभ्यर्थी भी उपस्थित रहे। देवेन्द्र यादव ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निर्देश पर इस पहल की शुरूआत की गई है। दिल्ली में इसकी प्रक्रिया 17 मार्च से प्रारंभ हुई थी और अब विभिन्न चरणों को पूरा करने के बाद चयन प्रक्रिया अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। उन्होंने कहा कि पार्टी नई पीढ़ी को अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है और योग्य युवाओं को नेतृत्व की मुख्यधारा में लाना चाहती है। उन्होंने कहा कि नेशनल टैलेंट हंट का उद्देश्य जमीनी स्तर से लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक पार्टी के संचार तंत्र को मजबूत करना है। साथ ही ऐसे लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का अवसर देना है, जिनकी विशिष्ट सोच और अभिव्यक्ति समाज के हित में सकारात्मक योगदान दे सकती है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि यह पहल पारदर्शिता, निष्पक्षता, समावेशिता और योग्यता आधारित सहभागिता के प्रति कांग्रेस की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। कार्यक्रम के माध्यम से अनुभवी कार्यकताओं के साथ-साथ पार्टी की विचारधारा में विश्वास रखने वाले नए अभ्यर्थियों को भी देश की समस्याओं और आमजन के संकटों पर समान रूप से अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा।

जंतर-मंतर से केन्द्रीय मंत्रियों तक रहे कड़े सुरक्षा बंदोबस्त

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर ह्यह्लकॉकरोच जनता पार्टीह्लह्ल (सीजेपी) के बड़े विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए सुरक्षा के अभूतपूर्व और कड़े बंदोबस्त किए गए। (नीट यूजी) पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जुटे हजारों युवाओं और छात्रों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने जमीन से लेकर आसमान तक मोर्चा संभाल रखा था। ड्रोन के माध्यम से भी पूरे प्रदर्शन स्थल की निगरानी पुलिस द्वारा की गई। राजधानी का जंतर-मंतर इलाका शनिवार को एक अभेद्य किले में तब्दील कर दिया गया था। प्रदर्शन के दौरान किसी भी संभावित टकराव या उपद्रव को रोकने के लिए पुलिस ने पूरी मुस्तैदी दिखाई। माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वाले या संदिग्ध पाए गए करीब 6 लोगों को पुलिस ने एहतियातन हिरासत में लिया, जिन्हें बाद में छोड़ दिया गया।

राज्यों के वित्त आयोगों को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारत में राजकोषीय विकेंद्रीकरण को अधिक प्रभावी और साक्ष्य-आधारित बनाने की दिशा में केंद्र सरकार एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को राज्य वित्त आयोगों के लिए डेटासेट संबंधी समिति की रिपोर्ट जारी की जाएगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन इस रिपोर्ट का विमोचन करेंगे। इस दौरान पंचायती राज मंत्रालय के सचिव विवेक भारद्वाज, राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. मनीष गुप्ता और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। रिपोर्ट जारी होने के बाद मुख्य आर्थिक सलाहकार डेटा-आधारित नीतिनिर्माण और साक्ष्य-आधारित वित्तीय शासन पर मुख्य भाषण देंगे। वे बताएंगे कि सशक्त स्थानीय स्वशासन और समावेशी विकास के लिए विश्वसनीय डेटा और तथ्यों पर आधारित नीतियां कितनी महत्वपूर्ण हैं। यह रिपोर्ट राज्य वित्त आयोगों के लिए आवश्यक आंकड़ों और सूचनाओं का एक व्यवस्थित एवं व्यापक खाका प्रस्तुत करती है। रिपोर्ट में डेटा की उपलब्धता बढ़ाने, उसके मानकीकरण, विभिन्न प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल (इंटरऑपरेबिलिटी) तथा स्थानीय स्तर पर वित्तीय विश्लेषण के लिए संस्थागत क्षमता को मजबूत बनाने संबंधी व्यावहारिक सुझाव दिए गए हैं। सरकारी बयान के अनुसार, यह रिपोर्ट राज्य सरकारों, राज्य वित्त आयोगों, संवैधानिक संस्थाओं, आर्थिक शोधकताओं और भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण तथा स्थानीय सार्वजनिक वित्त को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रहे सभी हितधारकों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ दस्तावेज साबित होगी। संविधान के अनुच्छेद 243-आई के तहत गठित राज्य वित्त आयोग पंचायत राज संस्थाओं की वित्तीय स्थिति की समीक्षा करने और स्थानीय निकायों

दिल्ली कोर्ट ने बिहार भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को हर्ष फायरिंग मामले में दोषी ठहराया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 31 दिसंबर 2018 को वसंत कुंज स्थित एक फार्महाउस में हुई हर्ष फायरिंग के मामले में बिहार के भाजपा विधायक राजू कुमार सिंह को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने उन्हें भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 304 (भाग-2) और आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत दोषी ठहराते हुए हिरासत में लेने का आदेश दिया। वहीं, उनकी पत्नी रेनू सिंह तथा अन्य दो आरोपियों राणा राजेश सिंह और रामेंद्र सिंह को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया। मामले के अनुसार, 31 दिसंबर 2018 की रात विधायक राजू कुमार सिंह ने वसंत कुंज स्थित फार्महाउस में नववर्ष के अवसर पर एक पार्टी आयोजित की थी। पार्टी के दौरान उन्होंने अपनी लाइसेंसी पिस्तौल से हवा में फायरिंग की। इस दौरान निकली एक गोली एक महिला को लग गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद दिल्ली पुलिस ने राजू कुमार सिंह और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया था। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि भीड़भाड़ वाली पार्टी में गोली चलाना अत्यंत लापरवाहीपूर्ण कृत्य है। आरोपी को यह भली-भांति पता था कि ऐसी परिस्थिति में फायरिंग करने से किसी व्यक्ति की जान जा सकती है। फैसला सुनाते हुए विशेष न्यायाधीश ने कहा कि राजू कुमार सिंह द्वारा लाइसेंसी हथियार से की गई फायरिंग एक जानबूझकर किया गया कृत्य था, जिसके परिणामस्वरूप एक निर्दोष महिला की मौत हुई। अदालत ने यह भी उल्लेख किया कि वर्ष 2023 में आरोप तय करते समय राजू कुमार सिंह पर आईपीसी की धारा 304 (भाग-2) और आर्म्स एक्ट की धारा 30 के तहत आरोप लगाए गए थे। फैसले के बाद राजू कुमार सिंह को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वहीं, रेनू सिंह, राणा राजेश सिंह और रामेंद्र सिंह को अदालत ने सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इन तीनों के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं।

हौजरानी अग्निकांड में गिरफ्तार शेफ ने पूछताछ में कहा- आग लगते ही बेसमेंट का शटर गिराकर भाग गया था, नहीं दी चेतावनी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। हौजरानी अग्निकांड में अवैध होटल में बने रेस्त्रां के दिलशाद गार्डन निवासी शेफ केशव नेगी की भूमिका भी संदिग्ध है। घटना के समय वह रेस्त्रां में ही था। जब किचन तक आग पहुंची तो वह भाग निकाला। किसी को बचाने या किसी प्रकार की चेतावनी स्टाफ या वहां ठहरे मेहमानों को नहीं दी। वहीं, बेसमेंट का जालीदार शटर भी उसने गिरा दिया, ताकि आग ऊपर न आने पाए। इसके चलते बेसमेंट के लोग अंदर ही रह गए। घटना के बाद वह मौके पर ही था। बाद में भाग निकला था। मालवीय नगर थाने की पुलिस ने शनिवार सुबह उसे भी गिरफ्तार कर लिया। उससे आगे की पूछताछ की जा रही है। वहीं, मामले में फरार चल रहे होटल मैनेजर व चार्टर्ड अकाउंटेंट जय मिश्रा की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है।

जंतर-मंतर पर जुटे काकरोच जनता पार्टी के समर्थक, मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। काकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके सहित उनके सैकड़ों समर्थक शनिवार को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के लिए जुटे।उन्होंने केन्द्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के खिलाफ नारेबाजी की और परीक्षा लीक मामले को लेकर उनका इस्तीफा मांगा। अभिजीत ने इस दौरान घोषणा की कि अगर धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते हैं तो यह आंदोलन देशभर में चलाया जाएगा। इसके साथ ही अगले शनिवार को उन्होंने एक बार फिर जंतर-मंतर पर पार्टी समर्थकों को जुटने का अनुरोध किया। जानकारी के अनुसार शिकागो से शनिवार सुबह अभिजीत दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर पहुंचे। यहां पर पुलिस ने उन्हें सुबह 10 से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन करने की अनुमति दी और फिर कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें गाड़ी से जंतर-मंतर ले जाया गया। वहां बड़ी संख्या में युवाओं ने इस प्रदर्शन मंच हिस्सा लिया। इस प्रदर्शन में लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने भी हिस्सा लिया। प्रदर्शन के दौरान अभिजीत ने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा व्यवस्था में हो रही गड़बड़ियों से आज युवा परेशान हैं। इसलिए केन्द्र सरकार से वह मांग कर रहे हैं कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा दें। दोपहर बाद गर्मी के चलते अभिजीत की तबियत बिगड़ी जिसके चलते उन्हें यहां से जाना पड़ा। वहीं शाम को पुलिस ने जंतर-मंतर का प्रदर्शन स्थल खाली करवा लिया। प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर के आसपास, इंडिया गेट, केन्द्रीय मंत्रियों के निवास आदि जगहों पर पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त रहे। इसके साथ ही कुछ जगहों पर ट्रैफिक को भी डाइवर्ट किया गया ताकि लोगों को जाम का सामना न करना पड़े। २

कर्मचारी राज्य बीमा निगम और होमी भाभा टाटा स्मारक केंद्र के बीच हुआ करार

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। हरियाणा क्षेत्र के बीमाकृत व्यक्तियों को बेहतर चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने अति विशिष्ट उपचार करने के लिए नया करार किया है। इस कड़ी में समस्त प्रकार के कैंसर इलाज के लिए टाटा स्मारक केंद्र की इकाई होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के साथ करार किया गया है। पंजाब स्थित इस केंद्र के दो अस्पतालों होमी भाभा कैंसर अस्पताल तथा अनुसंधान केंद्र न्यू चंडीगढ़ तथा होमी भाभा कैंसर अस्पताल संगरूर के माध्यम से बीमाकृत व्यक्तियों को निःशुल्क इलाज मिल पाएगा। न्यू चंडीगढ़ स्थित अस्पताल में 300 बिस्तर की क्षमता है वहीं संगरूर स्थित अस्पताल में 125 बिस्तर की क्षमता है। बीमाकृत व्यक्तियों को यहाँ परामर्श, जाँच, कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी तथा सर्जरी की सुविधा देने के लिए अनुबंध किया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के निदेशक डॉ आशीष गुलिया ने कहा कि कर्मचारी राज्य बीमा निगम क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा के साथ पेनल में आने से समाज के सभी वर्गों को गुणवत्तापूर्ण कैंसर देखभाल देने के हमारे लक्ष्य में एक और महत्त्वपूर्ण नाम जुड़ गया है। यह संस्थान मरीजों के लिए उच्चतम कोटि का इलाज देने तथा आर्थिक कारणों से उपचार के लिए किसी को वंचित न रहने देने के अपने उद्देश्य को पूरा करने के लिए दृढ़ संकल्प है। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा के राज्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अभिषेक राय ने इस करार को करने में अहम भूमिका निभाई है, उनका कहना है कि यह करार हरियाणा के बीमाकृत व्यक्तियों और सम्पूर्ण हरियाणा में निवास कर रहे बीमाकृत व्यक्तियों के लिए एक वरदान की तरह साबित होगा। अभी तक इस प्रकार की व्यवस्था से वे वंचित थे लेकिन अब टाटा स्मारक केंद्र जैसे विश्व विख्यात संस्थानों से भी बीमाकृत व्यक्ति इलाज प्राप्त कर सकेंगे, यह बहुत खुशी की बात है। हरि ओम प्रकाश, क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय हरियाणा ने इस अवसर पर होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र, पंजाब के निदेशक डॉ आशीष गुलिया का आभार व्यक्त किया।

नूंह पुलिस ने वाहन चोरी के दो आरोपी दबोचे, वाहन बरामद

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। नूंह पुलिस ने चोरी के दो वाहनों सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी विभिन्न वाहन चोरी और चोरी के मामलों में लंबे समय से वांछित चल रहा था। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से चोरी की स्कूटी और मोटरसाइकिल बरामद की है। नूंह पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि थाना नागीना पुलिस ने 5 जून को वाहन चेकिंग के दौरान हिमांशु निवासी नागीना को स्कूटी सहित गिरफ्तार किया। जांच में बरामद स्कूटी चोरी की पाई गई, जिसके संबंध में थाना नागीना में मामला दर्ज किया गया। पूछताछ के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपी हिमांशु विभिन्न चोरी और वाहन चोरी के मामलों में वांछित था। उसके खिलाफ गुरुग्राम जिले के थाना न्यू कॉलोनी, भोंडसी, शहर सोहना और सदर गुरुग्राम में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, अभियान के दौरान पुलिस की एक अन्य टीम ने तौफीक निवासी रूपड़ाका, थाना उटावड़ को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया। मोटरसाइकिल पर नंबर प्लेट नहीं लगी हुई थी। पुलिस ने चेसिस और इंजन नंबर की जांच की तो वाहन का वास्तविक नंबर सामने आया। जांच में पता चला कि उक्त मोटरसाइकिल चोरी होने का मामला नूंह शहर थाना में दर्ज है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मोटरसाइकिल बरामद कर ली।

दोस्त की हत्या में इस्तेमाल तमंचा लाने वाला भाई धरा

बल्लभगढ़। भीकम कॉलोनी में दोस्त की गोली मारकर हत्या करने के मामले में क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 ने मुख्य आरोपी के भाई को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि हत्या में इस्तेमाल किया गया अवैध देसी कट्टा और कारतूस आरोपी का बड़ा भाई आगरा से लेकर आया था। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार 21 अप्रैल को भीकम कॉलोनी निवासी अभय ने अपने दोस्त योगेश के सिर में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। इस मामले में थाना शहर बल्लभगढ़ में हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मुख्य आरोपी अभय को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है तथा वारदात में प्रयुक्त अवैध कट्टा भी बरामद किया जा चुका है। मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच सेक्टर-65 की टीम ने 5 जून को मुख्य आरोपी अभय के बड़े भाई अनिकेत निवासी भीकम कॉलोनी को सेक्टर-3 स्थित गुड़गांव नहर के पास से गिरफ्तार किया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि अनिकेत आगरा से 3500 रुपये में देसी कट्टा और एक कारतूस खरीदकर लाया था।

भ्रूण लिंग जांच गिरोह का भंडाफोड़ महिला समेत दो गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उत्तर प्रदेश के बिजनौर में संचालित एक भ्रूण लिंग जांच गिरोह का भंडाफोड़ किया है। टीम ने एक महिला दलाल और अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड करने वाले व्यक्ति को रंगेहाथों पकड़ा। दोनों को गुरुवार को यूपी पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकवीर सिंह मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि गुरुग्राम और आसपास के क्षेत्रों की गर्भवती महिलाओं को भ्रूण लिंग जांच के लिए बिजनौर ले जाया जाता है। इसके बदले महिला दलाल रेनू द्वारा 25 हजार से 40 हजार रुपये तक की राशि वसूली जा रही है। उन्होंने नोडल अधिकारी पीसीपीएनडीटी (गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक) डॉ. देवेंद्र सिंह सोलंकी तथा मेडिकल ऑफिसर डॉ. हरीश कुमार को जांच एवं कार्रवाई के लिए अधिकृत किया।सूचना के सत्यापन के लिए जिला उपयुक्त प्राधिकारी पीसीपीएनडीटी, गुरुग्राम की ओर से विशेष टीम गठित की गई। टीम ने एक गर्भवती महिला को नकली (डिकॉय) ग्राहक बनाया। महिला दलाल रेनू ने भ्रूण लिंग जांच कराने के लिए 25 हजार रुपये की मांग की और अग्रिम राशि ऑनलाइन प्राप्त करने के बाद 4 जून को डिकॉय ग्राहक को नई दिल्ली से बिजनौर ले जाया गया। इस दौरान गुरुग्राम की टीम पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए रही। स्थानीय प्रशासन तथा बिजनौर के पीसीपीएनडीटी अधिकारियों को भी सूचित किया गया।छापेमारी में महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्तजांच के दौरान डिकॉय ग्राहक को बिजनौर स्थित एक निजी मकान में ले जाया गया, जहां पोर्टेबल मशीन से अल्ट्रासाउंड कर भ्रूण का लिंग बताया गया। संकेत मिलते ही गुरुग्राम और स्थानीय अधिकारियों की संयुक्त टीम ने छापा मार दिया। छापेमारी के दौरान महिला दलाल रेनू और अल्ट्रासाउंड करने वाले मनोज कुमार को मौके से पकड़ लिया गया। जांच में सामने आया कि मनोज कुमार के पास अल्ट्रासाउंड करने की कोई वैधानिक योग्यता नहीं थी। वहीं जिस स्थान पर भ्रूण लिंग जांच की जा रही थी, वह पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत पंजीकृत भी नहीं था। कार्रवाई के दौरान जांच के लिए ली गई राशि का एक हिस्सा बरामद किया गया। साथ ही लेन-देन से संबंधित दस्तावेज और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य भी जब्त किए गए। इसके बाद स्थानीय पुलिस को मौके पर बुलाकर आरोपियों को आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस के हवाले कर दिया गया।अभियान आगे भी जारी रहेगामुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. लोकवीर सिंह ने कहा कि भ्रूण लिंग जांच और कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अवैध कार्यों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

खाली मैदान में मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

फरीदाबाद। डबुआ थाना क्षेत्र के गाजीपुर इलाके में शनिवार सुबह एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। युवक की उम्र करीब 22 से 25 वर्ष के बीच बताई जा रही है। उसके शरीर पर कई गंभीर चोटों के निशान मिले हैं, जबकि घटनास्थल पर काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। प्रारंभिक जांच में मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। सूचना मिलते ही डबुआ थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह कुछ युवक और अन्य लोग सैर व दौड़ लगाने के लिए गाजीपुर के खाली मैदान में पहुंचे थे। इसी दौरान उनकी नजर मैदान में औंधे मुंह पड़े एक युवक पर पड़ी। जब लोगों ने उसके पास जाकर देखा, तो उसके आसपास काफी मात्रा में खून फैला हुआ था। लोगों ने पहले यह समझने की कोशिश की, कि युवक जीवित है या नहीं। कुछ लोगों ने उसे आवाज लगाई और उसकी जांच की, लेकिन युवक में किसी प्रकार की कोई हरकत नहीं हुई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक मृतक ने सफेद रंग की शर्ट और नीले रंग की पैंट पहन रखी थी। उसके चेहरे, छाती और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटों के निशान दिखाई दे रहे थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसा लग रहा था जैसे युवक पर किसी नुकीले हथियार या चाकू से कई वार किए गए हों। मृतक के चेहरे को गमछे से ढका हुआ पाया गया, जिससे हत्या की आशंका और गहरा गई। स्थानीय निवासी मनीष ने बताया कि सुबह दौड़ लगाने आए कुछ युवकों ने सबसे पहले शव को देखा था। उन्होंने युवक को उठाने और उसकी स्थिति जानने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मनीष ने बताया कि इस खाली मैदान और आसपास के क्षेत्र में अक्सर लोग आकर शराब पीते हैं, लेकिन मृतक के आसपास से कोई ऐसी वस्तु बरामद नहीं हुई जिससे यह स्पष्ट हो सके कि वह वहां किस कारण से पहुंचा था। घटना की सूचना मिलते ही डबुआ थाना प्रभारी संग्राम दहिया पुलिस टीम और क्राइम ब्रांच के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए और विस्तृत जांच की। थाना प्रभारी ने बताया कि युवक के शरीर पर कई चोटों के निशान पाए गए हैं और प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उसकी हत्या किसी नुकीली वस्तु से हमला कर की गई है। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

औद्योगिक क्षेत्रों के लिए तीन सीईटीपी बनाने की तैयारी

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। शहर में औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले सीवर और दूषित जल के निस्तारण के लिए तीन कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) स्थापित करने की तैयारी तेज हो गई है। लंबे समय से लंबित इस महत्वाकांक्षी परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। डीपीआर तैयार होने के बाद इसकी टेंडर की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी अधिकारियों के अनुसार, परियोजना पर लगभग 926.96 करोड़ रुपये की लागत आएगी और इसके लिए चार विभाग मिलकर वित्तीय सहयोग प्रदान करेंगे। सीईटीपी निर्माण के लिए एचएसआईआईडीसी(हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन), नगर निगम, फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) तथा नगर एवं ग्राम योजना विभाग संयुक्त रूप से फंड उपलब्ध कराएंगे। वहीं परियोजना के पूरा होने के बाद इनके संचालन एवं रखरखाव में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) भी आर्थिक सहयोग देगा। नगर एवं ग्राम योजना विभाग संचालन के लिए बजट उपलब्ध नहीं करवाएगा। ये भी पढ़ेंःस्मार्ट सिटी में तीन आधुनिक कूड़ा निस्तारण प्लांट लगेंगे प्रस्तावित योजना के तहत मिजार्पुर में 25 एमएलडी (मिलियंस ऑफ लीटर पर डे) क्षमता, प्रतापगढ़ में 50 एमएलडी (मिलियंस ऑफ लीटर पर डे) क्षमता तथा बादशाहपुर में 15 एमएलडी (मिलियंस ऑफ लीटर पर डे) क्षमता के सीईटीपी स्थापित किए जाएंगे। इन तीनों संयंत्रों के शुरू होने के बाद विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले अपशिष्ट जल का उपचार किया जा सकेगा। परियोजना में देरीः यह परियोजना पिछले करीब तीन वर्षों से फंड की कमी के कारण अटकी हुई थी। विभिन्न विभागों के बीच वित्तीय भागीदारी और जिम्मेदारियों को लेकर सहमति बनने के बाद अब इसे आगे बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। गत वर्ष नमामि गंगे परियोजना के तहत 850 करोड़ रुपये की लागत से इन्हें बनाने की तैयारी की गई थी, लेकिन नमामि गंगे परियोजना से इन सीईटीपी के लिए फंड नहीं मिल सका। एचएसआईआईडीसी विभाग के प्रबंधक हरिकिशन ने बताया कि मुख्यालय स्तर पर सीईटीपी की डीपीआर को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसके लिए चार विभाग मिलकर फंड देंगे। सीईटीपी की वर्तमान स्थितिः वर्तमान में औद्योगिक क्षेत्रों के लिए पर्याप्त सीईटीपी व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। केवल आईएमटी क्षेत्र में 10.5 एमएलडी क्षमता का एसटीपी संचालित हो रहा है। वहीं, सेक्टर-58 स्थित इलेक्ट्रोप्लेटिंग जोन में भी सीईटीपी है। जबकि अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार की समुचित व्यवस्था नहीं है। इसके कारण कई क्षेत्रों में सीवर और औद्योगिक अपशिष्ट के निस्तारण को लेकर चुनौती बनी हुई हैं। इन तीनों सीईटीपी के निर्माण से औद्योगिक सीवर का निस्तारण हो सके होगा।

हेड कांस्टेबल 2500 रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

फरीदाबाद। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने शनिवार को सेक्टर-7 पुलिस चौकी में तैनात हेड कांस्टेबल रणबीर को 2,500 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिसकर्मी पर एक युवक से उसकी बाइक वापस दिलाने के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप है। कार्रवाई के बाद एसीबी की टीम आरोपी को अपने साथ ले गई और मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सोमदत्त नामक युवक की बाइक 4 मई को सेक्टर-7 क्षेत्र से गायब हो गई थी। बाइक फाइनेंस पर थी। बताया जा रहा है कि उसकी कुछ किस्तें बकाया थीं। बाइक नहीं मिलने पर सोमदत्त ने सेक्टर-7 पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि बाइक चोरी नहीं हुई थी, बल्कि फाइनेंस कंपनी के लोगों ने बकाया किस्तों के चलते उसे उठाकर सीकरी के पास स्थित अपने यार्ड में खड़ा कर दिया था। इसके बाद हेड कांस्टेबल रणबीर बाइक को यार्ड से निकलवाकर सेक्टर-7 चौकी ले आया और इसकी जानकारी सोमदत्त को दी। आरोप है कि जब सोमदत्त अपनी बाइक लेने चौकी पहुंचा तो हेड कांस्टेबल रणबीर ने बाइक वापस देने के बदले पैसों की मांग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि पिछले तीन से चार दिनों से लगातार उससे रुपए मांगे जा रहे थे। पुलिसकर्मी की इस मांग से परेशान होकर सोमदत्त ने शुक्रवार शाम एंटी करप्शन ब्यूरो से संपर्क किया और पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत की पुष्टि होने के बाद एसीबी ने जाल बिछाया। शनिवार को टीम ने सोमदत्त को 2,500 रुपए देकर सेक्टर-7 चौकी भेजा। जैसे ही हेड कांस्टेबल रणबीर ने शिकायतकर्ता से पैसे लेकर अपनी जेब में रखे, पहले से चौकी के बाहर मौजूद एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

गुरुग्राम : सेक्टर-108 में एक्सपीरियन बिल्डर के खिलाफ रेजीडेंट्स का प्रदर्शन

● लोग बोले, निवासियों की समस्याओं का समाधान करना बिल्डर की जिम्मेदारी

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-108 स्थित एक्सपीरियन परियोजना में स्थानीय निवासियों ने अपनी समस्याओं और बिल्डर की मनमानी के विरोध में शनिवार को शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान निवासियों ने आरोप लगाया कि एक्सपीरियन बिल्डर द्वारा लंबे समय से उनकी मूलभूत समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। लोगों का कहना है कि परियोजना में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से विफल हो चुकी है, बार-बार बिजली कटौती की समस्या बनी रहती है, जबकि निवासियों से अत्यधिक मेंटेनेंस शुल्क वसूला जा रहा है। इस अवसर पर हितेश चौधरी ने कहा कि स्थानीय निवासी वर्षों से अपनी जायज मांगों और समस्याओं के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे हैं, लेकिन बिल्डर द्वारा लगातार अनदेखी की जा रही है। जनता की आवाज को दबाने और संवाद से बचने का यह रवैया बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। यदि समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। निवासियों ने बताया कि आज तक वादा किया गया क्लब हाउस तैयार नहीं किया गया है। वहीं सीवरेज सिस्टम पूरी तरह से चरमरा चुका है, जिसके कारण लोगों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति इतनी खराब है कि निवासी स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि जब वे अपनी समस्याओं को लेकर बिल्डर प्रबंधन से बातचीत करने पहुंचे तो प्रबंधन ने संवाद करने के बजाय अपने कार्यालय के दरवाजे बंद कर लिए। राजेश जून ने कहा कि निवासियों की समस्याओं का समाधान करना बिल्डर की जिम्मेदारी है। वर्षों से लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। प्रमुख रूप से राजेश जून, रविंद्र यादव, जितेंद्र लाकड़ा, हरेंद्र राय, राजेश महाजन, रजत, जितेंद्र छाबड़ा, बलवंत राय, हितेश यादव, मदन, सुनीता, अलका जून सहित अनेक गणमान्य निवासी एवं समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर एक्सपीरियन बिल्डर की कार्यप्रणाली पर नाराजगी व्यक्त की तथा क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

पलवल पुलिस पर फायरिंग कर फरार हुआ आरोपी गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

पलवल। पलवल पुलिस के एंटी नारकोटिक्स सेल ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर फरार हुए एक गो-तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी की पहचान नूंह जिले के फिरोजपुर नमक निवासी खुर्शीद उर्फ फौजी के रूप में हुई है, जो पिछले चार वर्षों से फरार चल रहा था। एंटी नारकोटिक्स सेल प्रभारी निरीक्षक विश्व गौरव ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि मामला जनवरी 2022 का है। उस समय गोरक्षक दल से सूचना मिली थी कि एक कंटेनर में गोवंश भरकर वध के लिए नूंह की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर सदर थाना पुलिस ने केएमपी एक्सप्रेस-वे स्थित टोल प्लाजा के पास नाकाबंदी की थी। नाकाबंदी के दौरान कंटेनर सवार आरोपियों ने वाहन को वापस मोड़कर भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने पीछा किया तो आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से पुलिसकर्मियों पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने नेशनल हाईवे-19 पर कंटेनर को काबू कर लिया, लेकिन घने कोहरे और अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपी खेतों के रास्ते फरार हो गए।पुलिस जांच के दौरान कंटेनर से 18 गोवंश, दो चले हुए कारतूस, एक जिंदा कारतूस तथा एक लोहे की छुरी बरामद की गई थी। इस संबंध में आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, हरियाणा गौवंश संरक्षण एवं गोसंवर्धन अधिनियम तथा पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार इस मामले में आरोपी अरबाज, मुस्तकीम और हनीफ उर्फ हन्नी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं खुर्शीद उर्फ फौजी की तलाश लगातार जारी थी। प्रभारी विश्व गौरव ने बताया कि खुर्शीद फिलहाल सदर थाना के एक अन्य मामले में जेल में बंद था। मामले में उसकी संलिप्तता सामने आने पर पुलिस ने अदालत से प्रोडक्शन वारंट प्राप्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

पर्यटन निगम की अवैध मकानों पर तोड़फोड़ आज भी होगी

प्रात: किरण संवाददाता

सोहना। पर्यटन निगम को अपनी नौ एकड़ जमीन को अवैध निमार्णों से मुक्ति नहीं मिली। अवैध निर्माण पहाड़ी पर होने के कारण गिराने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। तीसरे दिन करीब 35 मकानों को ही ध्वस्त किया गया। बाकी मकानों पर शनिवार को भी तोड़फोड़ होगी। शहर के वार्ड 13 स्थित हरियाणा पर्यटन निगम अपनी नौ एकड़ जमीन को तीसरे दिन भी अवैध कब्जा मुक्त नहीं करा सका। शुक्रवार को पॉकलैंड मशीन खराब होने के कारण जेसीबी से अधिक ऊंचाई पर बने मकानों को ध्वस्त करने में समय लगा। धरातल से 250 से 300 फीट की ऊंचाई पर अवैध निर्माण को गिराने में समय लगा। तीसरे दिन दस जेसीबी और एक पॉकलैंड मशीन को अवैध निमार्णों को गिराने में लगाया गया। अवैध निमार्णों को गिराने की कार्रवाई दोपहर बाद एक बजे शुरू की। अवैध निमार्णों पर तोड़फोड़ की जारी है। पर्यटन निगम की जमीन को अवैध निमार्णों से पूरी तरह से छुटकारा शनिवार का दिन और लगने की संभावना है।सभी मकानों को किया खालीःपर्यटन निगम की जमीन पर बने अवैध निमार्णों को शुक्रवार को पूरी तरह से खाली करा लिया गया। शुक्रवार को अवैध निर्माण करने वाले मकान मालिक कॉलोनी से बाहर बैठकर अपने गिरता हुआ देखते रहे। पुलिस की कड़ी सुरक्षा के बीच किसी को भी मकान मालिक को नजदीक नहीं आने दिया। 100 फीसदी परिवार कॉलोनी को छोड़कर चले गए।कबाड़ियों ने जमकर खरीदा कबाड़ाःपर्यटन निगम की जमीन पर ध्वस्त किए गए मकानों से निकलने वाला लोहे के कबाड़ा समेत मकानों के छत में लगने वाली पत्थर की टुकड़ियों के खरीदारों ने कौड़ियों के भाव में खरीदा। पिछले तीन दिन से शहर अलग-अलग वार्ड और बाजारों में बैठे कबाड़ियों ने कॉलोनी में ही ढेरा डाला हुआ था।

ईंट भट्ठे पर छापा मारकर प्लास्टिक का स्क्रैप पकड़ा

सोहना। मुख्यमंत्री उड़नदस्ता टीम ने रायसीना क्रेसर जोन के पास राजेन्द्र सिंह एंड कंपनी के ईंट भट्ठे पर छापेमारी करते हुए भारी मात्रा में प्लास्टिक का स्क्रैप पकड़ा है। उक्त स्क्रैप से आसपास के क्षेत्र में वायु प्रदूषण फैलने से लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री उड़नदस्ता टीम ने रायसीना क्रेसर जोन के निकट राजेन्द्र सिंह एंड कंपनी ईंट भट्ठे पर छापा मारा। छापे के दौरान सीएम उड़नदस्ता टीम को भारी मात्रा में प्लास्टिक का स्क्रैप बरामद हुआ। उक्त स्क्रैप धान के छिलका के साथ कच्ची ईंटो को पकाने में उपयोग में उपयोग किया जा रहा था। भट्ठे की चिमनी से निकलने वाला धुआं आम लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा था। सीएम उड़नदस्ता टीम में एसआई नरेन्द्र सिंह, प्रदूषण विभाग से निरीक्षक संदीप कुमार, खाद्य आपूर्ति विभाग से विनय यादव समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नूंह सीएचसी में मारपीट व तोड़फोड़ के आरोप में चार गिरफ्तार

प्रात: किरण संवाददाता

नूंह। नूंह के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में कर्मचारियों के साथ मारपीट और सरकारी संपत्ति में तोड़फोड़ किए जाने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान आलम , अल्ताफ , अरमान निवासी घासेड़ा थाना सदर नूंह तथा अकरम निवासी वार्ड नंबर-6, नूंह के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि इस घटना के संबंध में नूंह शहर थाना पुलिस ने 4 जून को अस्पताल प्रशासन की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि 3 जून की रात अस्पताल परिसर में दो पक्षों के बीच विवाद के दौरान कुछ लोग जबरन अस्पताल के अंदर घुस आए और ड्यूटी पर मौजूद कर्मचारियों व अस्पताल प्रशासन के साथ मारपीट की। घटना के दौरान आरोपियों ने अस्पताल की सरकारी संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया। अस्पताल की खिड़कियों और कुछ चिकित्सा उपकरणों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जिससे अस्पताल प्रशासन को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अचानक हुई इस घटना से अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। इसके बाद अस्पताल प्रशासन की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान जुटाए गए साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और घटना में शामिल अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

कर्नल के घर हथियारबंद नकाबपोशों ने की डकैती

● परिवार को बंधक बनाकर लाखों के गहने और नकदी लूटी

प्रात: किरण संवाददाता

गुरुग्राम। शहर के सेक्टर-23 में शुक्रवार आधी रात हथियारों से लैस नकाबपोश बदमाशों ने कर्नल के घर में घुसकर परिवार को बंधक बना लिया और लाखों रुपये के आभूषण व नकदी लूटकर फरार हो गए। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू कर दी। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने शनिवार को बताया कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। कर्नल सीएल जैन के बेटे विकास जैन ने शनिवार को पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बदमाश आधी रात के बाद घर के पिछले हिस्से में पहुंचे। पहचान छिपाने के लिए उन्होंने पहले वहां लगे सीसीटीवी कैमरों का रुख दीवार की ओर मोड़ दिया। इसके बाद कटर की मदद से खिड़की की लोहे की ग्रिल काटकर घर के अंदर प्रवेश किया। सबसे पहले बदमाश विकास जैन के कमरे में पहुंचे और फिर उस कमरे में घुस गए जहां उनकी पत्नी और बेटी सो रही थीं। शिकायत में बताया गया कि बदमाशों के हाथों में चाकू, कटर, बड़े पेचकस और लोहे की पाइप थी। उन्होंने परिवार को धमकाते हुए महिला के कानों के झुमके, अंगूठियां, चूड़ियां समेत अन्य आभूषण उतरवा लिए। इसके अलावा ड्रेसिंग टेबल और अलमारी की तलाशी लेकर हीरे की अंगूठियां, हीरे के सेट, सोने का मंगलसूत्र, चेन और अन्य कीमती जेवरात अपने कब्जे में ले लिए। बदमाशों ने घर में रखी हजारों रुपये की नकदी भी लूट ली। घर में हो रही हलचल सुनकर जब कर्नल सी.एल. जैन बाहर आए तो बदमाशों ने उन्हें भी काबू कर लिया। इसके बाद परिवार के सभी सदस्यों को एक कमरे में बंधक बनाकर करीब आधे घंटे तक घर में तांडव मचाया तथा जाते जाते कर्नल के मेडल भी अपने साथ ले गए। घटना के बाद परिवार ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पालम विहार थाना पुलिस ने बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आस-पास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

नूंह पुलिस ने गोकशी के आरोप में छह युवक पकड़े

नूंह। जिले में गोकशी से जुड़े अपराधों पर कार्रवाई करते हुए नूंह पुलिस ने गोकशी के चार अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सलीम निवासी जाड़ोली, जावेद निवासी नगला जमालगढ़, कासिम निवासी नगला जमालगढ़ तथा यूनुस, यूसुफ और फकरुद्दीन निवासी जाड़ोली के रूप में हुई है। इन सभी के खिलाफ हरियाणा गौवंश संरक्षण एवं गौसंवर्धन अधिनियम तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस की टीमें लगातार निगरानी रख रही हैं और ऐसे मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और गौवंश से जुड़े अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए विशेष अभियान निरंतर चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि गोकशी से संबंधित मामलों में किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। नूंह पुलिस का कहना है कि जिले में गोकशी और पशु तस्करी जैसे अपराधों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा तथा कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

सम्पादकीय

पर्यावरण संरक्षण : सनातनवादी विकास बनाम भौतिकवादी

डॉ. भारत प्रकाश सुनेजा

प्रस्तावनाः आज सम्पूर्ण विश्व पर्यावरण प्रदूषण जैसी गंभीर और चुनौतीपूर्ण समस्या से जूझ रहा है। हमारे चारों ओर ऐसे अनेक तत्व और गतिविधियाँ दिखाई देती हैं, जो प्रदूषण फैलाने के साथ-साथ प्रकृति के सुंदर संतुलन को भी निरंतर बिगाड़ रहे हैं। दुर्भाग्यवश, इन समस्याओं की रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयास अत्यंत सीमित प्रतीत होते हैं। जिस प्रकार किसी भी गंभीर रोग का उपचार उसके मूल कारणों को समझे बिना संभव नहीं होता, उसी प्रकार पर्यावरण प्रदूषण रूपी इस विकराल समस्या का समाधान भी तभी संभव है, जब हम इसके मूल कारणों का गहन अध्ययन और विश्लेषण करें। ह्यमानव सभ्यताह्न और ह्यविकासह्न आदिकाल से एक दूसरे के अभिन्न पूरक रहे हैं। सनातन धर्म में विकास और भौतिकवादी विकास दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। भारतीय सनातन परम्परा, भौतिक विकास को कभी नहीं नकारती किन्तु उसे जीवन का अंतिम लक्ष्य मानने के स्थान पर आध्यात्मिक उत्थान का माध्यम मानती है। प्रस्तुत लेख में विकास की इन्ही अवधारणाओं का संक्षेप में विवेचन करते हुए यह प्रयास किया गया है कि पर्यावरण प्रदूषण की मूल जननी कहीं न कहीं अनियंत्रित भौतिकवादी विकास ही है। साथ ही, यह लेख भारत की प्राचीन संस्कृति, परम्पराओं, संस्कारों, पारिवारिक मूल्यों एवं रीति-रिवाजों की महत्ता को रेखांकित करते हुए सतत एवं संतुलित विकास की दिशा में उनके योगदान को प्रस्तुत करता है। आशा है कि यह लेख पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जनसामान्य में जागरूकता उत्पन्न करने के साथ-साथ इसके निवारण हेतु व्यक्तिगत एवं सामाजिक स्तर पर अपनाए जा सकने वाले उपायों पर सार्थक चिंतन को भी प्रेरित करेगा। सनातनवादी विकासः पर्यावरण का शाब्दिक अर्थ है कि चारों ओर से वरण अथवा आवरण अथवा भरण करना। वैदिक विचारधारा के अनुसार, पंचमहाभूत (पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु, आकाश) ही जीवन का आधार है जो सह-अस्तित्व का भाव लिए समस्त जीवों की आवश्यकताओं की पूर्ती करते हुए, सम्पूर्ण जैव मंडल को एक सुदृढ़ सुरक्षा कवच भी प्रदान करते हैं। वेदों में पर्यावरण को निर्जीव या भोग्य वस्तु नहीं अपितु ईश्वर का साक्षात रूप एवं प्राणदाता माना गया है। जैसा कि अथर्ववेद (१२.१.१२) में वर्णित श्लोक ह्यमाता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याःह्न में पृथ्वी को माता और स्वयं को इसके पुत्र का दर्जा दिया गया है, साथ ही आकाश को पिता की संज्ञा दी गयी है। यह श्लोक पृथ्वी के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक सम्बन्ध स्थापित करता है इस प्रकार वेदों में पर्यावरण संरक्षण और संतुलन के लिए प्रकृति के प्रति असीम सम्मान एवं श्रृद्धा व्यक्त की गयी है। किन्तु हम प्रकृति से प्राप्त संरक्षण और सुरक्षा को तथाकथित विकास की आड़ में निरंतर नष्ट करने में लगे हुए हैं। सनातनवादी विकास, प्रकृति का शोषण नहीं, बल्कि उसके साथ सामंजस्य बिठाने पर जोर देता है। सनातन संस्कृति यह सिखाती है कि भौतिक विकास बुरा नहीं है, लेकिन उस विकास में ह्यसंयमह्न और ह्यनैतिकताह्न (धर्म) का होना अनिवार्य है। बिना धर्म के भौतिकवादी विकास विनाश का कारण बनता है। भौतिकवादी विकासः हम सभी के लिए यह गौरव का विषय है कि विगत कुछ सदियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में मानव ने अभूतपूर्व प्रगति करते हुए विकास के अनेक नए आयाम स्थापित किए हैं और उद्देश्य मात्र यह रहा कि कैसे मानव जीवन को सुविधाजनक एवं विलासिता पूर्ण बनाया जावे। किंतु विडम्बना यह रही कि इस लक्ष्य को अर्जित करने की चाह में हम आँखे मूँदे, विकास की इस अंधी दौड़ में शामिल हो बैठे। हमने दिन प्रतिदिन शोधित, नवीनतम तकनीक को तथाकथित विकास का एक सरल माध्यम बना डाला। लेकिन यह सब करते समय, उससे होने वाले प्रदूषण, ग्लोबल वॉर्मिंग, पारिस्थितिक असंतुलन जैसे सम्भावित गम्भीर दुष्परिणामों को नजरंदाज किया। हमने प्रकृति द्वारा प्रदत्त बहुमूल्य संसाधनों का बेतहाशा दोहन किया किंतु इस प्रक्रिया में अपनी जीवनदायिनी धरती माँ की पीड़ा को अनुभव करने का प्रयास नहीं किया। परिणामस्वरूप आज सम्पूर्ण विश्व प्राकृतिक एवं मानवजनित आपदाओं की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा है, और मानव सभ्यता स्वयं को इनके समक्ष असहाय अनुभव कर रही है। संभवतः यही कारण है कि भौतिकवादी त्वरित विकास की इस निरंतर दौड़ में ह्यविकासह्न शब्द के साथ अनजाने में विनाश शब्द भी जुड़ता चला गया

एसआईआर को हरी झंडी और बाहर हुए लोगों की मुश्किलें

जगदीश रत्तनानी

एक गहरे स्तर पर एसआईआर प्रक्रिया की यह अव्यवस्था भारतीय लोकतंत्र के कामकाज में मौजूद एक बड़ी समस्या की ओर भी इशारा करती है। यह समस्या उस विशाल और भव्य संवैधानिक ढांचे और उन कमियों के बीच का अंतर है जो तब सामने आती हैं जब इस ढांचे को एक ऐसे राष्ट्र में लागू किया जाता है जहां सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और अन्य कई तरह की ढांचागत असमानताएं मौजूद हैं। इतिहास ही तय करेगा कि चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन- एसआईआर) पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को किस नजर से देखा जाएगा। इसी एसआईआर की वजह से पश्चिम बंगाल और दूसरे राज्यों के चुनावों में बड़ी संख्या में मतदाताओं को बाहर कर दिया गया है। 27 मई को चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची की बेंच ने जो $फैसला सुनाया वह आयोग के लिए एक बड़ी और निर्णायक जीत है। यह फैसला और भी कई राज्यों में जोर-शोर से एसआईआर प्रक्रिया चलाने का रास्ता खोलता है जिससे शायद वोटर लिस्ट से और भी लोगों को बाहर किया जाएगा। ऐसे में जिन लोगों पर इसका असर पड़ेगा, उन्हें अगर दोबारा लिस्ट में शामिल होने की गुजारिश करनी है तो उन्हें और भी दस्तावेज पेश करने और अपील दायर करने की एक जटिल प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। इसमें यह प्रक्रिया वोटर लिस्ट से निकाले गए लोगों पर बहुत ज्यादा बोझ डालती है- भले ही वे पहले लिस्ट में रहे हों और नागरिक भी हों। इस प्रक्रिया की मुश्किलों का एक अंदाजा वंचित समुदायों के लिए काम करने वाले एक ट्रस्ट सबार इंस्टीट्यूट के एक पब्लिकेशन से मिलता है। एसआईआर की वजह से वोट देने के अधिकार से वंचित लोगों के लिए इसकी 82 पन्नों की गाइड एसआईआर अपीलः ए सिटीजनइस हैंडबुक है। इस तरह यह एक ऐसा मामला बन जाता है जिसमें समाधान कागजों पर तो उपलब्ध है लेकिन असल में उसे पाना बहुत मुश्किल है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मुश्किल को माना तो है लेकिन इसे सुलझाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। जजों ने लिखा- हम इस बात से भली-भांति परिचित हैं कि इतने बड़े पैमाने पर की जाने वाली इस प्रक्रिया से लोगों को काफी परेशानी हो सकती है, खासकर उन लोगों को जिन्हें प्रक्रिया से जुड़ी औपचारिकताओं को पूरा करने में दिक्कतें आ सकती हैं। हालांकि, समानुपातिकता के सिद्धांत (डॉक्टरिन ऑफ प्रपोर्शिनिलिटी) के अनुसार यह जरूरी नहीं है कि सारी परेशानियां पूरी तरह से खत्म कर दी जाएं बल्कि यह जरूरी है कि उचित सुरक्षा उपायों के जरिए ऐसी परेशानियों को कम किया जाए। समानुपातिकता का सिद्धांत भारतीय कानून में न्यायिक समीक्षा का एक सिद्धांत है जो यह सुनिश्चित करता है कि सरकारी कार्रवाई या सजा, उस उद्देश्य की तुलना में अत्यधिक कठोर न हो जिसे वह प्राप्त करना चाहती है। यह मौलिक अधिकारों और प्रशासनिक कार्रवाई के बीच संतुलन बनाता है। इसका अर्थ यह है कि यदि सरकार किसी नागरिक के अधिकार पर प्रतिबंध लगाती है तो वह प्रतिबंध आवश्यक और तार्किक होना चाहिए, न कि मनमाना। हटाए गए नामों की संख्या से साफ देखा जा सकता है कि इस प्रक्रिया का व्यापक दायरा और चुनाव प्रणाली पर इसका जबरदस्त असर पड़ा है। चुनाव खत्म होने के काफी समय बाद भी सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त अपीलीय ट्रिब्यूनलों के पास पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लगभग 25 लाख अपीलें लंबित हैं। अभी पिछले हफ्ते ही पश्चिम बंगाल कांग्रेस की एसआईआर समिति के प्रमुख प्रसेनजीत बोस ने बताया कि 14 मई तक ट्रिब्यूनलों ने 6,581 अपीलों का निपटारा किया और इनमें से 61प्रतिशत मतदाताओं (4043 अपीलें) के नाम वोटर लिस्ट में फिर से शामिल कर लिए गए- जिसका मतलब है कि वे वोट देने के योग्य थे लेकिन अप्रैल में हुए विधानसभा चुनावों में वोट नहीं डाल पाए क्योंकि उनके नाम गलती से वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। अगर यही रुझान जारी रहता है, तो यह एसआईआर की वैधता और पश्चिम बंगाल में मिले जनादेश पर सवाल खड़े करता है- खासकर जब कई सीटों पर हटाए गए मतदाताओं की संख्या, जीत के अंतर से भी ज्यादा थी।

मालवीय नगर अग्निकांडः मुआवजे से नहीं, जवाबदेही और सुधार से बचेगी ज़िंदगी

आग की लपटों से बचने के लिए लोगों को ऊँची इमारत से कूदते हुए देखा गया। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों में प्रसारित हुए दृश्य किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए अत्यंत पीड़ादायक थे। यह केवल एक दुर्घटना नहीं थी; यह उस व्यवस्था की विफलता का भयावह प्रमाण थी जो नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई है। हर बड़ी दुर्घटना के बाद कुछ दिन तक शोक, संवेदना, जांच और मुआवजे की घोषणाएं होती हैं। फिर धीरे-धीरे मामला सार्वजनिक स्मृति से ओझल हो जाता है। लेकिन मालवीय नगर की यह त्रासदी केवल शोक व्यक्त करके भुला देने योग्य घटना नहीं है। यह उन गहरे संरचनात्मक दोषों की ओर संकेत करती है जो भारत के महानगरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण के साथ और अधिक खतरनाक रूप धारण कर चुके हैं। यह हादसा हमें मजबूर करता है कि हम पूछें–क्या हमारी इमारतें वास्तव में सुरक्षित हैं? क्या अग्नि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित हैं? और क्या प्रशासन की भूमिका केवल दुर्घटना के बाद राहत बांटने तक सीमित रह गई है? किसी भी बहुमंजिला इमारत में आग लगने की स्थिति में सबसे महत्वपूर्ण तत्व होता है–सुरक्षित निकास, अग्निशमन उपकरण और समय पर बचाव। यदि किसी भवन में मौजूद लोगों को अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों और बालकनियों से छलांग लगानी पड़े, तो इसका अर्थ है कि सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह विफल हो चुकी थी। आग केवल भवन को नहीं जलाती, वह सुरक्षा संबंधी दावों और प्रशासनिक तैयारियों की वास्तविकता भी उजागर कर देती है। मालवीय नगर की घटना में यही हुआ। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, होटल में कई विदेशी नागरिक भी ठहरे हुए थे। यह तथ्य इस त्रासदी को और गंभीर बना देता है। भारत की राजधानी दुनिया भर के पर्यटकों, व्यापारियों और निवेशकों का स्वागत करती है। ऐसे में यदि राजधानी में ही सुरक्षा मानकों की स्थिति इतनी कमजोर हो कि विदेशी नागरिक भी असुरक्षित महसूस करें, तो यह केवल स्थानीय प्रशासन की विफलता नहीं बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी प्रश्नचिह्न है। आधुनिक महानगर की पहचान केवल ऊँची इमारतों और चमकदार होटलों से नहीं होती, बल्कि वहाँ उपलब्ध सुरक्षा और आपदा प्रबंधन प्रणाली से होती है। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शोक व्यक्त किया तथा मृतकों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की। ऐसी संवेदनाएं आवश्यक हैं और संकट की घड़ी में पीड़ित परिवारों को सहायता मिलनी भी चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि मुआवजा किसी खोए हुए जीवन को वापस नहीं ला सकता। आर्थिक सहायता दुख की तीव्रता को कम नहीं कर सकती। किसी परिवार का सदस्य, किसी बच्चे का पिता, किसी माता-पिता की संतान या किसी व्यक्ति का जीवनसाथी एक रकम से प्रतिस्थापित नहीं किया जा सकता। इसलिए वास्तविक प्रश्न मुआवजे का नहीं, बल्कि रोकथाम का है। दिल्ली पुलिस द्वारा होटल मालिक के विरुद्ध गैर-इरादतन हत्या से संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज किया जाना यह संकेत देता है कि जांच एजेंसियां इस घटना को केवल दुर्घटना नहीं मान रही हैं। यदि सुरक्षा नियमों की अनदेखी हुई, अग्निशमन मानकों का पालन नहीं किया गया या भवन निर्माण में नियमों का उल्लंघन हुआ, तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि आपराधिक लापरवाही है। ऐसे मामलों में जिम्मेदारी तय करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जवाबदेही के अभाव में नियम केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। लेकिन दोष केवल भवन मालिक का नहीं हो सकता। हमें यह भी देखना होगा कि निरीक्षण करने वाले अधिकारी कहाँ थे? क्या अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र समय-समय पर नवीनीकृत किए गए थे? क्या किसी निरीक्षण में कमियां सामने आई थीं? यदि आई थीं तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? यदि नहीं आई थीं तो क्या निरीक्षण सही तरीके से हुए थे? इन प्रश्नों के उत्तर केवल इस मामले के लिए नहीं, बल्कि पूरे शहरी प्रशासन की कार्यप्रणाली को समझने के लिए आवश्यक हैं। भारत के अधिकांश महानगर आज अव्यवस्थित शहरीकरण की समस्या से जूझ रहे हैं। संकरी गलियां, अवैध निर्माण, क्षमता से अधिक भीड़, पार्किंग की अव्यवस्था और सुरक्षा मानकों की अनदेखी लगभग हर शहर में सामान्य दृश्य बन चुके हैं। जब तक सब कुछ सामान्य रहता है, तब तक इन कमियों पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन जैसे ही कोई आपदा आती है, यही कमियां जानलेवा साबित होती हैं। मालवीय नगर की तंग गलियों में दमकल वाहनों के पहुंचने में आई कठिनाइयों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया कि शहरी योजना और आपदा प्रबंधन के बीच समन्वय का गंभीर अभाव है। दिल्ली अकेली नहीं है। मुंबई, कोलकाता, बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद और अन्य महानगर भी इसी तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। अनेक इमारतें ऐसी हैं जहां अग्निशमन यंत्र या तो मौजूद नहीं हैं या वर्षों से उनकी जांच नहीं हुई। आपातकालीन निकास मार्ग अक्सर बंद रहते हैं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठान अतिरिक्त लाभ कमाने के लिए सुरक्षा मानकों से समझौता कर लेते हैं। दुखद यह है कि कई बार प्रशासन भी इन उल्लंघनों के प्रति उदासीन बना रहता है।नहींः अग्नि सुरक्षा केवल भवन निर्माण का तकनीकी विषय नहीं है; यह नागरिक जीवन की रक्षा का मूल आधार है। विकसित देशों में अग्नि सुरक्षा नियमों का उल्लंघन गंभीर अपराध माना जाता है। वहां नियमित निरीक्षण, अनिवार्य मॉक ड्रिल और कठोर दंड व्यवस्था लागू होती है। भारत में भी नियम मौजूद हैं, लेकिन समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है।

डॉ. सत्यवान सौरभ

लेखक

सनातन संस्कृति की दृष्टि में प्रकृति, चेतना और मानव जीवन का संबंध

सरकारें करोड़ों-अरबों रुपये खर्च कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का प्रयास कर रही हैं। किन्तु यदि हम भारतीय संस्कृति और विशेष रूप से सनातन परंपरा की ओर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट होता है कि जिन सिद्धांतों को आज आधुनिक विश्व खोज रहा है, उन्हें हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व ही समझ लिया था। सनातन संस्कृति ने प्रकृति को केवल संसाधन नहीं माना, बल्कि उसे चेतन सत्ता और देवत्व का स्वरूप प्रदान किया। यही कारण है कि यहाँ पृथ्वी माता है, नदियाँ मातृस्वरूप हैं, पर्वत देवता हैं, वृक्ष पूजनीय हैं और समस्त जीव-जगत ईश्वर की सृष्टि का अभिन्न अंग माना गया है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में वर्णित भूमि सूक्त मानव और प्रकृति के संबंध का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत करता है। हजारों वर्ष पूर्व रचित इस सूक्त में पृथ्वी को माता और मानव को उसका पुत्र बताया गया है। माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः अर्थात पृथ्वी मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ। यह केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं है, बल्कि पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का सर्वोच्च संदेश है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

लेखक

विश्व पर्यावरण दिवस आज केवल एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन या औपचारिक कार्यक्रम भर नहीं रह गया है। यह मानव सभ्यता के अस्तित्व, प्रकृति के संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा एक गंभीर विषय बन चुका है। संसार का प्रत्येक देश पर्यावरण संरक्षण के लिए नई-नई योजनाएँ बना रहा है। वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण और जैव विविधता के विनाश पर चिंता व्यक्त कर रहे हैं। सरकारें करोड़ों-अरबों रुपये खर्च कर पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का प्रयास कर रही हैं। किन्तु यदि हम भारतीय संस्कृति और विशेष रूप से सनातन परंपरा की ओर दृष्टि डालें, तो स्पष्ट होता है कि जिन सिद्धांतों को आज आधुनिक विश्व खोज रहा है, उन्हें हमारे ऋषि-मुनियों ने हजारों वर्ष पूर्व ही समझ लिया था। सनातन संस्कृति ने प्रकृति को केवल संसाधन नहीं माना, बल्कि उसे चेतन सत्ता और देवत्व का स्वरूप प्रदान किया। यही कारण है कि यहाँ पृथ्वी माता है, नदियाँ मातृस्वरूप हैं, पर्वत देवता हैं, वृक्ष पूजनीय हैं और समस्त जीव-जगत ईश्वर की सृष्टि का अभिन्न अंग माना गया है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में वर्णित भूमि सूक्त मानव और प्रकृति के संबंध का अद्भुत दर्शन प्रस्तुत करता है। हजारों वर्ष पूर्व रचित इस सूक्त में पृथ्वी को माता और मानव को उसका पुत्र बताया गया है। माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः अर्थात पृथ्वी मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ। यह केवल एक धार्मिक वाक्य नहीं है, बल्कि पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का सर्वोच्च संदेश है। जिस प्रकार कोई पुत्र अपनी माता का सम्मान करता है, उसकी रक्षा करता है और उसके प्रति कृतज्ञ रहता है, उसी प्रकार मानव को भी पृथ्वी के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहिए। आज का आधुनिक समाज पृथ्वी को संसाधनों का भंडार मानकर उसका अंधाधुंध दोहन कर रहा है। परिणामस्वरूप प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। वहीं सनातन संस्कृति हमें सिखाती है कि प्रकृति का उपयोग करो, लेकिन उसका शोषण मत करो। दुनिया की अधिकांश सभ्यताओं ने प्रकृति को जीतने का प्रयास किया, जबकि भारत की सनातन संस्कृति ने प्रकृति के साथ सहअस्तित्व का मार्ग चुना। यहाँ सूर्य देव हैं, चंद्र देव हैं, अग्नि देव हैं, वायु देव हैं, वरुण देव हैं। वृक्षों को देवताओं का निवास स्थान माना गया है। पीपल, बरगद, तुलसी, नीम आदि वृक्षों की पूजा केवल धार्मिक परंपरा नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण की वैज्ञानिक व्यवस्था भी है। जब किसी वस्तु को देवत्व का स्थान दिया जाता है तो उसके प्रति सम्मान स्वतः उत्पन्न होता है। यही कारण था कि भारतीय समाज सदियों तक प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीता रहा। आज अधिकांश लोग पर्यावरण को केवल पेड़-पौधों, नदियों और वायु की स्वच्छता तक सीमित समझते हैं। जबकि भारतीय दर्शन में पर्यावरण का अर्थ कहीं अधिक व्यापक है। पर्यावरण केवल बाहरी वातावरण नहीं है, बल्कि मनुष्य का आंतरिक वातावरण भी है। यदि नदियाँ स्वच्छ हों लेकिन मनुष्य का मन प्रदूषित हो, तो समाज स्वस्थ नहीं बन सकता। यदि वृक्ष हरे-भरे हों लेकिन विचार हिंसा, द्वेष और स्वार्थ से भरे हों, तो मानवता का कल्याण संभव नहीं है। इसलिए भारतीय संस्कृति बाह्य और आंतरिक दोनों प्रकार की शुद्धता पर बल देती है। आज संसार में जितनी समस्याएँ दिखाई देती हैं, उनके मूल में मानव मन का प्रदूषण है। लालच ने जंगलों को काटा। स्वार्थ ने नदियों को प्रदूषित किया। अहंकार ने युद्ध पैदा किए। लोभ ने प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन कराया। ईर्ष्या और द्वेष ने सामाजिक विषमता को जन्म दिया। यदि मनुष्य का मन शुद्ध होता, तो शायद पर्यावरण संरक्षण के लिए अलग से अभियान चलाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। भगवान बुद्ध ने कहा था कि मन ही सभी कर्मों का मूल है। गीता भी मन को मानव जीवन का मित्र और शत्रु दोनों बताती है। जब मन शुद्ध होता है तो व्यवहार भी शुद्ध होता है। और जब व्यवहार शुद्ध होता है तो प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता स्वतः विकसित होती है। सनातन संस्कृति ने जीवन को चार महत्वपूर्ण आधारों पर स्थापित किया है। मनुष्य जैसा भोजन करता है, वैसा ही उसका मन बनता है। सात्विक भोजन केवल स्वास्थ्य ही नहीं देता, बल्कि मन को भी शांत और निर्मल बनाता है। जीवनशैली का पर्यावरण से सीधा संबंध है। अनावश्यक उपभोग, अपव्यय और विलासिता प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालती है। संयमित जीवन पर्यावरण संरक्षण का सबसे प्रभावी उपाय है। विचार ही कर्म का आधार हैं। सकारात्मक और लोककल्याणकारी विचार समाज को सही दिशा देते हैं। यदि हमारा व्यवहार प्रकृति, समाज और अन्य जीवों के प्रति संवेदनशील है, तो पर्यावरण संरक्षण स्वतः संभव हो जाता है। भारतीय संस्कृति का प्रत्येक पर्व और उत्सव प्रकृति से जुड़ा हुआ है। वट सावित्री में बरगद की पूजा। तुलसी विवाह में तुलसी का सम्मान। छठ पर्व में सूर्य और जल का पूजन। नाग पंचमी में सर्पों के संरक्षण का संदेश। गोवर्धन पूजा में पर्वत और गौवंश के प्रति कृतज्ञता। ये सभी परंपराएँ प्रकृति और मानव के बीच सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद विकास की परिभाषा बदल गई। उत्पादन और उपभोग को प्रगति का मापदंड मान लिया गया। परिणामस्वरूप वनों की

राहुल की भविष्यवाणी जल्द गिर जायेगी मोदी सरकार के मायने ?

सौरभ वार्ष्णेय

भारतीय राजनीति में विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप कोई नई बात नहीं है, लेकिन जब किसी बड़े नेता द्वारा सरकार के भविष्य को लेकर कोई बड़ी भविष्यवाणी की जाती है, तो वह राजनीतिक चर्चा का विषय बन जाती है। हाल ही में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व वर्तमान सांसद राहुल गांधी ने यह बयान दिया कि वर्तमान सरकार एक वर्ष के भीतर गिर सकती है। उनके इस कथन ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। राहुल गांधी का मोदी सरकार एक साल में गिर जाएगी वाला बयान मई 2026 में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में दिया गया था। बाद में उन्होंने इसी तरह की बात दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में आदिवासी नेताओं को संबोधित करते हुए भी दोहराई। रिपोर्टों के अनुसार राहुल गांधी ने कहा कि वर्तमान व्यवस्था अंदर से कमजोर हो रही है और अगले एक वर्ष में बड़ा राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि आर्थिक संकट और जनदबाव के कारण सरकार पर असर पड़ेगा। इस बयान के बाद भाजपा नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और आरोप लगाया कि विपक्ष सरकार को अस्थिर करने की राजनीति कर रहा है। बयान का राजनीतिक संदर्भ राहुल गांधी का यह बयान ऐसे समय आया है जब विपक्ष सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की कोशिश कर रहा है। महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, सामाजिक तनाव और विभिन्न राज्यों में राजनीतिक अस्थिरता जैसे विषय लगातार विपक्ष के एजेंडे में बने हुए हैं। ऐसे माहौल में सरकार के गिरने की संभावना जताना विपक्षी रणनीति का हिस्सा भी माना जा सकता है। राजनीति में इस प्रकार के बयान अक्सर कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और जनता के बीच यह संदेश देने के लिए दिए जाते हैं कि सत्ता पक्ष अजेय नहीं है। विपक्ष अपने समर्थकों को यह विश्वास दिलाने का प्रयास करता है कि राजनीतिक परिवर्तन संभव है। क्या वास्तव में सरकार पर खतरा है? किसी भी सरकार के गिरने की संभावना का आकलन केवल राजनीतिक भाषणों के आधार पर नहीं किया जा सकता। इसके लिए संसद में संख्या बल, सहयोगी दलों का समर्थन, जनमत और राजनीतिक परिस्थितियों का विश्लेषण आवश्यक होता है।यदि सरकार के पास स्पष्ट बहुमत है और सहयोगी दल उसके साथ मजबूती से खड़े हैं, तो केवल विपक्षी दावों के आधार पर सरकार का गिरना आसान नहीं होता। भारतीय लोकतंत्र में सरकारें सदन के बहुमत से चलती हैं और उनका भविष्य भी उसी से तय होता है। हालांकि राजनीति संभावनाओं का खेल है। यदि किसी गठबंधन में आंतरिक मतभेद बढ़ जाएं, सहयोगी दल अलग हो जाएं या कोई बड़ा राजनीतिक संकट पैदा हो जाए, तो परिस्थितियां बदल सकती हैं। लेकिन ऐसी संभावनाओं को तत्काल वास्तविकता मान लेना उचित नहीं होगा। विपक्ष की रणनीति राहुल गांधी के बयान को विपक्ष की व्यापक राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा सकता है। विपक्ष लगातार यह संदेश देने का प्रयास कर रहा है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर रही है और उसके प्रति असंतोष बढ़ रहा है।ऐसे बयान विपक्षी एकता को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और आगामी चुनावों की तैयारी के लिए माहौल बनाने में सहायक होते हैं। यह विपक्ष की उस कोशिश का हिस्सा हो सकता है जिसमें वह खुद को एक मजबूत विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना चाहता है। सत्ता पक्ष की प्रतिक्रिया सत्ता पक्ष ऐसे बयानों को सामान्यतः राजनीतिक हताशा या विपक्ष की निराशा बताकर खारिज करता है। सरकार समर्थकों का तर्क होता है कि जनता ने स्पष्ट जनादेश दिया है और सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी। इसलिए विपक्ष के दावों को वे राजनीतिक बयानबाजी से अधिक महत्व नहीं देते। लोकतंत्र में ऐसे बयानों का महत्व लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार की आलोचना करना और वैकल्पिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करना है। इसी प्रकार सरकार का दायित्व अपने कामकाज और उपलब्धियों के आधार पर जनता का विश्वास बनाए रखना है। इसलिए सरकार के भविष्य को लेकर की जाने वाली भविष्यवाणियां लोकतांत्रिक विमर्श का हिस्सा हैं। लेकिन जनता के लिए अधिक महत्वपूर्ण यह है कि राजनीतिक दल विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक प्रगति जैसे मुद्दों पर क्या दृष्टिकोण रखते हैं। केवल सरकार गिराने या बचाने की चर्चा से लोकतांत्रिक बहस अधूरी रह जाती है।

संक्षिप्त खबरें

बहराइच में 10 लाख की अवैध स्मैक के साथ नेपाली नागरिक गिरफ्तार

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले की मोतीपुर थाना पुलिस ने शनिवार को पेट्रोलिंग के दौरान शनिवार को एक नेपाली नागरिक को गिरफ्तार किया। उसके पास से 10 लाख रुपये की अवैध स्मैक बरामद हुई है। मोतीपुर पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। मोतीपुर थानाध्यक्ष आनन्द चौरसिया, एसआई अनिल यादव, आरक्षी जय प्रकाश और रोहित सिंह के साथ इंडो-नेपाल सीमा के जंगली इलाके में पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर युवक को रोका और जामातलाशी ली तो युवक के पास कपड़े में छिपाकर रखी लगभग 10 लाख की अवैध स्मैक बरामद हुई। थानाध्यक्ष आनन्द चौरसिया ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित की पहचान नेपाल के बांके जिला के रहने वाले मनीराम थापा के रूप में हुई है। बरामद स्मैक को जब्त कर लिया गया है। आरोपित को पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय पेश करने के बाद जेल भेजा जाएगा।

तिलक समारोह से लौटते समय हादसे में दो युवकों की मौत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद में लार थाना क्षेत्र के एक गांव में आयोजित तिलक समारोह में शामिल होकर वापस लौट रहे दो युवकों की शनिवार को एक मार्ग दुर्घटना में मौत गई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, मृतकों में लार थाना क्षेत्र के सजाव गाँव के रहने वाले अभिषेक कुमार (18) पुत्र राम आशीष तथा सत्येंद्र (19) पुत्र शैलेश प्रसाद गाँव के ही मुन्ना प्रसाद की पुत्री रागिनी के तिलक समारोह में भागलपुर गए थे। दोनों बाइक से लौटकर वापस आ रहे थे। गाँव के नजदीक पहुंचकर चौराहे के पास अभिषेक सड़क किनारे लघु शंका करने के लिए रुका, तभी तेज गति से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी और दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने अभिषेक कुमार को मृत घोषित कर दिया। वहीं सत्येंद्र (19) की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज देवरिया रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर शवों को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल की। इस संबंध में लार थानेदार राकेश राय ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम भेजते हुए कार्रवाई की जा रही है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर खंती में पलटा चालक की मौत

उरई। उत्तर प्रदेश के उरई में एट कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर शनिवार को अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खंती में पलट गया। इस हादसे में चालक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धर्मेंद्र यादव (sx) तेज रफ्तार में ट्रैक्टर चला रहा था। इसी दौरान सलाघाट-पिरौना मार्ग पर ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे बनी गहरी खंती में जा पलटा। ट्रैक्टर के पलटते ही चालक गाड़ी के नीचे दब गया और उसके सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आ गई। हादसे देख आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन चालक को ट्रैक्टर के नीचे से निकाला और तुरंत उरई स्थित मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद धर्मेंद्र यादव को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। एट कोतवाली प्रभारी पंकज पांडेय ने बताया कि घटना के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार को हादसे की वजह माना जा रहा है।

सिपाही ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस लाइन के बास्केट बॉल मैदान में सिपाही अजीत यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार को फांसी के फंदे पर सिपाही का शव लटका देख पुलिस विभाग में हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद मृतक सिपाही के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक सिपाही अजीत यादव कानपुर देहात का रहने वाला था और 2005 में पुलिस विभाग में भर्ती हुआ था। मृतक सिपाही अजीत यादव के भाई अरविंद यादव ने बताया कि वह भी पुलिस विभाग में दरोगा के पद पर इटावा जिले में ही तैनात है। उन्होंने बताया कि अजीत अपनी पत्नी और बच्चों के साथ पुलिस लाइन में रहता था आज सुबह बास्केट बॉल मैदान में उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है।

मुख्यमंत्री योगी ने गोंडा जिले में 516 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि अच्छी सरकार चुनने की वजह से हो रहा विकास

प्रातः किरण संवाददाता

गोंडा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के गोंडा जनपद में 516 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अच्छी सरकार चुनने का नतीजा है कि आज गोंडा का विकास हो रहा है। गोंडा अपनी खोई हुई पहचान को वापस पा रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में जिले के धार्मिक स्थलों को नमन करते हुए कहा कि गोंडा जिला अत्यंत ऊर्जावान है। यहां की बहन बेटियां प्रतिभाशाली हैं। जिले का अपना पौराणिक इतिहास है। स्वाधीनता आंदोलन में इस जिले ने अग्रणी भूमिका अदा की। लेकिन आजादी के बाद जो विकास होना चाहिए था, नहीं हुआ। तुष्टीकरण, भाई भतीजा वाद की भेंट चढ़ गया। एक नियोजित प्रयास के अभाव में जनपद पिछड़ता गया। एक समय ऐसा आ गया था जब प्रदेश के अन्य जिलों के साथ गोंडा के युवाओं के साथ पहचान का संकट हो गया था। आज मैं कह सकता हूं कि पिछले 12 सालों से मोदी के नेतृत्व में और नौ वर्षों में डबल इंजन की सरकार ने काम किया है। आज देश दुनिया में कहीं जाएंगे तो यूपी का नाम आते ही नौ कदम पीछे जाने वाला आगे आकर स्वागत करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पास में अयोध्या धाम है। गोंडा के युवाओं के साथ दोस्ती करोगे तो भगवान की कृपा मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि आज गोंडा के युवा सरकारी नौकरी हासिल कर रहे हैं गोंडा, बहराइच, बलरामपुर और श्रावस्ती का युवा भी सरकारी नौकरी प्राप्त कर रहा है। आज चेहरा, जाति, वर्ग और क्षेत्र नहीं देखा जा रहा है। सबको योजना का लाभ दिया जा रहा है। मोदी ने यही कहा था। सबका साथ सबका विकास का नारा दिया था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब वह नहीं होने देंगे जो 2017 से पहले होता था। मुझे याद है कि 17 से पहले दुर्गा पूजा नहीं होने दिया जाता था। विसर्जन और रामलीलाओं में अड़चन डाला जा रहा था। व्यापारी और बेटी सुरक्षित नहीं थी। सत्ता में बैठे लोग दंगाइयों, माफियों के आगे शरणागत थे। उन्हें संरक्षण देते थे। आज विकास हो रहा है। बहन बेटियां सुरक्षित महसूस करती हैं। आज पर्व और त्योहारों में व्यवधान नहीं डाल सकता है। रंग में भंग नहीं डाल सकता। यदि डालने की कोशिश की तो उसका हश्र बुरा होगा। योगी ने कहा कि आप अपने तो राम मंदिर आंदोलन को देखा होगा। जिन लोगों की 40 की आयु है, उन्होंने अपनी आंखों से देखा है। आज आयोध्या चमक रही है। आपके पूर्वजों को स्वर्ग में भी खुशी हो रही होगी कि उनकी संतानें प्रत्यक्ष रूप में भगवान राम के भव्य मंदिर को देख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहका कि अब केवल पश्चिम उप्र में ही विकास नहीं हो रहा है। आज इस जनपद के लिए योजनाएं लेकर आए हैं। क्या पहले कोई सोच सकता था कि गोंडा में मेडिकल कॉलेज होगा, इंजीनियरिंग कॉलेज होगा, आज हो रहा है। हमने यह नहीं कहा कि सैफई में ही मेडिकल बनेगा। आज सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज बन रहा है। यह तब हो रहा है जब आपने कमल का बटल दबाया। कमल का बटन दबाने से लक्ष्मी जी की कृपा हुई। धन वर्षा से जिले का विकास हो रहा है।

अध्यापन से संबंधित समस्याओं को मुझ तक पहुंचाएं :बेसिक शिक्षा अधिकारी

● बेसिक शिक्षा अधिकारी और अपर सचिव का वाराणसी में अध्यापकों ने किया स्वागत

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमरेंद्र दुबे के नेतृत्व में वाराणसी के नवागत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेंद्र सिंह से उनके कार्यालय में अध्यापकों ने मुलाकात कर उनका पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अध्यापकों से मिलकर अपील करते हुए कहा कि आपके कार्य स्थलों पर अध्यापन से संबंधित समस्याओं को मुझ तक पहुंचाएं। जिससे विभाग आपकी समस्या का समाधान कर सकें। बेसिक शिक्षा अधिकारी के स्वागत के बाद अध्यापकों ने माध्यमिक शिक्षा परिषद (बोर्ड ऑफिस) में नवागत अपर सचिव भास्कर मिश्र से उनके कार्यालय में मिलकर नए दायित्व के लिए बधाई और शुभकामना प्रेषित किया। भास्कर मिश्र ने अध्यापकों की बातों को सुना और हर संभव कार्य करने के लिए कहा। आदर्श शिक्षा मित्र वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अमरेंद्र दुबे ने कहा कि वाराणसी में शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर अधिकारियों से मिलने वाले दिशा निर्देश का पालन करने और उसे बेहतर बनाने के उद्देश्य से अध्यापक कार्य करते हैं। आज अपने नवागत अधिकारियों से मिलकर उनका स्वागत कर हम लोगों ने परिचय किया है। आगे मिलने वाली दिशा निर्देश का हम पालन करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी ने देवीपाटन मंदिर में दर्शन पूजन कर देश व प्रदेश के सुख समृद्धि की कामना की

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह देवीपाटन शक्तिपीठ के गर्भ गृह में पहुंच कर मां पाटेश्वरी की विधि-विधान से दर्शन-पूजन किया। प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद देवीपाटन पीठाधीश्वर महंत मिथिलेश नाथ योगी महाराज के साथ मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर का भ्रमण किया। मंदिर दर्शन के उपरांत मुख्यमंत्री गोशाला भी पहुंचे। वहां उन्होंने गायों के बीच समय बिताया। अपने हाथों से हरी घास खिलाई। इस दौरान मंदिर दर्शन पूजन के लिए पहुंचे श्रद्धालु मुख्यमंत्री की एक झलक पाने को उत्सुक दिखे। मुख्यमंत्री योगी जिंदाबाद के नारे भी लगाए। मुख्यमंत्री दो दिवसीय भ्रमण पर शुक्रवार को तुलसीपुर पहुंचे थे। तुलसीपुर में 293 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया था। देवीपाटन में मंदिर में मुख्यमंत्री ने रात्रि विश्राम किया। शनिवार सुबह पूजन कर पूर्वाह्न 10 बजे यहां से गोंडा के लिए रवाना हुए।

कैंसर पीड़ित ने फांसी लगाकर दी जान

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अयाना थाना क्षेत्र स्थित अंतौल गांव में शनिवार सुबह एक मजदूर का शव आम के पेड़ से चादर के फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। गांव निवासी मोहित कुमार ने बताया कि उनके बड़े भाई मुलायम सिंह उर्फ विजय प्रकाश (38) मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। करीब 15 वर्ष पूर्व उनका विवाह हुआ था। पिछले कुछ समय से वह कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, जिसके चलते वह मानसिक रूप से भी परेशान थे। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की रात उन्होंने परिवार के साथ भोजन किया और अपने कमरे में सोने चले गए। शनिवार सुबह जब परिवार के लोगों ने उन्हें बिस्तर पर नहीं देखा तो तलाश शुरू की। इसी दौरान शौच के लिए खेतों की ओर गई महिलाओं ने गांव के सुख सिंह डीलर के खेत में स्थित आम के पेड़ पर मुलायम का शव चादर के फंदे से लटका देखा। महिलाओं के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और परिजनों को सूचना दी गई। घटना की खबर मिलते ही मृतक की पत्नी लता, मां कांति देवी, पुत्र अमन समेत अन्य परिजन मौके पर पहुंच गए। शव देखते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने किसी तरह परिजनों को संभाला। सूचना पर पहुंची अयाना थाना पुलिस ने फॉरेंसिक टीम को बुलाकर घटनास्थल का निरीक्षण कराया। टीम ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए और जांच-पड़ताल की। थानाध्यक्ष जयप्रकाश पाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। परिजनों ने बताया है कि मृतक लंबे समय से गंभीर बीमारी से परेशान था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घर की कच्ची एवं जर्जर दीवार गिरने से मां-बेटी की मौत, बेटा घायल

प्रातः किरण संवाददाता

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जनपद अंतर्गत जामो थाना क्षेत्र में शुक्रवार की भोर घर की कच्ची दीवार गिरने से सो रहे मां-बेटी की मौत हो गई है,जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की लाश को कब्जे में लेकर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जामो थाना क्षेत्र अंतर्गत पूरे परमेश्वरी मजरे घाटमपुर गांव के रहने वाले ओम प्रकाश का परिवार शुक्रवार की शाम को प्रतिदिन की भांति भोजन कर अपने-अपने जगह पर सोने चला गया। जब परिवार गहरी नींद में सो रहा था तभी करीब 3:30 बजे घर की कच्ची जर्जर दीवार अचानक भर–भराकर गिर पड़ी। वहीं पर सो रही ओमप्रकाश की पत्नी कमलेश कुमारी सहित उनके दो बच्चे दीवाल की चपेट में आ गए। दीवाल गिरने की तेज आवाज सुनकर घर वाले सहित आसपास के लोग दौड़े। मिट्टी हटाकर किसी तरह से तीनों लोगों को बाहर निकाला गया। आनन-फानन में 108 एंबुलेंस की मदद से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जामो ले जाया गया। जहां पर डॉक्टरों ने कमलेश कुमारी (32) पत्नी ओमप्रकाश और आँशी (7) पुत्री ओमप्रकाश को मृत घोषित कर दिया। जबकि गंभीर रूप से घायल बेटा दीपांशु को बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। एक साथ मां बेटी की मौत से पूरा परिवार सदमे में है। छोटे-छोटे बच्चों के सर से मां का साया हमेशा के लिए उठ गया। इस घटना के संबंध में जामो थाना के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल मौके पर पुलिस पहुंच गई। मृतक मां बेटी की लाश को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। मृतक कमलेश कुमारी के पांच बच्चे हैं। जिसमें दीपक(12) शिवानी(10) दीपांशु (9), दीपांशी (4) के साथ ही साथ मृतक आंशी (7) भी शामिल है। राजस्व विभाग को सूचित कर दिया गया है, जल्दी ही प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंच जाएगी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से मजदूर की मौत

औरैया। मजदूरी कर बाइक से घर लौट रहे एक मजदूर की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। फफूंद नगर के मोहल्ला लोधियान निवासी गौरव कुमार (26) मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। शुक्रवार को वह क्षेत्र के गांव चिरैयापुर में एक टैंक की सफाई करने गया था। देर रात काम समाप्त कर वह बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान औरैया मार्ग पर स्थित सुक्खू के अड्डा गांव के सामने किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घायल युवक को सड़क पर पड़ा देखा और तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की सहायता से उसे आयुर्वेदिक चिकित्सालय चिचोली पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। मृतक अपने पीछे पत्नी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गया है। उसकी दो बेटियां परी (6 वर्ष) और चिंगी (2 वर्ष) हैं, जबकि एक पुत्र की उम्र मात्र एक माह है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दुर्घटना को अंजाम देने वाले अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और मामले की जांच जारी है।

ब्रिक्स सीडब्ल्यूजी के प्रतिनिधियों ने काशी विश्वनाथ मंदिर में किया दर्शन पूजन

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक नगरी वाराणसी में आयोजित ब्रिक्स संस्कृति कार्य समूह (सीडब्ल्यूजी) की दो दिवसीय बैठक में भाग लेने के बाद शनिवार को सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में दर्शन पूजन किया। मंदिर में बाबा के पावन ज्योर्तिलिंग का दर्शन पूजन के बाद विदेशी मेहमानों ने काशी विश्वनाथ धाम में भ्रमण किया। ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधियों ने इस दौरान मंदिर की भव्यता और दिव्यता के साथ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अनुभव किया। धाम में भ्रमण के दौरान प्रतिनिधियों ने वाराणसी की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं, आध्यात्मिक मूल्यों और ऐतिहासिक महत्व को निकटता से जाना। यह यात्रा उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, धार्मिक आस्था और सनातन परंपरा से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर बनी। बता दें कि, वाराणसी में आयोजित हुई दो दिवसीय बैठक के दौरान ब्राजील, चीन, इंडोनेशिया, ईरान, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए, जबकि इथियोपिया, मिस्र और रूसी संघ के प्रतिनिधि वर्चुअल रूप से जुड़े थे। इस दौरान सदस्य देशों ने अपनी प्राथमिकताएं और दृष्टिकोण साझा किए। प्रतिनिधियों ने मंदिर परिसर की भव्यता, आध्यात्मिक वातावरण और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए भारत की विविधता और सांस्कृतिक समृद्धि को समझने में गहरी रुचि दिखाई। यह भ्रमण ब्रिक्स देशों के बीच सांस्कृतिक संवाद और आपसी समझ को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। मंदिर में भ्रमण के बाद मेहमानों ने मंदिर चौक में बाबा के स्वर्णिम शिखर के सामने सामूहिक फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अफसरों ने दल को स्मृतिचिंह भी प्रदान किया। इससे पूर्व शनिवार सुबह ब्रिक्स संस्कृति सम्मेलन के प्रतिनिधियों ने भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ का भ्रमण किया। विश्व प्रसिद्ध बौद्ध तीर्थस्थल के आध्यात्मिक वातावरण और ऐतिहासिक महत्व से प्रतिनिधि विशेष रूप से प्रभावित नजर आए। उन्होंने धम्मेक स्तूप सहित विभिन्न बौद्ध स्थलों का अवलोकन किया तथा स्तूप की परिक्रमा कर बौद्ध संस्कृति और दर्शन की गहन अनुभूति प्राप्त की। प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. अरविंद कुमार भी मौजूद रहे। उन्होंने भ्रमण के दौरान भारत की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक महत्व और जीवंत परंपराओं की जानकारी दी। सारनाथ भ्रमण के दौरान सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए थे। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों ने प्रतिनिधिमंडल की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने बड़ालालपुर स्थित ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर का भी दौरा किया। यहां उन्होंने पारंपरिक भारतीय हस्तशिल्प और स्थानीय कला-संस्कृति का अवलोकन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही।

तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी सवार दंपति को कूचला, मौत

प्रातः किरण संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश में कानपुर नगर के जाजमऊ स्थित सिद्धनाथ मंदिर दर्शन के लिए शनिवार को स्कूटी से जा रहे वृद्ध दंपति को एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौत हो गई।स्थानीय लोगों ने भाग रहे चालक को ट्रक समेत पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। छावनी सहायक पुलिस आयुक्त अमित चौरसिया ने बताया कि अहिरवां स्थित सीताराम नगर निवासी लक्ष्मीकांत (62) शर्मा और उनकी पत्नी कृष्णा देवी (60) आज सिद्धनाथ मंदिर दर्शन के लिए स्कूटी से निकले थे। लक्ष्मीकांत शर्मा नगर निगम से सफाई सुपरवाइजर पद से सेवानिवृत्त थे। परिवार के अनुसार दोनों नियमित रूप से धार्मिक स्थलों पर दर्शन करने जाते थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सोलंकी धर्मकांटा के पास सड़क पर बने गड्ढों के कारण यातायात प्रभावित था। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद दंपति सड़क पर गिर गए और ट्रक उन्हें कुचलता हुआ आगे बढ़ गया। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद का प्रयास किया, लेकिन दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने ट्रक का पीछा किया और ताड़बगिया क्षेत्र के पास उसे रुकवा लिया। भीड़ ने चालक को पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। सूचना मिलते ही जाजमऊ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ शुरू कर दी है। स्थानीय व्यापारियों और क्षेत्रीय लोगों ने हादसे के लिए सड़क की खराब स्थिति को भी जिम्मेदार ठहराया है। उनका कहना है कि नमामि गंगे परियोजना के तहत हुए कार्यों के बाद कई स्थानों पर सड़क पूरी तरह दुरुस्त नहीं की गई, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा सड़क किनारे भारी वाहनों की अवैध पार्किंग भी लंबे समय से समस्या बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क की तत्काल मरम्मत कराने, गड्ढों को भरवाने और अवैध पार्किंग पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो भविष्य में भी ऐसे हादसे होते रहेंगे। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

प्रभारी मंत्री ने विकास भवन का किया निरीक्षण कर्मचारियों के नदारद पर जताई नाराजगी

प्रातः किरण संवाददाता

बहराइच। जिले के मनोनीत प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने शनिवार सुबह 10 बजे अचानक विकास भवन का औचक निरीक्षण किया।प्रभारी मंत्री के आने की खबर से विकास भवन में हड़कम्प मच गया। इस दौरान प्रभारी मंत्री को कई कर्मचारी कार्यस्थल से नदारद मिले। मंत्री दिनेश प्रताप सिंह महसी के भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह के साथ विकास भवन पहुंचे थे। निरीक्षण के दौरान गोपन विभाग समेत अन्य पटलों पर कर्मचारी नदारद मिले। जिससे मंत्री का पारा हाई हो गया। उन्होंने कर्मचारियों के गैरहाजिर होने का उचित कारण न बता पाने पर अधिकारियों से नाराजगी जाहिर की। प्रभारी मंत्री ने कार्यप्रणाली में तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि सभी सरकारी कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी व कर्मचारी समय पर उपस्थित हों और आम जनमानस की शिकायतों को गम्भीरता से सुनकर उनका त्वरित निस्तारण कराए जाने का निर्देश दिया।

विषाक्त पदार्थ का सेवन करने के बाद महिला की मौत

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश में मीरजापुर जिले के राजगढ़ थाना क्षेत्र स्थित दरवान गांव में एक महिला की विषाक्त पदार्थ सेवन करने के बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने पुलिस को सूचना दिए बिना अंतिम संस्कार कर दिया। दरवान गांव निवासी 36 वर्षीय संजू देवी शुक्रवार शाम घर का भोजन तैयार कर पति और बच्चों को खाना खिलाने के बाद अपने दैनिक कार्यों में जुटी थीं। इसी दौरान उन्होंने घर में रखा कोई विषाक्त पदार्थ सेवन कर लिया। कुछ समय बाद उनकी तबीयत बिगड़ी, जिस पर परिजन उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजगढ़ ले गए। चिकित्सकों ने महिला की गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल सोनभद्र रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शनिवार सुबह परिजन शव लेकर गांव पहुंचे और बिना पुलिस को सूचना दिए अंतिम संस्कार कर दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला पारिवारिक विवाद से मानसिक रूप से परेशान थी। हालांकि विषाक्त पदार्थ सेवन करने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

आम और जामुन की गलियों से लेकर नीम और गुलमोहर की राहों तक,व्यापक वृक्ष गणना ने बीएचयू की बनाई विशिष्ट हरित पहचान

परिसर में 50 समूहों एवं 158 प्रजातियों के कुल 50,225 वृक्ष है मौजूद

प्रातः किरण संवाददाता

वाराणसी। आम और जामुन की गलियों से लेकर नीम, गुलमोहर और पीपल की छांव तक फैला काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) का विशाल हरित परिसर अब वैज्ञानिक रूप से दर्ज और मानचित्रित हो चुका है। विश्वविद्यालय में कराई गई व्यापक वृक्ष गणना (ट्री सेन्सस) में परिसर में 50 समूहों एवं 158 प्रजातियों के कुल 50,225 वृक्षों की मौजूदगी दर्ज की गई है। यह पहल विश्वविद्यालय की हरित विरासत के संरक्षण, संवर्धन और वैज्ञानिक प्रलेखन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के जनसम्पर्क कार्यालय ने शनिवार को दी। बताया गया कि लगभग 1360 एकड़ में फैला बीएचयू परिसर देश के सबसे बड़े और समृद्ध संस्थागत हरित परिदृश्यों में शामिल है। विश्वविद्यालय की उद्यान विशेषज्ञ इकाई के तत्वावधान में मार्च से मई 2025 के बीच यह वृक्ष गणना अभियान संचालित किया गया। इसके निष्कर्षों को "ट्री ऑफ बीएचयू" शीर्षक पुस्तक में संकलित किया गया है, जो परिसर की वृक्ष विविधता का विस्तृत वैज्ञानिक दस्तावेज प्रस्तुत करती है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विज्ञान संस्थान के महामना सभागार में आयोजित समारोह में कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने आईआईटी (बीएचयू) के निदेशक प्रो. अमित पात्रा की उपस्थिति में पुस्तक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर कुलपति ने इसे विश्वविद्यालय की हरित संपदा के संरक्षण और दस्तावेजीकरण की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह मॉडल देश के अन्य शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बन सकता है। उन्होंने इस विशाल कार्य की योजना एवं सफल क्रियान्वयन में योगदान देने वाली पूरी टीम को बधाई देते हुए उनके उत्कृष्ट सामूहिक प्रयासों की सराहना की। इस पुस्तक में परिसर के सड़क किनारे लगे वृक्षों, फलदार, औषधीय, सजावटी, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व वाली प्रजातियों का विस्तृत विवरण दिया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता प्रत्येक वृक्ष का भू-संदर्भित (जियो-रेफरेंस्ड) जीआईएस आधारित मानचित्रण है। इसमें वृक्षों की संरक्षण स्थिति, पारिस्थितिकीय महत्व, आवासीय जानकारी, उपयोगिता और छायाचित्रों सहित व्यापक विवरण उपलब्ध कराया गया है। आईआईटी (बीएचयू) के निदेशक प्रो. अमित पात्रा ने भी वृक्ष गणना में अपनाई गई वैज्ञानिक कार्यप्रणाली और आधुनिक तकनीकों के उपयोग की सराहना की। उद्यान विशेषज्ञ इकाई के प्रभारी प्रो. सरफराज आलम ने बताया कि पूरे परिसर को 24 सेक्टरों में विभाजित कर अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था। लगभग तीन माह तक चले इस अभियान के दौरान एकत्र आंकड़ों का पुनः सत्यापन कर उनकी प्रामाणिकता सुनिश्चित की गई। अंतिम डेटाबेस में प्रत्येक वृक्ष का वानस्पतिक विवरण, संरक्षण स्थिति, स्थान संबंधी जानकारी तथा उसकी विशिष्ट विशेषताओं को शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि वृक्ष गणना समिति के अध्यक्ष डॉ. अमिया कुमार सामल के नेतृत्व में पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, वनस्पति विज्ञान, उद्यानिकी और भूगोल विभागों के 77 विद्यार्थियों तथा लगभग 30 उद्यान कर्मियों ने इस अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 1,008 पौधों का रोपण भी किया गया। डॉ. अमिया कुमार सामल ने कहा कि ट्री ऑफ बीएचयू केवल वृक्षों की गणना भर नहीं है, बल्कि विश्वविद्यालय की हरित संपदा की एक विशिष्ट पहचान है। उन्होंने बताया कि परिसर के सबसे पुराने वृक्ष की पहचान के प्रयास जारी हैं।

गाजीपुर पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट हूँ : डॉ संजय निषाद

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने गाजीपुर पुलिस के एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने जनपद गाजीपुर में विनीत राय हत्याकांड के आरोपित कमलेश बिंद के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने की घटना को गलत करार दिया है। मंत्री ने कहा कि पुलिसिया कार्रवाई से वह असंतुष्ट हैं। इस विषय को वह मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे। योगी सरकार में सहयोगी दल निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती। यदि कमलेश बिंद ने कोई अपराध किया था, तो उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत सजा मिलनी चाहिए थी। क्योंकि विनीत राय हत्याकांड में कमलेश बिंद कहीं से भी मुख्य आरोपित नहीं था। यदि एनकाउंटर करना ही था, तो मुख्य आरोपितों का किया जाना चाहिए था। मैं गाजीपुर पुलिस की इस कार्रवाई से पूर्णतः असंतुष्ट हूँ। मैं गाजीपुर पुलिस और वहाँ के पुलिस कप्तान को चुनौती देता हूँ कि यदि आपकी पुलिसिया कार्रवाई सही है, तो दोनों मुख्य आरोपितों का एनकाउंटर करके दिखाइए। मुझे पता है कि आप ऐसा कर ही नहीं सकते। डॉ. संजय निषाद ने कहा कि मेरे कुछ सवाल हैं, जिनका उत्तर गाजीपुर पुलिस को देना होगा। एनकाउंटर किन परिस्थितियों में किया गया, जब कमलेश बिंद की पत्नी स्वयं यह कह रही हैं कि उसके सामने उसके पति को थाने में मारा-पीटा गया और उसके बाद ले जाकर एनकाउंटर कर दिया गया तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भारतीय न्याय संहिता और संविधान में आरोपित को न्यायालय में आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने का प्रावधान है। अब तो पुलिस न्यायालय के गेट और न्यायालय परिसर के भीतर से ही गिरफ्तार कर लेती है। यह मौलिक अधिकारों का हनन है। योगी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि कमलेश बिंद के शव को ले जाते समय पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। आपका बयान है कि आप सभी पर रासुका लगाएंगे। तो मैं कहता हूँ कि सबसे पहले डॉ. संजय निषाद पर रासुका लगाकर दिखाइए। डॉ. संजय ने आगे कहा कि हम सरकार के साथ अपने समाज की रक्षा के लिए खड़े हैं। यदि आप रक्षक के बजाय भक्षक बनकर कार्रवाई करेंगे तो हमें इस विषय पर विचार करना होगा। इस बात को मैं स्वयं मुख्यमंत्री के समक्ष रखूँगा। जहाँ तक मुझे इसके संबंध में सूचना देनी होगी, मैं वह देने का कार्य करूँगा। मैं स्वयं फर्जी मुकदमों और पुलिस प्रताड़ना का भुक्तभोगी रहा हूँ।

संक्षिप्त खबरें

हत्या के प्रयास में वांछित एक आरोपित गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के रामपुर कारखाना थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास मामले में शनिवार को वांछित चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। क्षेत्राधिकारी संजय कुमार रेड्डी ने बताया कि अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर कारखाना पुलिस को सूचना मिली कि एक वांछित आरोपित इलाके में मौजूद है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कोटवा और मधुराछापर के बीच स्थित पुलिया के पास घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। सीओ ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान कमथेनवा गांव निवासी धनंजय पाल के रूप में हुई है। वह हत्या के प्रयास से जुड़े एक मुकदमे में फरार चल रहा था। तलाशी के दौरान उसके पास से 12 बोर का एक अवैध देशी तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर आरोपित के खिलाफ शस्त्र अधिनियम की धाराओं में भी कार्रवाई बढ़ाते हुए उसे न्यायालय भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अन्तरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के चार बदमाश गिरफ्तार

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में सैफई थाना पुलिस ने शुक्रवार की देर रात को चेकिंग के दौरान अन्तरजनपदीय वाहन चोर गिरोह के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है। क्षेत्राधिकारी नागेंद्र चौबे ने बताया कि शुक्रवार की रात थाना सैफई पुलिस नहर पुल पर वाहन चेकिंग कर रही थी, तभी पुलिस को सूचना मिली कि चोरी की दो मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्ति जिनके पास अवैध असलाह भी है। वह मैनपुरी जिले के करहल की तरफ से हवाई पट्टी की ओर आ रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दो बाइकों पर सवार बदमाश अमन मंसूरी और सुग्रीव को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से एक तमंचा दो जिंदा कारतूस एक चाकू बरामद हुआ है। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि वे अपने साथियों के साथ मिलकर सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी एवं आसपास के क्षेत्रों में घूम-घूमकर बाइकें चोरी करते है। चोरी की बाइकों के इंजन और चेचिस और अन्य महत्वपूर्ण पार्ट बदलकर उन्हें बेच देते हैं और बाकी सामान को कबाड़ में बेचकर आर्थिक लाभ उठाते है। गिरफ्तार बदमाशों की निशानदेही पर पुलिस ने उनके दो साथी जुनैद और प्रमोद उर्फ पप्पू को कटी हुई मोटरसाइकिल के पार्ट चेसिस, पेट्रोल टंकी, साईलेंसर समेत गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाशों का लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास है और कई बार जेल जा चुके है। पुलिस ने इन सभी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है।

इटावा: सिपाही ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में थाना सिविल लाइन क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस लाइन के बास्केट बॉल मैदान में सिपाही अजीत यादव ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शनिवार को फांसी के फंदे पर सिपाही का शव लटकता देख पुलिस विभाग में हड़कम्प मच गया। सूचना पर पहुँची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद मृतक सिपाही के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक सिपाही अजीत यादव कानपुर देहात का रहने वाला था और 2005 में पुलिस विभाग में भर्ती हुआ था। मृतक सिपाही अजीत यादव के भाई अरविंद यादव ने बताया कि वह भी पुलिस विभाग में दरोगा के पद पर इटावा जिले में ही तैनात है। उन्होंने बताया कि अजीत अपनी पत्नी और बच्चों के साथ पुलिस लाइन में रहता था आज सुबह बास्केट बॉल मैदान में उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। थाना सिविल लाइन पुलिस सिपाही के आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

आरक्षी भर्ती परीक्षा के लिए बनाए गए परीक्षा केंद्रों का डीएम एसपी ने किया निरीक्षण

- मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के दिए निर्देश
- संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर कठोर कार्रवाई के दिए निर्देश

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

महोबा। यूपी के महोबा जनपद में आरक्षी भर्ती परीक्षा-2025 को सकुशल एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी गजल भारद्वाज एवं पुलिस अधीक्षक शशांक सिंह ने शनिवार को जनपद मुख्यालय स्थित परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का धरातल पर जायजा लिया है। तीन दिन 8, 9 और 10 जून को परीक्षा आयोजित होनी है। शनिवार को निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा जनपद मुख्यालय स्थित डीएवी इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज एवं मुकुंद लाल राजकीय इंटर कॉलेज सहित अन्य नामित परीक्षा केन्द्रों का गहनता से अवलोकन किया। इस दौरान परीक्षा केन्द्रों पर अभ्यर्थियों के सुगम एवं व्यवस्थित प्रवेश हेतु बनाए गए गेट प्लान, बैरिकेडिंग व्यवस्था, अभ्यर्थियों की चरणबद्ध एंट्री एवं भीड़ नियंत्रण के उपायों का बारीकी से परीक्षण किया गया। इस दौरान डीएम ने अभ्यर्थियों के बैठने की समुचित व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, छाया व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता का भी बारीकी से धरातल पर परखा है। जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। अधिकारियों ने परीक्षा केन्द्रों पर स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, कंट्रोल रूम से निगरानी व्यवस्था तथा संवेदनशील बिंदुओं पर अतिरिक्त सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही अभ्यर्थियों की सघन चेकिंग व्यवस्था जैसे मेटल डिटेक्टर, हैंड-हेल्ड स्कैनिंग एवं संदिग्ध वस्तुओं पर रोक को और अधिक प्रभावी बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों के द्वारा ड्यूटी में तैनात पुलिस बल एवं मजिस्ट्रेट्स को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वे पूर्ण सतर्कता, अनुशासन एवं संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता, अव्यवस्था अथवा संदिग्ध गतिविधि पाए जाने पर तत्काल प्रभाव से कठोर एवं विधिसम्मत कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय स्थापित करते हुए समयबद्ध एवं जिम्मेदारीपूर्ण ढंग से अपने कर्तव्यों का निर्वहन सुनिश्चित करें ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न रूप से सम्पन्न हो सके।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने सुनी जनसमस्याएं, समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

- 22 शिकायतें प्राप्त, 2 का मौके पर निस्तारण, अनुपस्थित ईओ से मांगा स्पष्टीकरण

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। तहसील नौगांवा सादात में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने आमजन की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव भी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का निर्धारित समय सीमा में निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए तथा शिकायतकर्ता की संतुष्टि भी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समाधान दिवस में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने पर नगर पंचायत नौगांवा सादात के अधिशासी अधिकारी सलिल भारद्वाज का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने बताया कि मुख्यमंत्री स्तर से सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की नियमित समीक्षा की जाती है। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 9, पुलिस विभाग की 4, विकास विभाग की 3, मंडी समिति की 1 तथा चकबंदी विभाग की 5 शिकायतों सहित कुल 22 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। इनमें से दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि भूमि संबंधी मामलों के लिए राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर भेजा गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसामान्य की शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी सुनीता सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. योगेंद्र सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

दुसाहस:- मंडोरी ग्राम में चोरी की वारदात से फैली सनसनी

- पुलिस ने लिया कड़ा एक्शन, घटना का खुलासा करने के लिए टीमे की गठित

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा।थाना स्योहारा क्षेत्र के ग्राम मंडोरी में 6 जून की रात्रि को अंधेरे का फायदा उठाते हुए चोरो ने कासिम पुत्र मुन्ने और मुकीम पुत्र सलीम के घरो को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी घटना को अंजाम दिया जिससे क्षेत्र मे सनसनी फेल गई और पुलिस विभाग मे हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरन्त मौके पर पहुंची और गंभीरता से हर बिंदु पर जाँच शुरू कर दी। घटना स्थल पर अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी , स्वाट व फारेंसिक टीमे तथा स्थानीय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का मुआयना गंभीरता से किया। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी अमित किशोर श्रीवास्तव ने बताया कि चोरी की घटना के संबंध में आवश्यक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं तथा संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है।पुलिस का दावा है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। दोनों परिवारों से तहरीर लेकर अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है। वहीं ग्रामीणों में चोरी की वारदात को लेकर भय व्याप्त हैं। पुलिस इस मामले को लेकर जांच में जुटी है और पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर बिजनौर बैराज में हुआ पौधारोपण

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिजनौर बैराज परिसर में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद बिजनौर चंदन सिंह चौहान की पत्नी श्रीमती याशिका चौहान उपस्थित रहीं। उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती इंद्रा सिंह एवं डॉ. वीरबल सिंह ने भी पौधे रोपकर लोगों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण अत्यंत आवश्यक है तथा प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कार्यक्रम में कन्या गुरुकुल नवलपुर, बिजनौर की आचार्या सविता जी, प्रबंधक आर्य सुशील त्यागी, अध्यापिका सोनी शास्त्री तथा गुरुकुल की ब्रह्मचारिणियों ने ईश्वर स्तुति, प्रार्थना एवं उपासना के वैदिक मंत्रों का पाठ किया। मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुए पौधारोपण कार्यक्रम ने उपस्थित लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में पर्यावरण प्रहरी ललित अग्रवाल, प्रीति भटनागर एवं उनके सहयोगियों ने भी सहभागिता की। वन विभाग के रेंजर महेश चंद्र ने सभी अतिथियों का टोपी पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने तथा पौधों की नियमित देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों की भी सक्रिय भागीदारी रही।

चौकी इंचार्ज ने मुखिया गुर्जर सहित कई पर कराया गंभीर धाराओ में मुकदमा दर्ज

- पुलिस कार्रवाई को ग्रामीणों ने बताया आंदोलन को दबाने का प्रयास
- पुलिस ने कहा: कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

लोनी। ओमकार अपहरण-हत्या को लेकर चिरौड़ी मार्ग पर हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान कथित रूप से सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने तथा सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने की मंशा से लोगों को उकसाने के आरोप में पुलिस ने मुखिया गुर्जर व उनके अन्य 4-5 अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की इस कार्यवाही को जहां ग्रामीण जन आंदोलन को दबाने का प्रयास कह रही हैं, वहीं दूसरी ओर पुलिस इसे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम बता रही है। चिरौड़ी चौकी इंचार्ज सुरेंद्र सिंह द्वारा मुखिया गुर्जर पर दर्ज एफआईआर के मुताबिक 3 जून 2026 को गनौली निवासी डेयरी संचालक ओमकार के अपहरण-हत्या मामले को लेकर पीड़ित परिजन और ग्रामीण मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर चिरौड़ी मार्ग पर धरना दे रहे थे। पुलिस का आरोप है कि दोपहर करीब 1:30 बजे दिल्ली के दल्लूपुरा निवासी मुखिया गुर्जर अपने 4-5 साथियों के साथ धरना स्थल पर पहुंचा और लोगों को एकत्रित कर पुलिस-प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करने के लिए उन्हें भड़काया, जिससे माहौल तनावपूर्ण बन गया। पुलिस के मुताबिक धरना स्थल पर पहले से मौजूद अधिकारी और पुलिसकर्मी लोगों को समझाने और यातायात व्यवस्था सामान्य कराने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान कथित रूप से भड़काऊ गतिविधियों के चलते भीड़ उग्र होने लगी, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका पैदा हो गई। पुलिस का आरोप है कि मुखिया गुर्जर और उसके साथियों की भूमिका के कारण धरना स्थल पर तनाव बढ़ने से प्रशासनिक कार्यवाही में बाधा उत्पन्न हुई। मुकदमे दर्ज होने से आंदोलन के साथ अब सियासत भी ,ओमकार प्रकरण में 50 हजारी इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस अब जहां अन्य मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी और गंग नहर से ओमकार का शव बरामद करने में जुटी है, वहीं दूसरी ओर धरना-प्रदर्शन के दौरान हुए घटनाक्रम को लेकर दर्ज मुकदमे ने आंदोलन को भी कानूनी दायरे में ला खड़ा किया है। पुलिस इस मुकदमे में क्या कार्रवाई करती है. और क्या मुखिया गुर्जर तथा अन्य नामजद व अज्ञात आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी जैसी कार्रवाई अमल में लाई जाती है। गौर तलब हो कि उक्त प्रकरण में पीड़ित पक्ष के हित के मध्य नगर की गई बयान बाजी को लेकर लोनी नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष मनोज धामा पर भी मुकदमा दर्ज हुआ है। ओंकार प्रकरण से जुड़े इन मुकदमों का यह दूसरा पार्ट भी अब लोगों के बीच अच्छी खासी चर्चा का विषय बना हुआ है. जिसे लोग राजनीति से जोड़कर देख रहे हैं। हालांकि अब क्षेत्र की निगाहें पुलिस की अगली कार्रवाई, मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी तथा न्याय की मांग कर रहे परिजनों की असल लड़ाई पर टिकी हैं।

ओंकार की तलाश में पांच थाना क्षेत्र में खंगाली जा रही गंग नहर, गोताखोरों की कई दर्जन टीम जुटी है अभियान

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

लोनी। गनौली निवासी दुग्ध डेयरी कारोबारी ओंकार अपहृत व हत्या कांड खुलासे के बाद अब उसके शव की तलाश के लिए मेरठ व गाजियाबाद के पांच थाना क्षेत्र से होकर गुजर रही गंग नहर के पानी को छाना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों की अगुवाई में इसके लिए निजी व सरकारी गोताखोरो की दर्जनों टीम लगी हुई है। डीसीपी रूलर सुरेंद्रनाथ तिवारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि घटना के मामले में पकड़े गए मोहित नमक अभियुक्त के कबूल नामें के उपरांत ओमकार के शव की तलाश में यह अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि शव की तलाश के लिए एनडीआरएफ के गोताखोरों की टीम का सहयोग भी लिया जा रहा है। गंगनहर में जगह-जगह सर्च अभियान जारी है।ओमकार पुत्र राममहर की तलाश हेतु विभिन्न थाना क्षेत्रों के अंतर्गत गंगनहर में चलाये जा रहे सर्च अभियान की उन्होंने स्वयं मौके पर जाकर समीक्षा करते हुए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर करी जीवन सुरक्षा हेतु हरित आवरण बढ़ाने एवं मानसून-2026 में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने की मांग

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

लोनी। बार एसोसिएशन अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र कुमार, एडवोकेट सुशील डेनियल, जय दीप सिंह, बबीता तोमर , कामना सिंह, वेद पाल सिंह, हरीश कुमार आदि ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन प्रेषित किया है। अपने ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने प्रदेश में वन एवं हरित आवरण बढ़ाने, मानसून-2026 में जनसंख्या एवं भौगोलिक क्षेत्रफल के अनुरूप व्यापक वृक्षारोपण अभियान संचालित करने के साथ-साथ लगाए गए पौधों की जीवन सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भारत राज्य वन रिपोर्ट (करञक्क)-2023 के अनुसार उत्तर प्रदेश का कुल वन क्षेत्र प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 6.24 प्रतिशत ही है, जबकि राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार कम से कम 33 प्रतिशत क्षेत्र वन एवं वृक्ष आवरण के अंतर्गत होना चाहिए। लगभग 24 करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले उत्तर प्रदेश में पर्यावरणीय संतुलन, स्वच्छ वायु, जल संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए बड़े स्तर पर हरित क्षेत्र विकसित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि विगत वर्षों में करोड़ों पौधारोपण किए जाने के सरकारी दावों के बावजूद अधिकांश स्थानों पर पौधों के रख-रखाव के अभाव में बड़ी संख्या में पौधे नष्ट हो जाते हैं। केवल पौधे लगाने से उद्देश्य पूरा नहीं होगा, बल्कि उनके जीवित रहने और वृक्ष बनने तक प्रभावी निगरानी एवं संरक्षण व्यवस्था आवश्यक है। उन्होंने मुख्य रूप से लोनी तहसील एवं जनपद गाजियाबाद को अत्यधिक प्रदूषण, तीव्र शहरीकरण एवं सीमित हरित क्षेत्र के कारण पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील बताते हुए इन्हें विशेष हरित विकास योजना में शामिल करने की मांग करने के साथ-साथ सरकारी भूमि, ग्राम समाज भूमि, सड़क किनारों, ग्रीन बेल्ट, नहर पटरी, विद्यालयों, महाविद्यालयों, अस्पतालों, पार्कों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण करने का सुझाव भी दिया है।

खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार की पदोन्नति, शिक्षकों-अभिभावकों में खुशी की लहर

प्रात: किरण संवाददाता

स्योहारा/बिजनौर। जनपद बिजनौर के स्योहारा-बुढ़नपुर ब्लॉक में खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के पद पर कार्यरत दिनेश कुमार की पदोन्नति होने पर शिक्षा जगत में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों, अभिभावकों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। उत्तर प्रदेश शासन के माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-2 तथा शिक्षा निदेशक, प्रयागराज द्वारा 26 मई 2026 को जारी आदेश के अनुसार सामान्य शिक्षा संवर्ग सेवा समूह ह्यखह्व के अधिकारियों को वेतनमान 56,100-1,77,500 (लेवल-10) के पदों पर पदोन्नति प्रदान की गई है। इस पदोन्नति को माननीय राज्यपाल द्वारा सहर्ष स्वीकृति प्रदान की गई।पदोन्नति आदेश के अनुपालन में निरीक्षण शाखा के क्रमांक-150 एवं ज्येष्ठता क्रमांक-935 पर अंकित दिनेश कुमार को उनके पदोन्नत पद पर 30 मई 2026 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बिजनौर में पदभार ग्रहण कराया गया। पदभार ग्रहण करने के बाद उनके परिजनों, मित्रों, सहकर्मियों एवं शिक्षा विभाग के कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। मूल रूप से जनपद मेरठ निवासी दिनेश कुमार अपनी कार्यकुशलता, अनुशासनप्रियता एवं सौम्य व्यवहार के लिए जाने जाते हैं। बेसिक शिक्षा विभाग में उनकी पहचान एक कर्तव्यनिष्ठ, ईमानदार एवं समर्पित अधिकारी के रूप में है। वह पिछले लगभग पांच वर्षों से जनपद बिजनौर के बुढ़नपुर ब्लॉक में खंड शिक्षा अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले कई प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों को विभिन्न स्तरों पर सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। इसी वर्ष उनके ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय स्योहारा प्रथम के प्रधानाध्यापक सुनील कुमार को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसे उनके प्रभावी मार्गदर्शन और शैक्षिक नेतृत्व का परिणाम माना जा रहा है। दिनेश कुमार की पदोन्नति पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गाजीपुर पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट हूँ : डॉ. संजय निषाद

वाराणसी। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने गाजीपुर पुलिस के एनकाउंटर पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने जनपद गाजीपुर में विनीत राय हत्याकांड के आरोपित कमलेश बिंद के पुलिस एनकाउंटर में मारे जाने की घटना को गलत करार दिया है। मंत्री ने कहा कि पुलिसिया कार्रवाई से वह असंतुष्ट हैं। इस विषय को वह मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे। योगी सरकार में सहयोगी दल निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि अपराधी की कोई जाति नहीं होती। यदि कमलेश बिंद ने कोई अपराध किया था, तो उसे कानूनी प्रक्रिया के तहत सजा मिलनी चाहिए थी। क्योंकि विनीत राय हत्याकांड में कमलेश बिंद कहीं से भी मुख्य आरोपित नहीं था। यदि एनकाउंटर करना ही था, तो मुख्य आरोपितों का किया जाना चाहिए था। मैं गाजीपुर पुलिस की इस कार्रवाई से पूर्णतः असंतुष्ट हूँ। मैं गाजीपुर पुलिस और वहाँ के पुलिस कप्तान को चुनौती देता हूँ कि यदि आपकी पुलिसिया कार्रवाई सही है, तो दोनों मुख्य आरोपितों का एनकाउंटर करके दिखाइए। मुझे पता है कि आप ऐसा कर ही नहीं सकते। डॉ. संजय निषाद ने कहा कि मेरे कुछ सवाल हैं, जिनका उत्तर गाजीपुर पुलिस को देना होगा। एनकाउंटर किन परिस्थितियों में किया गया, जब कमलेश बिंद की पत्नी स्वयं यह कह रही हैं कि उसके सामने उसके पति को थाने में मारा-पीटा गया और उसके बाद ले जाकर एनकाउंटर कर दिया गया तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। भारतीय न्याय संहिता और संविधान में आरोपित को न्यायालय में आत्मसमर्पण (सरेंडर) करने का प्रावधान है। अब तो पुलिस न्यायालय के गेट और न्यायालय परिसर के भीतर से ही गिरफ्तार कर लेती है। यह मौलिक अधिकारों का हनन है। योगी सरकार के मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि कमलेश बिंद के शव को ले जाते समय पर्याप्त पुलिस बल की व्यवस्था क्यों नहीं की गई। आपका बयान है कि आप सभी पर रासुका लगाएंगे। तो मैं कहता हूँ कि सबसे पहले डॉ. संजय निषाद पर रासुका लगाकर दिखाइए। डॉ. संजय ने आगे कहा कि हम सरकार के साथ अपने समाज की रक्षा के लिए खड़े हैं। यदि आप रक्षक के बजाय भक्षक बनकर कार्रवाई करेंगे तो हमें इस विषय पर विचार करना होगा। इस बात को मैं स्वयं मुख्यमंत्री के समक्ष रखूँगा।

सपा प्रमुख को पहले हमने भी समझाया था, न मानने पर श्रीराम व राष्ट्र को चुना : मनोज पाण्डे

प्रात: किरण संवाददाता

झांसी। बीते साल सपा छोड़कर उत्तर प्रदेश सरकार में हाल ही में कैबिनेट मंत्री बने मनोज पांडेय ने झांसी दौरे के दौरान विपक्षी दल खासतौर पर सपा पर जमकर हमला बोला। सपा की जमीन कब्जा व परिवारवाद वाली नीति को गलत ठहराते हुए उन्होंने इशारों ही इशारों में खुद को विभीषण व अखिलेश यादव की रावण से तुलना कर डाली। उन्होंने कहा कि हमने भी उनको समझाया था लेकिन जब वह नहीं माने तो हमने श्रीराम और राष्ट्र को चुना। कहा कि उन्होंने किसी व्यक्ति के लिए नहीं वरन राष्ट्र व श्रीराम के लिए समाजवादी पार्टी को छोड़ा और भाजपा में शामिल हुए। वह यहां एमएलसी रमा आरपी निरंजन के आवास पर मीडिया से वार्ता कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि वह पार्टी नेतृत्व के आभारी हैं, कि उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि झांसी पूरे देश में अपने शौर्य, पराक्रम और अपनत्व के लिए प्रसिद्ध है। यहां भाजपा के एक-एक कार्यकर्ता ने बढ़-चढ़कर उनका स्वागत किया, जो संगठन की मजबूती और एकता का परिचायक है। उन्होंने कहा कि देश आपसी एकता और तालमेल के सहारे आगे बढ़ता है। भाजपा इसी भावना के साथ कार्य कर रही है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लोग वर्षों तक केवल अपने और अपने परिवार के हितों के लिए राजनीति करते रहे। आज वे न तो जमीन पर कब्जा कर पा रहे हैं और न ही नौकरियों में भ्रष्टाचार कर पा रहे हैं, इसलिए उन्हें वर्तमान व्यवस्था रास नहीं आ रही है। मंत्री ने कहा कि प्रदेश में आज कानून का राज स्थापित है। बहू-बेटियों की सुरक्षा पहले से अधिक सुनिश्चित हुई है और अपराधी किसी भी गलत कार्य से पहले कई बार सोचने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों के कल्याण के लिए लगातार कार्य कर रही है और 17 करोड़ लोगों को निःशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। महिलाओं के सम्मान और स्वच्छता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि पहले माताओं और बहनों को बुनियादी सुविधाओं के अभाव में अपमानजनक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन सरकार ने इसमें बड़ा बदलाव किया है। किसानों के विषय में उन्होंने कहा कि उनके उत्पादन का मूल्य सीधे उन्हें मिलना चाहिए और बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

अपर जिलाधिकारी देवेंद्र पाल सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सम्पूर्ण समाधान

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर। राजस्व एवं अन्य विभागों से सम्बंधित पीड़ित और फरियादियों की समस्याओं के तत्काल निस्तारण कराने के लिये प्रदेश सरकार ने प्रत्येक माह के प्रथम शनिवार एवं तृतीय शनिवार को तहसील स्तर पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आदेश दे रखा है इसी आदेश के अंतर्गत शनिवार 6 जून को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व देवेंद्र पाल सिंह की अध्यक्षता मे तहसील धामपुर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस धनराज कुमार तहसीलदार धामपुर एवं नायब तहसीलदार संजीव वाजपेई के कुशल संचालन और देखरेख मे सम्पन्न हुआ। जिसमें फरियादियों और पीड़ितों ने उपस्थित होकर अधिकारियों के सम्मुख अपनी समस्याओं को रखा। अपर जिलाधिकारी देवेंद्र पाल सिंह ने कहा की शासन के आदेश का पालन कराते हुए पीड़ितों को इंसाफ दिलाया जाएगा समय रहते उनकी शिकायतों का गुणवत्ता परक और पारदर्शिता के साथ समाधान कराया जाएगा। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल मिलाकर 242 शिकायत प्राप्त हुए जिसमें राजस्व विभाग से संबंधित 138, पुलिस विभाग से संबंधित 68, विकास खंड से 9 ,सिंचाई भाग से 5, नगर पालिका से सम्बंधित 5, खाद्य एवं रसद विभाग से 4, विद्युत विभाग से 7, श्रम विभाग से 2, सिंचाई विभाग से 5, समाज कल्याण विभाग से 2, शिकायत रही। जिसमें 12 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। 230 शिकायते समाधान होने के लिए शेष रही। मौके पर मौजूद उच्च अधिकारियों ने कहा इनका भी समय रहते गुणवत्ता के साथ समाधान करा दिया जाएगा।

जनगणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर 65 प्रगणक सम्मानित

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 65 प्रगणकों को शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को फूलमाला पहनाकर तथा प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनके कार्य की सराहना की। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना राष्ट्र निर्माण से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसके आधार पर भविष्य की सरकारी योजनाएं और नीतियां तैयार की जाती हैं।उन्होंने भीषण गर्मी और विपरीत परिस्थितियों में घर-घर जाकर सटीक आंकड़े एकत्र करने वाले प्रगणकों की कर्तव्यनिष्ठा, मेहनत और समर्पण की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जिन प्रगणकों ने अपने आवंटित क्षेत्रों में शत-प्रतिशत डिजिटल एवं भौतिक सत्यापन का कार्य समय से पहले और बिना किसी त्रुटि के पूरा किया है, वे अन्य कर्मचारियों के लिए प्रेरणा हैं। साथ ही सभी प्रगणकों को शत-प्रतिशत सटीकता बनाए रखने तथा नागरिकों की गोपनीयता का पूरा सम्मान करने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा जिले को ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के कुल 13 चार्जों में विभाजित किया गया है।प्रत्येक चार्ज से पांच प्रगणकों का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया। जनगणना का प्रथम चरण 22 मई से शुरू होकर 20 जून 2026 तक चलेगा। इस अवसर पर जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती गरिमा सिंह, उप जिलाधिकारी पुष्करनाथ चौधरी सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण जागरूकता सप्ताह के तहत सफाई कर्मचारियों का एक्सपोजर विजिट आयोजित

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के उपलक्ष्य में 05 जून से 12 जून तक मनाए जा रहे विश्व पर्यावरण जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ के आदेश एवं अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गरिमा सिंह के निर्देशों के क्रम में शनिवार को नगर पालिका परिषद अमरोहा के एमआरएफ (टफ्फ़्र) प्लांट, सीएंडडी (विध्वंस एवं निर्माण सामग्री) फैसिलिटी, वेट वेस्ट पिट तथा वर्मी कम्पोस्ट प्लांट पर वार्डवार सफाई कर्मचारियों का एक्सपोजर विजिट कराया गया। कार्यक्रम के दौरान जोन डीपीएम अमरोहा नदीम अख्तर एवं सहायक इंस्पेक्टर ने सफाई कर्मचारियों को स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के तहत कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्हें बताया गया कि घर-घर से एकत्रित होने वाले कचरे का एमआरएफ सेंटर पर किस प्रकार पृथक्करण (सेग्रीगेशन) किया जाता है तथा पुनर्चक्रण योग्य सामग्री को अनुबंधित कबाड़ी विक्रेताओं को बेचकर आय अर्जित की जाती है। साथ ही गीले कचरे से वर्मी कम्पोस्ट एवं अन्य प्रक्रियाओं के माध्यम से जैविक खाद तैयार करने की विधि भी समझाई गई। गौरतलब है कि विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक दिन पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शशि जैन एवं वार्ड सभासदों द्वारा कांठ रोड स्थित गौशाला परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

संक्षिप्त खबरें

छत्तीसगढ़ के सुकमा में नक्सल डंप से इंसास रायफल सहित कारतूस बरामद

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कुम्माडोंग जंगल-पहाड़ी इलाके में पुलिस ने नक्सलियों के छिपाकर रखे गए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। बरामद सामग्री में एक इंसास रायफल सहित बड़ी मात्रा में कारतूस और विस्फोटक पदार्थ मिले हैं। सुकमा एसपी किरण चौहान ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जिले में लगातार सर्चिंग और एरिया डॉमिनेशन अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी अभियान के तहत पुलिस को आत्मसमर्पण कर चुके पूर्व नक्सलियों से सूचना मिली थी कि किस्टाराम के कुम्माडोंग के जंगल-पहाड़ी इलाके में हथियार और अन्य सामग्री छिपाकर रखी गई है। इस पर पुलिस की टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन शुरू किया। जंगल और पहाड़ी क्षेत्र में तलाशी के दौरान जवानों को एक संदिग्ध स्थान मिला, जहां नक्सलियों ने हथियार और गोला-बारूद डंप कर रखा था। सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए टीम ने मौके से उक्त सामग्री बरामद कर जब्त कर ली। बरामद सामग्री में एक इंसास रायफल, 49 इंसास कारतूस, 12 एसएलआर कारतूस, 27 नग 303 कारतूस, 16 नग 8 एमएम कारतूस, 7 मस्केट कारतूस और 7 नग 12 बोर कारतूस शामिल हैं। इसके अलावा दो बंडल कॉर्डेक्स वायर (करीब 30 मीटर), तीन इंसास मैग्जीन, 6 वायरलेस सेल, एक पोच और 2 स्टील का डिब्बा भी मिला है।

छुईखदान थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक का शव फांसी के फंदे पर लटका मिला

रायपुर। खैरागढ़ जिले के छुईखदान थाना में पदस्थ प्रधान आरक्षक शीतल यादव का शव शनिवार तड़के खैरागढ़ शहर के दाऊचौरा स्थित निवास में फांसी के फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला बताया जा रहा है। खैरागढ़ पुलिस ने जानकारी दी है कि शुक्रवार रात परिवार के सदस्य अपने-अपने कमरों में सोने चले गए थे, जबकि वे घर के हॉल में थे। शनिवार सुबह करीब चार बजे उनकी पत्नी की नींद खुली तो उन्होंने शीतल यादव को गमछे के सहारे फंदे से लटका देखा। यह दृश्य देखकर परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही खैरागढ़ पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक कानूनी कार्रवाई प्रारंभ की। दुर्ग से फोरेंसिक टीम बुलाई गई है, जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। प्रारंभिक जांच में घटनास्थल से किसी प्रकार का सुसाइड नोट बरामद होने की जानकारी नहीं मिली है। ऐसे में आत्महत्या के पीछे के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। पुलिस परिजनों, सहकर्मियों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ कर मामले के हर पहलू की जांच कर रही है।

सुशासन तिहार बना उम्मीद की नई किरण

रायपुर। कभी आर्थिक तंगी के कारण अपने सपनों को अधूरा मानने वाली छात्रा शशि साहू और खेती के लिए संसाधनों की चिंता में रहने वाले किसान बहोरन लाल कौशिक के जीवन में सुशासन तिहार नई उम्मीद लेकर आया है। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से मिली सहायता ने दोनों के भविष्य को नई दिशा दी है। बिलासपुर जिले के तखतपुर विकासखंड के गनियारी में आयोजित सुशासन शिविर में रानीपारा निवासी कुमारी शशि साहू को मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाले पिता की सीमित आय के कारण शशि की पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। सहायता राशि मिलने से अब उसके लिए शिक्षा जारी रखने का मार्ग आसान हो गया है। शशि का कहना है कि यह योजना बेटियों को आत्मनिर्भर बनने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर दे रही है। वहीं, गनियारी के किसान बहोरन लाल कौशिक को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के माध्यम से 36 हजार रुपये का ऋण उपलब्ध कराया गया। बहोरन इस राशि का उपयोग खेती-किसानी के कार्यों में करेंगे। उनका मानना है कि समय पर मिलने वाली वित्तीय सहायता किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत करती है। सुशासन तिहार ने इन दोनों परिवारों के जीवन में विश्वास और आत्मनिर्भरता का नया अध्याय जोड़ दिया है।

गांव की चौपाल से गरमाई राजनीति: मुख्यमंत्री बोले गहलोत बार-बार सचिन पायलट को ही टारगेट करते

प्रात: किरण संवाददाता

भीलवाड़ा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने दो दिवसीय भीलवाड़ा दौरे के दूसरे दिन शनिवार सुबह खारी का लाम्बा गांव का भ्रमण कर ग्रामीण विकास को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं का संदेश दिया। गांव के तालाब, मंदिर, पंचायत भवन और विद्यालय का निरीक्षण करते हुए उन्होंने विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और अधिकारियों को ग्रामीण आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं को गति देने के निर्देश दिए। दौरे के बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से जयपुर के लिए रवाना हो गए। यहां पत्रकारों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की राजनीति पर भी तीखा बयान देकर सियासी माहौल गरमा दिया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर लगाए गए आरोपों के सवाल पर मुख्यमंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि अशोक गहलोत की मित्रता सचिन पायलट से ज्यादा है। वे जो भी बात कहते हैं, वह सचिन पायलट के लिए कहते हैं। यह उनका आपसी मामला है, लेकिन उनका दर्द ऐसा है कि वे बार-बार सचिन पायलट को ही टारगेट करते हैं। मुख्यमंत्री के इस बयान को राजनीतिक हलकों में कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों पर टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण विकास को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि प्रदेश और देश का विकास गांवों की पगडंडियों से होकर गुजरता है। हमारा लक्ष्य प्रत्येक गांव को सशक्त, आत्मनिर्भर और सभी मूलभूत सुविधाओं से युक्त बनाना है। यदि गांव मजबूत होंगे तो प्रदेश और देश भी मजबूत बनेगा। उन्होंने बताया कि एक दिन पूर्व आयोजित रात्रि चौपाल में महिलाओं, किसानों, पशुपालकों, युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों से सीधा संवाद किया गया, जिसमें रोजगार, कृषि, पशुपालन तथा सरकारी योजनाओं के प्रभाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रभावी ढंग से धरातल तक पहुंच रही हैं और ग्रामीण भारत को नई ताकत दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार विकसित भारत के संकल्प के साथ विकसित राजस्थान और विकसित गांव के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रही है। डबल इंजन सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव आत्मनिर्भर बनें। मुख्यमंत्री ने शहरों की ओर बढ़ते पलायन पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इस विषय पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। यदि गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, रोजगार के अवसर और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी तो लोगों को शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। इसी सोच के साथ ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि सरकार सीधे ग्रामीणों की समस्याएं सुन सके और योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाया जा सके। दौरे के दौरान मुख्यमंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और कार्यशैली की भी सराहना की। उन्होंने विधायक अशोक कोठारी सहित जब्बर सिंह सांखला, गोपीचंद मीणा, डॉ. लालाराम बैरवा, गोपाल खंडेलवाल, लादूलाल पीतलिया तथा अन्य जनप्रतिनिधियों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि जनभागीदारी और स्थानीय नेतृत्व के सहयोग से विकास कार्यों को और अधिक गति मिल रही है।

शिक्षा में निवेश ही समाज और देश के विकास की सबसे बड़ी पूंजी : कलेक्टर अबिनाश मिश्रा

प्रात: किरण संवाददाता

धमतरी। छत्तीसगढ़ धीवर समाज महासभा द्वारा आयोजित छात्र-छात्राओं के कैरियर काउंसलिंग एवं प्रतिभा सम्मान समारोह में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने विद्यार्थियों को सफलता के महत्वपूर्ण सूत्र बताते हुए कहा कि शिक्षा के बिना परिवार, समाज और राष्ट्र का विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में लगाया गया धन खर्च नहीं बल्कि सबसे बड़ा निवेश है, जिसका लाभ कई गुना होकर पूरे परिवार, समाज और देश को मिलता है। उन्होंने अभिभावकों से अन्य संपत्तियों में निवेश करने के बजाय बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। शुक्रवार दोपहर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर ने कहा कि धीवर समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जो लोग विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर पहुंचे हैं, उन्हें एक मंच पर लाकर युवाओं को प्रेरित किया जाना चाहिए। साथ ही विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग, मेडिकल, एनआईटी और आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया जाना चाहिए, जिससे उनके भीतर बड़े लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा विकसित हो सके। कार्यक्रम में एसडीएम पीयूष तिवारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हमेशा पहली बार में नहीं मिलती। यदि एक-दो बार असफलता मिले तो निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास से सफलता अवश्य प्राप्त होती है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को विषय चयन और कैरियर निर्माण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गईं। इंजीनियरिंग क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों को गणित विषय एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में व्याख्याता एवं मास्टर ट्रेनर आलोक मत्स्यपाल ने मार्गदर्शन दिया। मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने वाले विद्यार्थियों को बायोलॉजी विषय और नीट परीक्षा की तैयारी के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। वहीं बैंकिंग एवं सीए सेक्टर में रुचि रखने वाले छात्रों को कॉमर्स विषय की संभावनाओं से व्याख्याता ओमप्रकाश नाग ने अवगत कराया। मनोचिकित्सक डॉ. निधि वर्मा ने परीक्षा के दौरान तनाव प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से निपटने के प्रभावी उपाय बताए। इस अवसर पर प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण 85 छात्र-छात्राओं को पुस्तक, कॉपी, पेन एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, जबकि सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को नगद पुरस्कार प्रदान किया गया। नेशनल कराते खिलाड़ी अंजली फूटान, रिया फूटान और संतोषी मत्स्यपाल को प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कुमार धीवर, संरक्षक सेवकराम तारक एवं महासंरक्षक परमेश्वर फूटान द्वारा धीवर समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

राजू पुजारी आत्महत्या मामले में फरार दो आरोपियों की चल-अचल संपत्ति होगी कुर्क

बीजापुर। जिले में शिक्षक राजू पुजारी आत्महत्या मामले में डेढ़ महीने बाद भी मृतक के सुसाइड नोट में नामजद तीन आरोपियों में से दो आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जबकि फरार आरोपियों के घर और ऑफिस पर नोटिस चस्पा किए गए हैं। इस नोटिस में उन्हें तीन दिनों के भीतर थाने में उपस्थित होने को कहा गया है, ऐसा न करने पर चल-अचल संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी दी गई है। यह घटना 22 अप्रैल 2026 को हुई थी। जांच के दौरान पुलिस को मृतक राजू पुजारी के कपड़ों से एक सुसाइड नोट मिला था। इस नोट में राजू पुजारी ने अपनी मौत के लिए ठेकेदार देवाशीष मंडल, सब इंजीनियर शैलेष वासम और समग्र शिक्षा विभाग के सहायक परियोजना समन्वयक छवितेश डोंगरे को जिम्मेदार ठहराया था। पुलिस ने मामले में ठेकेदार देवाशीष मंडल को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। वहीं सब इंजीनियर शैलेष वासम और सहायक परियोजना समन्वयक छवितेश डोंगरे अभी भी फरार हैं। जानकारी के अनुसार, इन दोनों आरोपियों की दंतेवाड़ा सेशन कोर्ट में जमानत याचिका खारिज हो चुकी है और वे छत्तीसगढ़ से भाग चुके हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि दोनों आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन अभी तक उनका कोई पता नहीं चल पाया है। कोतवाली थाना पुलिस ने फरार आरोपी सब इंजीनियर शैलेष वासम के घर पर नोटिस चस्पा किया। इस नोटिस में उन्हें तीन दिनों के भीतर थाने में उपस्थित होने को कहा गया है, ऐसा न करने पर चल-अचल संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी दी गई है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि दोनों आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही है, लेकिन अभी तक उनका कोई पता नहीं चल पाया है। कोतवाली थाना पुलिस ने फरार आरोपी सब इंजीनियर शैलेष वासम के घर पर नोटिस चस्पा किया गया है। इस नोटिस में उन्हें तीन दिनों के भीतर थाने में उपस्थित होने को कहा गया है, ऐसा न करने पर चल-अचल संपत्ति कुर्क करने की चेतावनी दी गई है। वहीं पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी में मदद करने वालों के लिए 10 हजार रुपए के इनाम की घोषणा की है।

राजस्थान के कई जिलों में बारिश आठ जून से फिर बढ़ेगी गर्मी

प्रात: किरण संवाददाता

जयपुर। प्रदेश के कई जिलों में हुई तेज आंधी और बारिश ने भीषण गर्मी से राहत दिलाई है। चार जून की शाम से पांच जून की सुबह तक भीलवाड़ा, बांसवाड़ा, बूंदी सहित कई जिलों में अच्छी बारिश हुई, जबकि बीकानेर, चूरू और हनुमानगढ़ में ओलावृष्टि भी हुई। बारिश और तेज हवाओं के असर से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ गई है। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को प्रदेश के 25 जिलों में आंधी और बारिश की संभावना है। हालांकि, 8 जून से पश्चिमी राजस्थान के जिलों में एक बार फिर गर्मी का असर बढ़ने और हीटवेव चलने की चेतावनी जारी की गई है। प्री-मानसून गतिविधियों के चलते करौली, दौसा, डूंगरपुर, नागौर और जयपुर सहित कई शहरों का अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया। इससे लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली। पिछले कई दिनों से तपिश झेल रहे लोगों ने मौसम के बदलते मिजाज का आनंद लिया। राज्य में सबसे अधिक वर्षा भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा क्षेत्र में 75 मिलीमीटर (करीब 3 इंच) हुई। इसके अलावा अजमेर में 45 मिमी बारिश हुई। बूंदी के नैनवां, भीलवाड़ा के कछोला तथा भरतपुर के बयाना में 34-34 मिमी वर्षा मापी गई। वहीं चित्तौड़गढ़ के भैंसरोड़गढ़ और भरतपुर के वैर में 31-31 मिमी बारिश हुई। बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति भी बनी, जबकि किसानों ने इसे खरीफ सीजन से पहले शुभ संकेत माना है। शुक्रवार दोपहर बाद बीकानेर संभाग के कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली। बीकानेर, चूरू और हनुमानगढ़ में घने बादल छाने के साथ तेज धूलभरी आंधी चली। कई स्थानों पर तेज बारिश हुई और ओलावृष्टि भी हुई। बीकानेर शहर में धूलभरी आंधी के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे आमजन और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। उदयपुर जिले में तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ गिर गए। पिछले दो दिनों से जारी आंधी और बारिश के कारण वहां भी मौसम सुहाना बना हुआ है। बारिश के बावजूद पश्चिमी राजस्थान के कुछ जिलों में गर्मी का असर बना रहा। पिछले 24 घंटों में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस जैसलमेर में मापा गया। इसके अलावा श्रीगंगानगर में 41.5, बाड़मेर में 40.8, जोधपुर में 39.5, बीकानेर में 39.2, जालौर, चूरू और पाली में 38, हनुमानगढ़ में 37.5, पिलानी में 37.2 तथा उदयपुर में 37 डिग्री सेल्सियस तापमान मापा गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे तक पूर्वी और दक्षिणी राजस्थान के कई हिस्सों में आंधी और बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं। जयपुर, अजमेर, कोटा, भरतपुर, उदयपुर और बीकानेर संभाग के कई जिलों में तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं 8 जून से पश्चिमी राजस्थान में मौसम शुष्क होने लगेगा और तापमान में फिर बढ़ोतरी दर्ज होगी। जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर और आसपास के क्षेत्रों में हीटवेव की स्थिति बनने की आशंका जताई गई है।

सैपउ में सड़क हादसे में दो की मौत, तीन घायल

धौलपुर। भरतपुर-धौलपुर रोड पर जिले के सैपउ थाना क्षेत्र में उमरारा गांव के पास हुए सड़क हादसे में दो व्यक्तियों की मौत हो गई। शुक्रवार देर रात हुए इस सडक हादसे में तेज रफ्तार में बेकाबू हुए ट्रेलर ने सड़क किनारे खड़ी बाइक और कार को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मरने वाले लोगों में बाइक सवार एक युवक तथा पास में खाट पर सो रहा एक बुजुर्ग शामिल है। इस हादसे में तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सैपउ थाना प्रभारी प्रमेन्द्र रावत ने बताया कि शुक्रवार रात को धौलपुर की ओर से एक ट्रेलर भरतपुर की ओर जा रहा था। रास्ते में उमरारा गांव के पास में तेज रफ्तार ट्रेलर ने आगे चल रही पिकअप को ओवरटेक करते समय सडक किनारे खडी बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान सैपउ इलाके के विक्रमपुर निवासी करीब 25 वर्षीय प्रेम कुशवाह के रूप में हुई है। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड गए। इस हादसे में बेकाबू ट्रेलर ने सडक के किनारे में खाट पर सो रहे एक बुजुर्ग को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रुप से घायल हुए करीब 70 वर्षीय बुजुर्ग बच्चू सिंह निवासी उमरारा को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड दिया। तेज रफ्तार में बेकाबू ट्रेलर ने पास में खडी स्कार्पियो कार को भी टक्कर मार दी। जिससे कार में सवार ग्वालियर मप्र निवासी करीब 26 वर्षीय अमित कुमार, 35 वर्षीय प्रदीप कुमार, करीब 36 वर्षीय प्रिया गुप्ता घायल हो गई। इन घायलों को भी जिला अस्पताल लाया गया, जहां से उन्हें उपचार के लिए ग्वालियर रेफर किया गया है। स्कार्पियो सवार घायल सभी लोग खाटू श्याम से दर्शन कर अपने घर ग्वालियर वापस लौट रहे थे तथा रास्ते में कुछ देर के लिए उमरारा गांव के पास रुके थे। तभी बेकाबू ट्रेलर की चपेट में आ गए। उधर, हादसे की सूचना मिलते ही सैपउ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पंहुचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह ट्रेलर की तेज रफ्तार और नियंत्रण खोना माना जा रहा है।

चन्द्रेसल मठ में महंत की हत्या, संत समाज में रोष

प्रात: किरण संवाददाता

कोटा। बोरखेड़ा थाना क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक चन्द्रेसल मठ में शुक्रवार देर रात हुई सनसनीखेज वारदात ने पूरे हाड़ौती अंचल को झकझोर दिया। अज्ञात हथियारबंद बदमाशों ने मठ के महंत देवानंद महाराज (35) की सोते समय चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर हत्या कर दी। गंभीर रूप से घायल महंत को उपचार के लिए कोटा के महाराव भीम सिंह अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। करीब 1100 वर्ष पुराने इस मठ में हुई हत्या के बाद संत समाज और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। संतों और परिजनों ने आरोपितों की गिरफ्तारी तक शव लेने से इनकार कर दिया है तथा अस्पताल परिसर में धरना शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार देवानंद महाराज मायापुरी अखाड़े से जुड़े थे और मूल रूप से सवाई माधोपुर जिले के रजवाना गांव के निवासी थे। वे पिछले चार वर्षों से चन्द्रेसल गांव स्थित मठ में रहकर धार्मिक गतिविधियों का संचालन कर रहे थे। बताया जा रहा है कि शुक्रवार रात कुछ हथियारबंद बदमाश मठ परिसर में घुसे। उस समय देवानंद महाराज और नंदनवन महाराज अपने-अपने कमरों में विश्राम कर रहे थे। बदमाशों ने पहले नंदनवन महाराज को उनके कमरे में बंद कर दिया और फिर देवानंद महाराज के कक्ष में पहुंचकर उन पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में उनकी गर्दन और पीठ पर गंभीर घाव आए। घटना के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। ग्रामीणों को जब घटना की जानकारी मिली तो वे मठ पहुंचे, जहां महंत लहूलुहान अवस्था में मिले। ग्रामीणों ने घायल महंत को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सक्रिय हो गए। अस्पताल परिसर और मठ क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। महंत की हत्या की खबर फैलते ही सुबह से बड़ी संख्या में साधु-संत, हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और ग्रामीण कोटा के एमबीएस अस्पताल पहुंचने लगे। संत समाज ने हत्या की कड़ी निंदा करते हुए आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। अखिल भारतीय संत समिति हाड़ौती मंडल के महामंत्री रामदास महाराज ने कहा कि जब तक पुलिस हत्यारों को गिरफ्तार नहीं करती, तब तक संत समाज शव नहीं लेगा। इसके बाद संतों ने अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना शुरू कर दिया। महामंडलेश्वर हेमा सरस्वती भी अस्पताल पहुंचीं और परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मंदिर और मठों में रहने वाले साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। यदि धार्मिक स्थलों पर भी संत सुरक्षित नहीं हैं, तो यह गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने घटना की निष्पक्ष जांच और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। मृतक महंत के छोटे भाई बुधराज गुर्जर ने हत्या को सुनियोजित साजिश बताते हुए दावा किया कि देवानंद महाराज को पहले भी धमकियां मिल रही थीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मठ और ट्रस्ट से जुड़े विवादों के चलते उनके भाई के खिलाफ साजिश रची जा रही थी। बुधराज ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 10:15 बजे उनकी महंत से अंतिम बार बातचीत हुई थी। इसके बाद रात में उन्हें फोन कर कोटा बुलाया गया। यहां पहुंचने पर उन्हें हत्या की जानकारी मिली। एएसपी कोटा सुभाष चंद्र ने बताया कि आरोपितों की तलाश की जा रही है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच की जा रही है। कोटा शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर स्थित चन्द्रेसल मठ हाड़ौती क्षेत्र का एक प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थल माना जाता है। यहां कई नागा साधुओं की समाधियां और प्राचीन शिव मंदिर स्थित हैं। ऐसे प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल में हुई हत्या ने संत समाज के साथ-साथ आम लोगों को भी स्तब्ध कर दिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार हत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है।

107 वर्षीय बुजुर्ग के आशीर्वाद से दिन की शुरूआत, बच्चों को बांटी चॉकलेट

भीलवाड़ा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार सुबह भीलवाड़ा जिले के खारी का लाम्बा गांव में रात्रि विश्राम के बाद जनसंपर्क कर ग्रामीणों के बीच अपनत्व और संवेदनशील प्रशासन का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने गांव की गलियों में पैदल भ्रमण कर घर-घर जाकर लोगों का हालचाल जाना और ग्रामीणों से सीधे संवाद स्थापित किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से 107 वर्षीय कुमकुम देवी तथा 102 वर्षीय ओंकार तेली से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य, दिनचर्या और लंबे जीवन के अनुभवों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री का आत्मीय व्यवहार देखकर दोनों बुजुर्गों ने उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद दिया, जिसका भावनात्मक दृश्य वहां मौजूद लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया। मुख्यमंत्री ने भ्रमण के दौरान बच्चों को दुलार करते हुए उन्हें चॉकलेट वितरित की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने गांव के रघुनाथ मंदिर और हनुमान मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की प्रार्थना भी की। इसके बाद मुख्यमंत्री फूलसागर तालाब पहुंचे, जहां योगाभ्यास कर रहे युवाओं के साथ स्वयं योग किया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए श्रमदान की भावना से कार्य करने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मुख्यमंत्री ने परिसर में शीशम का पौधा भी रोपा। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों के साथ चाय पर चर्चा करते हुए गांव की मूलभूत आवश्यकताओं और विकास कार्यों पर विस्तार से बातचीत की। ग्रामीणों की मांगों पर त्वरित निर्णय लेते हुए उन्होंने उप स्वास्थ्य केंद्र को क्रमोन्नत कर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने तथा गांव में खेल मैदान विकसित करने की घोषणा की। खारी का लाम्बा गांव में शुक्रवार रात आयोजित ग्राम विकास चैपाल में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार सुबह ही आदेश जारी कर दिए। इनमें नए कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय की स्थापना, कृषि पर्यवेक्षक पद का सृजन तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विज्ञान (जीव विज्ञान) एवं कृषि विज्ञान संकाय प्रारंभ करने के निर्णय शामिल हैं। घोषणाओं के शीघ्र क्रियान्वयन से ग्रामीणों में उत्साह देखने को मिला। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पहली बार किसी मुख्यमंत्री ने गांव में रात्रि विश्राम कर न केवल उनकी समस्याओं को प्रत्यक्ष रूप से सुना, बल्कि उनके समाधान की दिशा मंक तत्काल प्रशासनिक कदम भी उठाए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक जब्बर सिंह सांखला, लालाराम बैरवा, गोपीचंद मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा, पुलिस महानिरीक्षक राजेंद्र सिंह, संभागीय आयुक्त शक्तिसिंह राठौड़, जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू, पुलिस अधीक्षक सागर राणा सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़: एक सप्ताह में पीलिया से 5 लोगों की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

रायपुर /अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मैनपाट में पिछले एक सप्ताह के भीतर 4 गांवों में 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। मृतकों में एक उपसरपंच और एक छात्र भी शामिल हैं, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। प्रशासन ने फिलहाल तीन लोगों के मौत की पुष्टि की है। दो लोगों के मौत की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पीलिया से पांच लोगों की मौत से हड़कंप मच गया है। वहीं कई मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को गांवों में जाकर सर्वे किया। सरगुजा सीएमएचओ ने बताया कि दो मौतें पीलिया से होने की जानकारी मिली है। एक को क्रोनिक डिजीज था। बाकी मौतों की जानकारी की जांच की जा रही है। नर्मदापुर, कुनिया और बरिमा में पीलिया से कुछ लोगों के पीड़ित होने और मौत की जानकारी मिली थी। कुनिया में चार स्थानों के पानी का सैंपल लिया गया है। पीलिया से जिन लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है, उनमें कुनिया के पूर्व उप सरपंच जितेंद्र यादव, नर्मदापुर की भाग्यवती यादव, बरिमा के कक्षा 9वीं के छात्र विकास यादव और बइगहवा गांव की एक युवती शामिल हैं। मैनपाट के पीलिया पीड़ित उदयभान यादव और सुभाष यादव का इलाज अंबिकापुर के माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल और जीवन ज्योति हॉस्पिटल में किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप लगाकर संभावित मरीजों की तलाश की जा रही है। इसके अलावा कई अन्य मरीजों का इलाज अंबिकापुर और रायपुर के अस्पतालों में चल रहा है।

छत्तीसगढ़ : एक सप्ताह में पीलिया से 5 लोगों की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

रायपुर /अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मैनपाट में पिछले एक सप्ताह के भीतर 4 गांवों में 5 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। मृतकों में एक उपसरपंच और एक छात्र भी शामिल हैं, जबकि कई मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से बीमार हैं और अस्पतालों में उपचाराधीन हैं। प्रशासन ने फिलहाल तीन लोगों के मौत की पुष्टि की है। दो लोगों के मौत की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। पीलिया से पांच लोगों की मौत से हड़कंप मच गया है। वहीं कई मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शुक्रवार को गांवों में जाकर सर्वे किया। सरगुजा सीएमएचओ ने बताया कि दो मौतें पीलिया से होने की जानकारी मिली है। एक को क्रोनिक डिजीज था। बाकी मौतों की जानकारी की जांच की जा रही है। नर्मदापुर, कुनिया और बरिमा में पीलिया से कुछ लोगों के पीड़ित होने और मौत की जानकारी मिली थी। कुनिया में चार स्थानों के पानी का सैंपल लिया गया है। पीलिया से जिन लोगों की मौत होने की बात कही जा रही है, उनमें कुनिया के पूर्व उप सरपंच जितेंद्र यादव, नर्मदापुर की भाग्यवती यादव, बरिमा के कक्षा 9वीं के छात्र विकास यादव और बइगहवा गांव की एक युवती शामिल हैं। मैनपाट के पीलिया पीड़ित उदयभान यादव और सुभाष यादव का इलाज अंबिकापुर के माता राजरानी मेमोरियल हॉस्पिटल और जीवन ज्योति हॉस्पिटल में किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप लगाकर संभावित मरीजों की तलाश की जा रही है। इसके अलावा कई अन्य मरीजों का इलाज अंबिकापुर और रायपुर के अस्पतालों में चल रहा है।

भीषण गर्मी से बिगड़ रही लोगों की सेहत जिला अस्पताल में लगी मरीजों की भीड़

धमतरी। जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लगातार बढ़ती उमस अब लोगों की सेहत पर भारी पड़ने लगी है। मौसम की मार के चलते उल्टी-दस्त, डिहाइड्रेशन, बुखार, एनीमिया तथा अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। जिला अस्पताल सहित निजी अस्पतालों में भी मरीजों की भीड़ बढ़ने लगी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार इन दिनों जिला अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 350 से 400 ओपीडी पर्चियां कट रही हैं, जिनमें अधिकांश मरीज गर्मी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। इस वर्ष की भीषण गर्मी ने जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। सुबह होते ही गर्म हवाओं का दौर शुरू हो जाता है और दिन चढ़ने के साथ उमस लोगों की परेशानी और बढ़ा देती है। स्थिति यह है कि पंखे और कूलर भी राहत देने में असफल साबित हो रहे हैं। लगातार बढ़ती गर्मी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं सहित सभी वर्गों के लोग स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। अस्पतालों के वार्ड मरीजों से भरे नजर आ रहे हैं। उपचार सुविधाओं में सुधार के कारण धमतरी जिले के अलावा बालोद, कांकेर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार तेज गर्मी और शरीर में पानी की कमी के कारण डिहाइड्रेशन, उल्टी-दस्त और बुखार के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू.एल. कौशिक ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और उमस के कारण लोगों की सेहत प्रभावित हो रही है। उन्होंने नागरिकों से पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, धूप में अनावश्यक बाहर निकलने से बचने, बाहर के तले-भुने एवं मसालेदार भोजन का सेवन कम करने तथा स्वच्छ और हल्का भोजन लेने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शरीर में कमजोरी, चक्कर, उल्टी-दस्त या अन्य स्वास्थ्य संबंधी लक्षण दिखाई देने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र अथवा चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। स्वास्थ्य विभाग ने भी लोगों को सतर्क रहने और गर्मी से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां अपनाने की सलाह दी है।

दो सप्ताह की गिरावट के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में 938 मिलियन बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। पिछले महीने देखें तो लगातार दो सप्ताह से अपने विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट ही हो रही थी। लेकिन पिछले सप्ताह इसमें गिरावट थमी। उस दौरान भंडार में 938 मिलियन की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़ोतरी तब देखी गई है जबकि रिजर्व बैंक ने रुपये को स्टेबल रखने में करीब पांच अरब डॉलर की स्वैपिंग की। इससे एक सप्ताह पहले अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 7.51

बिलियन की गिरावट हुई थी।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 29 मई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 938 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 7.511 की गिरावट हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 682.321 का हो गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार 728.494 के ऑल टाइम हाई पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 29 मई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 3.116 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले 2.872 की कमी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर 546.148 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में कमी

आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के वैल्यू में गिरावट हुई है। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में 2.186 की कमी आई। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू घट कर 112.600 का रह गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का हो गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है।

भेल और सेल के 'महारत्न' स्टेटस पर खतरा

सरकार ने दिया 1 साल का अल्टीमेटम

नई दिल्ली एजेंसी।: केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की दो बड़ी कंपनियों भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को उनके खराब वित्तीय प्रदर्शन को लेकर एक साल का अल्टीमेटम दिया है। आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक, अगर एक साल के भीतर इनके प्रदर्शन में सुधार नहीं हुआ, तो इनसे महारत्न का प्रतिष्ठित दर्जा छीनकर इन्हें नवरत्न कैटेगरी में डाल दिया जाएगा।

यह देश में पहला ऐसा मामला है जब किसी महारत्न कंपनी को दर्जा घटाने की चेतावनी के साथ नोटिस पर रखा गया है। कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन की अध्यक्षता वाली समिति ने यह सख्त सिफारिश की है।

क्यों आई ऐसी नौबत

एक सरकारी मूल्यांकन के अनुसार भेल और सेल पिछले तीन वर्षों के दौरान 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का औसत वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज करने के अनिवार्य नियम को पूरा करने में विफल रही हैं। इस कारण इन

कंपनियों से 'महारत्न' स्टेटस छिनने का खतरा मंडराया है।

14 में से सिर्फ 2 खरी उतरीं- देश की कुल 14 महारत्न कंपनियों में से केवल यही दो कंपनियां इस पैमाने पर खरी नहीं उतरीं।

सरकार ने नियमों को किया कड़ा- सरकार ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए वार्षिक प्रदर्शन नियमों को और कड़ा कर दिया है। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (दायित्वों को पूरा न करने के भुगतान में देरी करने या सक्सेशन प्लान तैयार न करने पर भारी पेनाल्टी लगाई जाएगी और पूरे नंबर काट लिए जाएंगे। ये नियम वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होंगे।

'रत्न' मानदंडों की होगी नई समीक्षा

बैठक में शामिल नीति आयोग के प्रतिनिधियों का मानना है कि महारत्न के लिए तय टर्नओवर, नेटवर्थ और लाभ के मानदंड वर्ष 2010 से अपरिवर्तित हैं और वर्तमान आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं हैं। इसी वजह से समिति ने लोक उद्यम विभाग को निर्देश दिया है कि वह साल 2025 की कीमतों के आधार पर इन मानकों की दोबारा समीक्षा करे।

दर्जा घटने से कंपनियों पर क्या असर पड़ेगा

यदि इन कंपनियों का महारत्न का दर्जा घटाकर नवरत्न किया जाता है, तो इनके बोर्ड की स्वायत्तता काफी कम हो जाएगी : महारत्न कंपनियां सरकार की मंजूरी के बिना 5,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकती हैं। वहीं नवरत्न कंपनियों के लिए यह सीमा केवल 1,000 करोड़ रुपये है।

सुधार के लिए मंत्रालयों की क्या है योजना

भारी उद्योग मंत्रालय और इस्पात मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि वे मुनाफे को बढ़ाने के लिए एक विस्तृत टर्नअराउंड प्लान यानी सुधार योजना पेश करें। इस्पात मंत्रालय ने बताया कि सेल का औसत वार्षिक टर्नओवर पिछले 4 वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक और औसत नेटवर्थ 53,976 करोड़ रुपये रही है। हालांकि, तीन साल के औसत मुनाफे का 5,000 करोड़ रुपये वाला पैमाना कंपनी ने आखिरी बार 2022-23 में छुआ था, जिसके बाद स्टील की कीमतों में उतार-चढ़ाव से मुनाफा घटा। नीति आयोग ने पाया कि भेल की मानव संसाधन नीतियां उसकी ग्रोथ में सबसे बड़ी बाधा हैं, जिनमें बड़े सुधार की जरूरत है। भारी उद्योग मंत्रालय ने भरोसा दिया है कि भेल के वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए एक नई योजना पर काम शुरू कर दिया गया है और इसके मुनाफे में सुधार भी दिखने लगा है।

5 साल में 1.44 लाख की गारंटी

● नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट सरकार की छोटी बचत स्कीमों में से एक

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट सरकार की छोटी बचत स्कीमों में से एक है। यह ऐसे निवेशकों में काफी लोकप्रिय है जो कम जोखिम लेना चाहते हैं। साथ ही जो सरकार समर्थित निवेश विकल्प की तलाश में हैं। जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो और बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की दरें कम हों तो एनएससी उन निवेशकों को आकर्षक ब्याज दरें देता है जो लंबे समय के निवेश का विकल्प ढूंढ रहे हैं।

एनएससी पर अभी 7.7 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता है। कई बैंकों की ओर से पांच साल की एफडी पर दी जाने वाली दरों से यह ज्यादा है। चूंकि एनएससी में निवेश करने पर पूरी अवधि के लिए ब्याज दर तय रहती है। इसलिए निवेशक आसानी से पता लगा सकते हैं कि पांच साल बाद मैच्योरिटी पर उन्हें कितनी रकम मिलेगी, चाहे भविष्य में ब्याज दरें कैसे भी बदलें।

● **एनएससी में 1 लाख का निवेश 5 साल बाद क्या देगा-** अगर आप एनएससी में मौजूदा 7.7 प्रतिशत सालाना ब्याज दर पर 1 लाख रुपये का निवेश करते हैं तो पांच साल बाद मैच्योरिटी पर यह निवेश बढ़कर लगभग 1,44,903 रुपये हो जाएगा। ब्याज का भुगतान मैच्योरिटी पर किया जाता है। यह सालाना कंपाउंडिंग के साथ मिलता है।

● **क्या एनएससी में निवेश पर टैक्स बेनिफिट मिलता है-** पुराने टैक्स सिस्टम को चुनने वाले टैक्सपेयर्स के लिए एनएससी में जमा की गई रकम इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80 प्रतिशत के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती के लिए योग्य है। नए टैक्स सिस्टम को चुनने वालों के लिए यह फायदा उपलब्ध नहीं है।

● **क्या अकाउंट ट्रांसफर किया जा सकता है-** अकाउंट को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को ट्रांसफर किया जा सकता है। शर्त यह है कि ट्रांसफर लेने वाला व्यक्ति एनएससी योजना के तहत योग्य हो, जैसे कि इन मामलों में : सिंगल अकाउंट के मामले में अकाउंट होल्डर की मौत होने पर या जॉइंट अकाउंट के मामले में सभी अकाउंट होल्डर्स की मौत होने पर रकम कानूनी वारिसों या नॉमिनी को ट्रांसफर कर दी जाएगी। कोर्ट के आदेश पर, गिरवी रखने की स्थिति में या जॉइंट अकाउंट के किसी खाताधारक की मृत्यु होने पर अकाउंट बचे हुए खाताधारक या खाताधारकों के नाम पर ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

● **अकाउंट को समय से पहले बंद करने के नियम-** अकाउंट को मैच्योरिटी से पहले बंद नहीं किया जा सकता, सिवाय इन मामलों के :सिंगल अकाउंट में खाताधारक की मृत्यु होने पर या जॉइंट अकाउंट में किसी भी या सभी खाताधारकों की मृत्यु होने पर।

8वें पे कमीशन से मिलेगा कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का तोहफा, खत्म होगा एनपीएस

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें पे कमीशन की मीटिंग्स शुरू हो गई है। एक बार फिर से पुरानी पेंशन की मांग भी इसी के साथ तेज हो गई है। कर्मचारी संगठन एनपीएस को वापस लेने और ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल करने की मांग लगातार कर रहे हैं। हालांकि, मौजूदा परस्थितियों को अगर देखें तो पुरानी पेंशन अब दूर की कौड़ी लेकिन कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली की मांग लगातार कर रहे हैं। इसके पीछे की वजह सामाजिक सुरक्षा है। पुरानी पेंशन स्कीम में महंगाई के साथ-साथ पेंशन भी बढ़ती रहती है। इससे पेंशनधारकों को बड़ी वित्तीय सुरक्षा मिल जाती है।

क्यों पुरानी पेंशन स्कीम पर जाना है कठिन- बीते 20 साल

साबित हो रही है। साथ ही एनपीएस की वापसी का भी संकेत कम ही मिल रहा है। इस योजना के तहत कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद जीवन पर्यंत तय पेंशन दी जाती है। इसमें महंगाई भत्ता भी जुड़ा रहता है। यानी जब-जब महंगाई बढ़ेगा तब-तब पेंशन भी बढ़ेगी।

ओल्ड पेंशन स्कीम क्यों वापस चाहते हैं कर्मचारी- मौजूदा समय में एनपीएस और यूपीएस की व्यवस्था सरकार की तरफ से कर्मचारियों को दी जा रही है। में एनपीएस में सरकार और कर्मचारियों ने 16.50 लाख करोड़ रुपये का योगदान कर दिया है। ऐसे में अगर एनपीएस को रद्द करके पुरानी पेंशन स्कीम की तरफ जाया जाता है तो इससे वित्तीय नुकसान काफी अधिक होगा। एनपीएस का फंड एलीआईसी, एसबीआई, यूटीआई और अन्य सरकारी लिंक्ड वित्तीय संस्थाओं के जरिए निवेश किया जाता है। ऐसे में एक झटके में पैसा निकाला नहीं जा सकता है।

8वें वित्त आयोग के 6 महीने बीत गए

सरकार पे कमीशन का गठन नवंबर 2025 में किया था। अब 6 महीने का समय बीत चुका है। आयोग के पास 18 महीने का समय है। इस दौरान ही उसे अपनी रिपोर्ट देनी होगी। पे कमीशन की तरफ से प्रक्रियाओं में तेजी लाई गई है। देश के अलग-अलग हिस्सों में मीटिंग्स की जा रही है। जिससे एक समावेशी रिपोर्ट तैयार किया जा सके। कर्मचारियों की बीच इस समय फिटमेंट फैक्टर्स को लेकर खूब चर्चा है। क्योंकि फिटमेंट फैक्टर ही है जिसके जरिए सरकारी कर्मचारियों की सैलरी का निर्णय होगा। कुछ कर्मचारी संगठनों ने 4 फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। अब देखना है कि पे कमीशन कितना फिटमेंट फैक्टर रखने की सलाह देता है।

पहले ही दिन 260 रुपये के पार पहुंचेगा शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के आईपीओ को लोगों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। कंपनी के आईपीओ पर 127 गुना दांव लगा है।

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयर ग्रे मार्केट में धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 37 पर्सेंट के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयरों का मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम मजबूत लिस्टिंग का इशारा कर रहा है। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 3 जून को खुला था और यह 5 जून तक ओपन रहा।

192 रुपये शेयर का दाम, 71 रुपये पहुंच गया - सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में शेयर का दाम 192 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयर 71 रुपये के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। अगर मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से देखें तो सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयर 263 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयरों का अलॉटमेंट 8 जून को फाइनल होगा। वहीं, कंपनी के शेयर 10 जून को बाजार में लिस्ट होंगे। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों जगह लिस्ट होंगे।

जीएमपी कर रहा इशारा, 127 गुना लगा है दांव

क्या करती है सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की शुरुआत साल 2006 में हुई है। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज एक नॉन-फेरस मेटल रिसाइक्लर कंपनी है। एल्युमीनियम और जिंक डाई-कास्टिंग एलॉयज में कंपनी का स्पेशलाइजेशन है। कंपनी रिसाइकल्ड एल्युमीनियम एलॉय, जिंक एलॉय इंगगट्स और स्टेनलेस स्टील, कॉपर, ब्रॉस, जिंक, लेड और एल्युमीनियम के सेग्रगैटिड फर्नेस रेडी स्क्रैप की मैन्युफैक्चरिंग करती है। इसके अलावा, सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज एल्युमीनियम बिलेट्स का प्रॉडक्शन करती है, जो कि ऑटोमोटिव और नॉन-ऑटोमोटिव सेक्टर्स दोनों की जरूरतों को पूरा करते हैं। 31 दिसंबर 2025 तक के डेटा के मुताबिक, कंपनी में 784 परमानेंट एंप्लॉयीज और 3956 कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स हैं।

127 गुना सब्सक्राइब हुआ है कंपनी का आईपीओ

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज का आईपीओ टोटल 127.07 गुना सब्सक्राइब हुआ है। कंपनी के आईपीओ में आम निवेशकों की कैटेगरी में 27.08 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, एंप्लॉयीज का कोटा 18.53 गुना सब्सक्राइब हुआ। कंपनी के आईपीओ में गैर संस्थागत निवेशकों या नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स की कैटेगरी में 172.35 गुना दांव लगा, जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स का कोटा 240.46 गुना सब्सक्राइब हुआ है। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के आईपीओ में आम निवेशक कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 13 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 78 शेयर थे।

क्षितिज पॉलीलाइन लिमिटेड ने ओमकार स्पेशियलिटी केमिकल्स अधिग्रहण से संबंधित सभी भुगतान दायित्वों को पूरा किया

मुंबई, एजेंसी। प्लास्टिक शीट्स, फिल्म्स एवं संबद्ध पॉलिमर उत्पादों के अग्रणी निर्माता क्षितिज पॉलीलाइन लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत वित्तीय प्रदर्शन, रणनीतिक विस्तार योजनाओं तथा महत्वपूर्ण अधिग्रहणों की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025-26 में सभी प्रमुख वित्तीय मानकों पर प्रभावशाली वृद्धि हासिल की। ऑपरेशन से प्राप्त राजस्व 46.3 प्रतिशत बढ़कर 44.75 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष में 30.58 करोड़ रुपये था। वहीं कुल आय 32.38 करोड़ रुपये से बढ़कर 46.92 करोड़ रुपये हो गई।

कंपनी का कर पूर्व लाभ 3.97 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष में 9.47 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया गया था। इसी प्रकार कर पश्चात लाभ 3.55 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी को 9.30 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी प्रबंधन के अनुसार यह सुधार ऑपरेशन दक्षता में वृद्धि, उत्पादन क्षमता के बेहतर उपयोग, बाजार में मजबूत उपस्थिति तथा वित्तीय अनुशासन का परिणाम है। कंपनी ने बताया कि ओमकार स्पेशियलिटी केमिकल्स लिमिटेड के अधिग्रहण से संबंधित सभी भुगतान दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन कर लिया गया है। यह प्रक्रिया राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण, मुंबई पीठ द्वारा स्वीकृत समाधान योजना के अनुरूप पूरी की गई है। वर्तमान में अंतिम एनसीएलटी आदेश एवं आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं की प्रतीक्षा है। कंपनी का मानना है कि यह अधिग्रहण स्पेशियलिटी केमिकल्स क्षेत्र में उसकी उपस्थिति को मजबूत करेगा तथा राजस्व विविधीकरण, बेहतर मार्जिन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन के नए अवसर प्रदान करेगा। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी ने अपने विनिर्माण ढांचे को और सुदृढ़ करने के लिए संयंत्र एवं मशीनरी में निवेश बढ़ाया तथा उत्पादन क्षमता का विस्तार किया। विस्तारित विनिर्माण सुविधाओं में ऑपरेशन शुरू हो चुका है, जिससे बढ़ती ग्राहक मांग को पूरा करने और भविष्य की विकास योजनाओं को गति देने में मदद मिलेगी। सतत विकास को केंद्र में रखते हुए कंपनी ने प्लास्टिक रीसाइक्लिंग क्षेत्र में भी विस्तार की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इसके तहत उन्नत रीसाइक्लिंग मशीनरी एवं प्रोसेसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने की योजना पर कार्य जारी है। इस पहल का उद्देश्य रीसाइक्लिंग क्षमता बढ़ाना, सर्कुलर इकोनॉमी को प्रोत्साहित करना, पर्यावरणीय मानकों को मजबूत करना तथा नए राजस्व स्रोत विकसित करना है। कंपनी का मानना है कि रीसाइक्लिंग एवं पर्यावरणीय अनुपालन को लेकर बढ़ती नियामकीय सख्ती के कारण इस क्षेत्र में संगठित कंपनियों के लिए भविष्य में व्यापक अवसर उपलब्ध होंगे। क्षितिज पॉलीलाइन ने दिवाला एवं शोधन अक्षमता प्रक्रिया के तहत एनएसई एवं बीएसई में सूचीबद्ध बीआईएल व्यापार लिमिटेड के लिए भी एक समाधान योजना प्रस्तुत की है। कंपनी लगातार ऐसे रणनीतिक अवसरों का मूल्यांकन कर रही है जो विकास की गति बढ़ाने, व्यवसाय के विस्तार और शेयरधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन में सहायक हों।

क्रूड के दाम में सुस्ती चंडीगढ़ में पेट्रोल 101 तो डीजल 89 के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार दो दिनों से कच्चा तेल सस्ता ही होता जा रहा है। मानक ब्रेंट क्रूड के दाम 93 डॉलर प्रति बैरल तक गिरे है। लेकिन भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी शनिवार, 6 जून 2026 को भी दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद से ही पेट्रोलियम कंपनियां 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई 2026 को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था। तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

चक दे इंडिया!

भारत की शेरनियों का कमाल, साउथ कोरिया को धूल चटाकर जीता एशिया कप का ब्रॉन्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। जापान के काकामिगाहारा में खेली जा रही महिला अंडर-18 एशिया कप 2026 हॉकी प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है। शनिवार को खेले गए तीसरे स्थान के मुकाबले में भारत ने दक्षिण कोरिया को 3-0 से करारी शिकस्त दी। सेमीफाइनल में चीन के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में मिली करीबी हार की निराशा को पीछे छोड़ते हुए भारतीय बेटियों ने मैदान पर जबरदस्त वापसी की और पूरे मैच में कोरियाई टीम पर अपना दबदबा बनाए रखा।

टीम इंडिया का शानदार खेल

इस अहम मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और मैच शुरू होने के दूसरे ही मिनट में संदीप कुमारी ने बेहतरीन मैदानी गोल दागकर टीम को 1-0 की शुरुआती बढ़त दिला दी। इस शुरुआती सफलता से भारतीय खिलाड़ियों का हौसला काफी बढ़ गया और उन्होंने कोरियाई रक्षापंक्ति पर दबाव बनाए रखा। मैच के 16वें मिनट में कप्तान स्वीटी कुजूर ने एक और शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत की बढ़त को दोगुना (2-0) कर दिया और टीम को एक मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

श्रीलंका के रुमेश ने नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ा

92.67 मीटर दूर भाला फेंका, एशिया में दूसरे नंबर पर, पाकिस्तान के अरशद टॉप पर

इटली (एजेंसी)। श्रीलंका के जैवलिन थ्रोअर रुमेश पाथिरागे ने नीरज चोपड़ा का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वे एशिया में सबसे दूर जैवलिन फेंकने वाले दूसरे प्लेयर भी बन गए। 23 साल के रुमेश ने रोम डायमंड लीग में 92.67 मीटर का थ्रो किया। यह 2026 में किसी भी प्लेयर का पहला 90+ थ्रो था। नीरज ने दोहा डायमंड लीग में पिछले साल 90.23 का थ्रो किया था। पहले नंबर पर पाकिस्तान के अरशद नदीम है। उन्होंने पेरिस ओलिंपिक 2024 में 92.67 मीटर का थ्रो किया था।

ऑल टाइम 8वां सबसे बड़ा थ्रो - रुमेश का थ्रो ऑल टाइम सबसे लंबे थ्रो की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गया। एशिया में अब उनसे आगे केवल पाकिस्तान के अरशद नदीम हैं। ताइवान के चाओ-त्सुन चेंग 91.36 मीटर के साथ तीसरे और भारत के नीरज चोपड़ा चौथे स्थान पर हैं।

पहला थ्रो 84.49 मीटर का किया - रोम डायमंड लीग में रुमेश ने मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन केशोर्न वॉलकॉट, पूर्व वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स, पूर्व ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर और पूर्व ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट याकुब वाडलेज्च जैसे खिलाड़ियों के बीच मुकाबला किया। उन्होंने पहले प्रयास में 84.49 मीटर का थ्रो किया और दूसरे प्रयास में 92.67 मीटर तक भाला फेंक दिया। इसके बाद उनके बाकी सभी थ्रो फाउल रहे। रुमेश इस सीजन में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने मार्च में 89.37 मीटर का थ्रो कर नेशनल रिकॉर्ड तोड़ा था और वर्ल्ड लीड हासिल की थी। अप्रैल में किप केनो क्लासिक में उन्होंने 89.28 मीटर का थ्रो किया। उनके पांच सर्वश्रेष्ठ थ्रो में से चार 2026 में आए हैं।

वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में चुने गए सबसे युवा क्रिकेटर

श्रेयस टी-20 के नए कप्तान

नईदिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन के वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में ही होते हैं। श्रेयस अय्यर टी-20 फॉर्मेट में भारत के नए कप्तान बनाए गए हैं। वर्ल्ड कप जीतने वाले सूर्यकुमार यादव से कप्तानी छीन ली गई है। उन्हें टीम से भी बाहर कर दिया गया है। तिलक वर्मा टी-20 टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं।

वैभव ने 149 दिन के फासले से तोड़ा शेफाली का रिकॉर्ड - टीम में पहली बार सिलेक्शन होने के दिन सबसे कम उम्र के मामले में वैभव ने शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले शेफाली पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर भारतीय टीम के लिए चुनी जाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी थीं। शेफाली जब पहली बार चुनी गई थीं, तब वह 15 साल, 220 दिन की थीं। वहीं, पुरुष क्रिकेटर्स में यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे।

सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले भारतीय भी बन सकते हैं वैभव - शेफाली ने 15 साल 239 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेल लिया था। वहीं, सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। वैभव को अगर इंग्लैंड-आयरलैंड टूर या एशियन गेम्स में एक भी मैच खेलने का मौका मिल जाता है तो वे शेफाली और सचिन दोनों को पीछे छोड़कर भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन जाएंगे।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी नहीं बनेंगे वैभव

जर्सी की निया चार्लोट ग्रेग सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2019 में 11 साल, 40 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। उनेक नाम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। पुरुषों में रोमानिया के मारियन गेरासिम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले पुरुष क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2020 में 14 साल और 16 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। यानी वैभव दुनिया के सबसे युवा क्रिकेटर नहीं बन सकते।

कोहली की जगह वनडे खेलेंगे जायसवाल

अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज में विराट कोहली की जगह यशस्वी जायसवाल खेलेंगे। चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर ने बताया कि जायसवाल चोटिल कोहली को रिप्लेस करेंगे।

फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंचे फैबियो कोबोली

सेमीफाइनल से माटेओ अर्नाल्डी ने नाम वापस लिया; आज जर्मनी के ज्वेरेव से मुकाबला होगा

इटली (एजेंसी)। इटली के फैबियो कोबोली ने करियर में पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई है। फ्रेंच ओपन 2026 के मेंस सिंगल्स सेमीफाइनल से पहले उनके विरोधी माटेओ अर्नाल्डी ने बीमारी के कारण नाम वापस ले लिया, जिससे कोबोली को वॉकओवर मिल गया। 10वें सीड कोबोली का सामना अब रविवार के खिताबी मुकाबले में जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा।ज्वेरेव ने चेक रिपब्लिक के याकूब मेन्सिका को हराया। इस जीत के साथ उन्होंने करियर में दूसरी बार रोलां गैरो के फाइनल में जगह बनाई।

इटली के माटेओ अर्नाल्डी वायरल इन्फेक्शन (पेट की खराबी) के कारण अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल से हट गए। उन्होंने बताया कि तबीयत अचानक बिगड़ने से वे कोर्ट पर उतरने की स्थिति में नहीं थे। उनके हटने से कोबोली का फाइनल का रास्ता साफ हो गया।

अर्नाल्डी बोले- रात 1 बजे से उल्टी हो रही थी, मैं कुछ भी खा-पी नहीं पा रहा हूं - मैच से हटने के बाद अर्नाल्डी ने कहा,मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहता था। कल रात से ही मुझे अस्वस्थ महसूस होने लगा था और डिनर के समय मेरे पेट में दिक्कत शुरू हो गई थी। इसके बाद रात को करीब 1 बजे मेरी आंख खुली और मुझे उल्टियां होने लगीं।

उन्होंने आगे बताया,मैं रातभर बिल्कुल सो नहीं सका। सुबह 6 से 7 बजे के बीच मुझे फिर से उल्टी हुई, जिसके बाद हमने डॉक्टर को कमरे पर बुलाया और उन्होंने मुझे कुछ दवाइयां दीं। लेकिन आज पूरे दिन मेरी हालत ऐसी रही कि मैं कुछ भी खा या पी नहीं पा रहा हूं, जब भी कुछ लेता हूं तो मुझे तुरंत वॉशरूम भागना पड़ रहा है।

एलियासिमे को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे थे कोबोली - बेहतरीन फॉर्म में चल रहे फैबियो कोबोली ने चौथी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को चार सेट तक चले कड़े मुकाबले में हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला अर्नाल्डी से होना था, लेकिन वॉकओवर मिलने से वे सीधे फाइनल में पहुंच गए हैं।

प्रज्ञानानंदा नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने

फाइनल राउंड में जर्मनी के विन्सेंट को हराया, वर्ल्ड नंबर-1 कार्लसन को दो बार

ओस्लो (एजेंसी)। भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा ने इतिहास रचते हुए नॉर्वे चेस 2026 का खिताब जीत लिया है। 20 साल के प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। फाइनल राउंड में उन्होंने जर्मनी के विन्सेंट कीमर को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। टूर्नामेंट के आखिरी दिन प्रज्ञानानंदा 15 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर थे। उन्होंने क्लासिकल मुकाबला जीतकर 3 अंक हासिल किए और कुल 18 अंकों के साथ खिताब अपने नाम कर लिया।नॉर्वे चेस टूर्नामेंट को सबसे ज्यादा 7 बार मैग्नस कार्लसन ने जीता। 2025 में भी वही चैंपियन थे।

आखिरी राउंड में पलटी बाजी, वेस्ली टाईब्रेकर जीतने के बावजूद हारे

- टूर्नामेंट के आखिरी राउंड में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो 15.5 अंकों के साथ टॉप पर थे। लेकिन उनका मुकाबला ड्रॉ रहा और फैसला आर्मागेडन टाईब्रेकर में गया।इससे प्रज्ञानानंदा के लिए खिताब जीतने का रास्ता खुल गया। वेस्ली सो ने टाईब्रेकर तो जीत लिया, लेकिन उन्हें केवल 1.5 अंक मिले। इस तरह उनके कुल 17 अंक हुए, जो प्रज्ञानानंदा से एक कम थे। फ्रांस के अलीरजा फिरोजा 15.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। आखिरी दौर में मैग्नस कार्लसन ने गुकेश को हराया, लेकिन वह भी खिताब नहीं जीत सके। कार्लसन 13 अंकों के साथ 5वें स्थान पर रहे।

अफगानिस्तान के खिलाफ राहुल -गिल का शानदार शतक

मुल्लापुर (एजेंसी)। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच मुल्लांपुर के महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम में खेला जा रहा है। शनिवार को मैच का पहला दिन है और तीसरे सेशन का खेल जारी है।

टॉस जीतकर बैटिंग कर रही टीम इंडिया ने पहली पारी में 3 विकेट पर 340 रन बना लिए हैं। कप्तान शुभमन गिल 139 गेदों पर 101 रन और ऋषभ पंत 48 रन क्रीज पर थे। गिल फिफ्टी पूरी कर चुके थे। राहुल 12वां शतक पूरा करने के बाद आउट हो गए। उन्हें जियाउर रहमान शरीफी ने रहमानुल्लाह गुरबाज के हाथों कैच कराया। राहुल ने घरेलू मैदान पर तीसरी सेंचुरी लगाई। टी-ब्रेक से पहले मोहम्मद सलीम ने साई सुदर्शन (81 रन) और यशस्वी जायसवाल (24 रन) को पवेलियन भेजा।

केएल राहुल ने बतौर ओपनर 11वां शतक लगाया है। वे सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले भारतीय ओपनर्स की सूची में चौथे स्थान पर हैं। सुनील गावस्कर 33 शतक के साथ पहले नंबर पर हैं।भारत ने इस मैच में 6 लेफ्टी बैटर्स उतरे हैं। यह तीसरा मौका है, जब भारतीय टीम की टेस्ट प्लेइंग इलेवन में इतने लेफ्टी हैं।मानव सुथार डेब्यू कर रहे हैं। उन्हें कुलदीप यादव ने डेब्यू कैप दी। वहीं, विकेटकीपर ऋषभ पंत 50वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं।न्यू चंडीगढ़ स्थित मुल्लांपुर का महाराजा यादविंद्र सिंह स्टेडियम भारत का 31वां टेस्ट वेन्यू बना है। पिछले साल गुवाहाटी टेस्ट वेन्यू बना था।15 साल बाद टीम इंडिया अपने घरेलू मैदान पर अश्विन-जडेजा के बिना टेस्ट खेल रही है। नवंबर 2010 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐसा हुआ था। टीम ने उसके बाद 69 टेस्ट मैच खेले हैं।

पंत ने एक ओवर में 3 छक्के लगाए-ऋषभ पंत ने अब्दुल मलिक के ओवर में 3 सिक्स लगा दिए। ओवर की पहली ही गेंद पर पंत ने आगे बढ़कर छक्का लगाया। इसके बाद दो डॉट गेंदों के बाद उन्होंने फुलटॉस गेंद को मिडविकेट के ऊपर से 6 रन के लिए भेज दिया। अगली गेंद पर फिर पंत ने डीप मिडविकेट के ऊपर से बॉल को स्टैंड में पहुंचा दिया। गिल की 9वीं फिफ्टी, बतौर कप्तान एक हजार रन भी पूरे कर लिए थे।

गिल की 9वीं फिफ्टी, बतौर कप्तान एक हजार रन भी पूरे

62वें ओवर में भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टेस्ट करियर की 9वीं फिफ्टी पूरी कर ली है। वे बतौर कप्तान एक हजार रन भी पूरे कर चुके हैं।

दोनों टीमों की प्लेइंग-इलेवन

भारत - केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल, वॉशिंगटन सुंदर, मानव सुथार, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

अफगानिस्तान- सेदीकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, रहमत शाह, हश्मतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अफसर जजई, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नांगेयालिया खारोटे, जियाउर रहमत शरीफी और मोहम्मद सलीम शमी।

लॉर्ड्स टेस्ट के दूसरे दिन गिरे 17 विकेट

● इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को दिया 254 रनों का टारगेट, 36 रन पर कीवियों के 3 विकेट गिरे

लॉर्ड्स (एजेंसी)। लॉर्ड्स में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जा रहा टेस्ट मैच गेंदबाजों के नाम रहा। पहले दिन 16 विकेट गिरने के बाद दूसरे दिन भी बल्लेबाज संघर्ष करते नजर आए और दिनभर में 17 विकेट गिरे। इंग्लैंड दूसरी पारी में एक समय मजबूत स्थिति में थी, लेकिन 11 गेंदों में 4 विकेट गंवाकर लड़खड़ा गई। इसके बावजूद टीम ने न्यूजीलैंड के सामने जीत के लिए 254 रनों का लक्ष्य रखा। इससे पहले इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड की पहली पारी 113 रन पर समेटकर 27 रन की बढ़त हासिल की। इसके बाद उसकी दूसरी पारी 226 रन पर सिमट गई, जिससे न्यूजीलैंड को जीत के लिए 254 रन का लक्ष्य मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत भी खराब रही। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक टीम 36 रन पर 3 विकेट गंवा चुकी थी। अब उसे जीत के लिए तीसरे दिन 218 रन और बनाने हैं, जबकि इंग्लैंड को 7 विकेट की जरूरत है।

- **ओली रॉबिन्सन का फाइव विकेट हॉल** - इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने टेस्ट कमबैक पर शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 साल में अपना पहला फाइव विकेट हॉल पूरा किया। पहले दिन 61 रन पर 6 विकेट गंवाने के बाद न्यूजीलैंड की पहली पारी को इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह के पहले घंटे में समेट दिया। न्यूजीलैंड की ओर से ग्लेन फिलिप्स पिछले दिन के स्कोर में बिना कोई रन जोड़े जोश टंग की सुबह की पहली गेंद पर बोल्ड हो गए। टंग ने अगले ओवर में नाथन स्मिथ को भी आउट किया। इसके बाद गस एटकिंसन ने विल ओरूर्के को स्लिप में कैच कराया और रॉबिन्सन ने मैट हेनरी को बोल्ड कर पारी का अंत किया।
- **11 गेंदों में गिरे इंग्लैंड के 4 विकेट, नाथन स्मिथ ने चटकाए 6 विकेट** - इंग्लैंड की दूसरी पारी एक समय 2 विकेट पर 126 रन बनाकर मजबूत स्थिति में थी, लेकिन एमिलियो गे (57) के आउट होते ही टीम बिखर गई। इंग्लैंड ने 11 गेंदों में 4 प्रमुख विकेट गंवाए और स्कोर 126/2 से 127/6 हो गया। हैरी ब्रूक और जो रूट एलबीडब्ल्यू हुए, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स बिना खाता खोले नाथन स्मिथ की गेंद पर बोल्ड हो गए। नाथन स्मिथ ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए लगातार दूसरी पारी में 6 विकेट हासिल किए।

डेब्यू मैच में एमिलियो गे ने खेली 57 रनों की पारी, कीवियों ने छोड़े कैच

इंग्लैंड के लिए डेब्यू कर रहे ओपनर एमिलियो गे ने दूसरी पारी में शानदार खेल दिखाया। पहली पारी में 14 गेंदों में आउट होने वाले गे ने बेन डकेट के साथ 52 रनों की साझेदारी की। उन्होंने 84 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जो 2016 में कीटन जेनिंग्स के बाद किसी इंग्लिश ओपनर का डेब्यू पर पहला अर्धशतक है। एमिलियो ने नाथन स्मिथ के एक ओवर में 16 रन बटोरे। हालांकि, न्यूजीलैंड को खराब फील्डिंग का खामियाजा भुगतना पड़ा। रचिन रवींद्र और डेवोन कॉनवे ने लगातार दूसरे दिन कैच छोड़े, जबकि डेरिल मिचेल और टॉम लैथम ने तालमेल की कमी से एक कैच टपका दिया।

पति की मेहनत की कमाई मायके भेजती रही पत्नी, 23 लाख की चोरी के आरोप में पत्नी-साला गिरफ्तार

रायगढ़, एजेंसी। पति की कमाई को चोरी से मायके वालों को देने वाली पत्नी व उसके भाई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। प्रकरण में महिला के पिता के विरुद्ध भी धोखाधड़ी का आरोप लगा है। फिलहाल वह फरार है। पुलिस की प्रारंभिक जांच में लगभग 23 लाख रुपये की गड़बड़ी सामने आई है। रायगढ़ जिले के घरघोड़ा के वार्ड पांच छाल रोड निवासी 41 वर्षीय पिंगल कुमार बघेल ने वर्ष 2008 में सीमा बघेल से प्रेम विवाह किया था। फेब्रिकेशन, सेंट्रिंग का कार्य करने वाले बघेल व्यवसाय से होने वाली आय को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिदिन पत्नी को देते थे।

पुलिस के अनुसार, बघेल के व्यवसाय में प्रगति होने पर ससुर भरतलाल यादव व साले कृष्ण कुमार यादव का उनके घर आना-जाना बढ़ गया था। रुपये कम होने के संदेह पर बघेल ने घर में सीसीटीवी कैमरा लगवाकर निगरानी की तो पता चला कि पत्नी आलमारी से रकम निकालकर बेरोजगार भाई को देती थी। उसके भाई के खाते में 23 लाख रुपये के लेन-देन पाए गए। पुलिस ने बघेल की पत्नी, ससुर व साले के विरुद्ध धोखाधड़ी एवं आपराधिक षड्यंत्र का प्रकरण दर्ज किया।

वैश्विक मंच पर भारतीय रेल का डंकाः भारी माल ढुलाई प्रणालियों वाले विशिष्ट देशों के क्लब में शामिल हुआ भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत भारी माल ढुलाई रेल प्रणालियों का संचालन करने वाले चुनिंदा देशों के क्लब में शामिल हो गया है। भारत माल ढुलाई संचालन की सुरक्षा, विश्वसनीयता और दक्षता को बढ़ाने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं व उन्नत प्रौद्योगिकी अपनाने की दिशा में अग्रसर है। यह बात डीएफसीसीआइएल के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने शुक्रवार को कही। भारतीय समर्पित माल ढुलाई गलियारा निगम लिमिडेट (डीएफसीसीआइएल) के प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने यहां आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय हैवी-हाल सेमिनार-2026 सम्मेलन से इतर पत्रकारों के साथ बातचीत में लाजिस्टिक लागत घटाने में समर्पित गलियारे की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने बताया कि यह सेमिनार दुनियाभर के विशेषज्ञों को एक साथ लाने और टेक्नोलाजी के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया है। इससे भारत में लॉजिस्टिक की लागत कम करने में मदद मिल सकती है।

विकास गांव की पगडंडियों से निकलता है - सीएम भजनलाल शर्मा

कहा– आत्मनिर्भर गांवों से ही बनेगा विकसित राजस्थान

भीलवाड़ा, एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भरता को लेकर एक बड़ा और नीतिगत बयान दिया है। भीलवाड़ा में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे देश और प्रदेश के समग्र विकास का रास्ता गांवों की पगडंडियों से होकर ही निकलता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब प्रदेश का हर गांव सशक्त होगा और वहां शहरों जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होंगी, तभी हमारे गांव हर दृष्टि से आत्मनिर्भर बन सकेंगे।

डबल इंजन सरकार के विजन से सशक्त हो रहे गांवः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व की सराहना करते हुए उन्होंने कहा–

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार की तमाम योजनाएं अब सीधे धरातल पर उतर रही हैं, जिससे हमारे गांव दिन-प्रतिदिन सशक्त और मजबूत हो रहे हैं।

विकसित भारत के विजन में विकसित राजस्थान का संकल्पः मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का जो विकसित भारत का एक विराट विजन है, उसे पूरा करने के लिए हमारा संकल्प है कि उसमें विकसित राजस्थान भी बने और विकसित गांव भी बने। केंद्र और राज्य दोनों सरकारें मिलकर लगातार इस विजन को साकार करने के लिए पूरी निष्ठा से काम कर रही हैं। उनके इस संबोधन को प्रदेश में ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास कार्यों को और तेज करने के मजबूत संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

बेंगलुरु एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा टला, मुंबई जा रही इंडिगो फ्लाइट से टकराया पक्षी

बेंगलुरु, एजेंसी। डिजिटल डेस्क, नई दिल्ली। बेंगलुरु एयरपोर्ट पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान से पहले इंडिगो की फ्लाइट 6श्व 6283 से एक पक्षी टकरा गया। घटना शुक्रवार को हुई, जिसके बाद, पायलट ने एहतियाती जांच के लिए तुरंत विमान को वापस बे में बुला लिया। इंजीनियरों ने जांच की और विमान को उड़ान भरने के लिए मंजूरी दे दी। करीब एक घंटे से ज्यादा की देरी के बाद फ्लाइट ने अपनी यात्रा फिर से शुरू की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

ढाई करोड़ पौधे लगाने वाले पीपल बाबा की किताब लॉन्च, अरावली में पौधरोपण के साथ दिया संदेश

अरावली, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रसिद्ध पर्यावरणविद् पीपल बाबा (स्वामी प्रेम परिवर्तन) की बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'पीपल की छांव में' का लोकार्पण किया गया। यह कार्यक्रम हरियाणा के छतरपुर स्थित बाबा नीम करोली आश्रम में अरावली की पहाड़ियों के बीच आयोजित हुआ। पेंगुइन स्वदेश द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी, स्वयंसेवक और पुस्तक प्रेमी शामिल हुए। इस दौरान लगभग 1 हजार पौधे लगाए गए और मौके पर ही 1700 से अधिक लोगों ने पुस्तक खरीदी।

पीपल बाबा देशभर में ढाई करोड़ से अधिक पौधे लगाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी आत्मकथा 'पीपल की छांव में' उनके करीब 50 सालों के पर्यावरण संरक्षण अभियान, संघर्षों और अनुभवों पर आधारित है। पुस्तक में उनके बचपन, नानी से मिले प्रकृति प्रेम के संस्कार, देश के 220 से अधिक जिलों की यात्राओं और वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने की कहानी दर्ज है। लेखक ने इसमें प्रकृति, आस्था और मानवीय संवेदनाओं के गहरे संबंधों को भी दर्शाया है।

कौन हैं पीपल बाबा

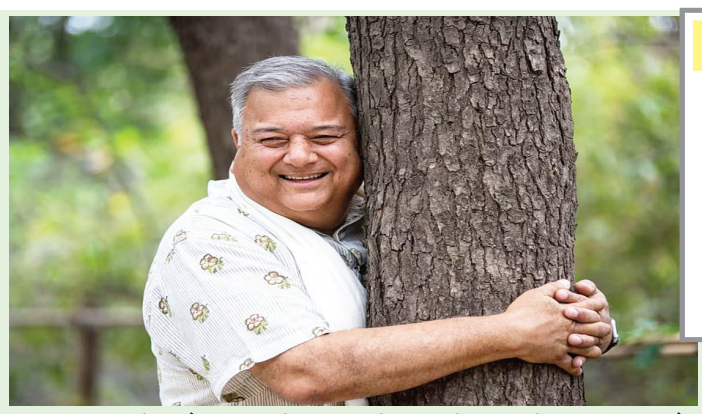

देशभर में पीपल बाबा के नाम से प्रसिद्ध स्वामी प्रेम परिवर्तन का जन्म 1966 में चंडीगढ़ में एक सेना अधिकारी के परिवार में हुआ था। उनका मूल नाम आज़ाद जैन था। पुणे विश्वविद्यालय से अंग्रेजी साहित्य में एमए करने के बाद उन्होंने योग और ध्यान के क्षेत्र में कार्य किया तथा बाद में आध्यात्मिक जीवन अपनाकर स्वामी प्रेम परिवर्तन के नाम से पहचान बनाई। पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को जीवन का मिशन बनाने वाले स्वामी प्रेम परिवर्तन ने देशभर में करोड़ों पौधे लगाकर विशेष पहचान बनाई, जिसके चलते उन्हें 'पीपल बाबा' के नाम से जाना जाने लगा। पिछले पांच दशकों में उन्होंने 22 राज्यों के 226 जिलों में 2.70 लाख हेक्टेयर में ढाई करोड़ पेड़ लगाए हैं।

कार्यक्रम में पीपल बाबा ने पेंगुइन फॉरेस्ट स्थापित करने की घोषणा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार के सहयोग से ऐसा वन विकसित किया जाएगा। जहां किताबों और प्रकृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक पौधा लगाना केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि एक नई दुनिया का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि आधुनिकता की दौड़ में समाज अपनी जड़ों और प्रकृति से दूर होता जा रहा है, ऐसे में पर्यावरण संरक्षण के लिए बच्चों को मिट्टी और पेड़-पौधों से जोड़ना बेहद जरूरी है।

रैपिडो ड्राइवर वारदात से पहले करता था रेकी, मुठभेड़ में चार बदमाश गिरफ्तार; नोएडा की कई घटनाओं का खुलासा

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में सूरजपुर कोतवाली पुलिस ने बंद मकानों में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

मुठभेड़ में गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए, दो साथियों को कांबिंग में गिरफ्तार किया गया। आरोपितों के कब्जे से 52 लाख के गहने और 11 लाख 27 हजार रुपये नगदी बरामद हुई है।

डीसीपी शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को मोजर बियर गोल चक्कर के पास सर्विस रोड पर चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की दो बाइक पर सवार चार संदिग्ध आते दिखाई दिए। रुकने का इशारा करने पर भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। वहीं, जवाबी कार्रवाई में वकील उर्फ रिजवान और सरफराज उर्फ फैज घायल हो गए। दो साथी भोले उर्फ भोला और अलीजान को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में पता चला कि भोले उर्फ भोला पेशे से रैपिडो चालक है। वह विभिन्न सोसायटियों में सवारी के बहाने आते जाते बंद मकानों की रेकी कर साथियों को देता था। रात में चोरी की वारदात अंजाम देते थे।

तीन मकानों में चोरी की घटनाएं कबूल की

आरोपितों ने सूरजपुर की पैरामाउंट सोसायटी में 25 अप्रैल को एक मकान से चोरी करने का जुर्म कुबूल किया। यहां से चोरी की 100 ग्राम के एक सोने के बिस्किट, दो 50–50 ग्राम के सोने के बिस्किट, सोने की चेन, हार, झुमके, अंगूठियां, कंगन, लाकेट, नोज पिन, चांदी की पायल, बिछिया और 8.50 लाख रुपये नगद बरामद किए हैं।

इसी तरह 26 अक्टूबर को ग्राम जैतपुर में की चोरी से गहने बेच कर मिले 2.55 लाख रुपये बरामद किए। इसके अलावा सेक्टर–144 स्थित मगध एन्क्लेव में तीन अप्रैल 2026 को मकान में चोरी के बेचे सामान के 15 हजार रुपये बरामद हुए। आरोपियों के कब्जे से 300 ग्राम सोने के गहने बरामद पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 300 ग्राम सोने के गहने बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत करीब 51 लाख रुपये बताई जा रही है। 450 ग्राम चांदी के गहने, 11 लाख 27 हजार रुपये नकद, दो बाइक और चार अवैध तमंचे भी बरामद किए गए हैं। गिरोह के सदस्यों के खिलाफ यूपी के कई जिलों में चोरी, लूट, गैंगस्टर एक्ट, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के दर्जनों मामले दर्ज हैं।

बाहुबली से बायो युग की ओर बढ़ रहा यूपीः रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

लखनऊ, एजेंसी। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित 'बायोयुग' कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। इस दौरान 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया। भारतीय सेनाओं ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचों को सटीक निशाना बनाकर ध्वस्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इस सफलता के पीछे भारतीय सेनाओं का ऊंचा मनोबल और स्वदेशी रक्षा क्षमता प्रमुख कारण रही। हम यह इसलिए कर पाए क्योंकि हमारे पास स्वदेशी हथियार थे और हम किसी अन्य देश पर निर्भर नहीं थे। यही सामर्थ्य हमें ऊर्जा, ईंधन और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी प्राप्त करनी होगी, जिससे हमारा देश अन्य देशों की तुलना में पिछे ना रहे।

बायोफ्यूल आत्मनिर्भर भारत की ताकतः रक्षा मंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल स्वच्छता तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध राष्ट्रीय शक्ति और सुरक्षा से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सैनिकों के मनोबल को और मजबूती प्रदान करता है। इसके साथ साख राष्ट्र के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहा है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि जब देश अपने खेतों, फसलों और जैविक संसाधनों से ऊर्जा पैदा करता है, तब वह बाहरी दबावों के मुकाबले और भी अधिक मजबूत बनता है। उन्होंने अपने संबोधन में आगे कहा कि ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने, घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और स्वदेशी संसाधनों पर आधारित आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने की आवश्यकता है।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथेनॉल मिश्रणः राजनाथ सिंह ने बताया कि वर्तमान में भारत पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथेनॉल मिश्रण कर रहा है, जिसको मुख्य रूप से गन्ने और कृषि उत्पादों के द्वारा तैयार किया जाता है।यह 20 प्रतिशत एथेनॉल हमारे लिए एक बफर की तरह था, जिसने अर्थव्यवस्था को बड़े झटके से बचाया।

बायोफ्यूल सिर्फ पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता का भी एक महत्वपूर्ण हथियार है। आपको बता दें कि पश्चिम एशिया में भारी संकट और वैश्विक तेल कीमतों में भारी उछाल के समय यही एथेनॉल मिश्रण जिसे हम गन्ने और कृषि उत्पादों से बनाते थे वही भारत के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच के रुप में साबित हुआ था।

बायोप्लास्टिक उद्योग को बढ़ा रही सरकार

राजनाथ सिंह ने उत्तर प्रदेश में बायोप्लास्टिक उद्योग की संभावनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की बायोप्लास्टिक इंडस्ट्री नीति इस क्षेत्र को नई गति दे रही है। उन्होंने गन्ने से तैयार होने वाले पीएलए (पॉली–लैक्टिक एसिड) आधारित बायोप्लास्टिक का जिक्र करते हुए कहा कि यह पूरी तरह जैव–अवक्रमणीय (बायोडिग्रेडेबल) है, जो पर्यावरण के लिए अनुकूल विकल्प साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक प्लास्टिक आज एकआवश्यक बुराई卐 बन चुका है, लेकिन बायोप्लास्टिक के माध्यम से इस बुराई को प्रकृति के अनुकूल बनाया जा सकता है।

बायोयुग की ओर बढ़ रहा उत्तर प्रदेश

राजनाथ सिंह कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में बायो–इकोनॉमी को बढ़ावा मिला है। गन्ना किसानों की आय बढ़ाने के साथ–साथ कृषि आधारित उद्योगों के क्षेत्र में काफी विस्तार देखने को मिला है। मध्य–पूर्व में हाल के संकटों के दौरान वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला थोड़ी प्रभावित हुई, जिस कारण कई प्लास्टिक उद्योगों को कच्चे माल की कमियों का सामना करना पड़ा। यदि भारत गन्ने और कृषि आधारित संसाधनों से बायोप्लास्टिक के उत्पादन को निरन्तर बढ़ाता है, तो विदेशी निर्भरता कम होगी और देश की आर्थिक सुरक्षा और स्थिति दोनो मजबूत होगी।

हेनरी नोवाक हत्याकांड पर ब्रिटेन-अमेरिका में विवाद, जेडी वेंस के बयान पर भड़के पीएम स्टार्मर

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के कार्यालय ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी की निंदा की है, जिसमें उन्होंने एक विश्वविद्यालय छात्र की हत्या के लिए आव्रजन (इमिग्रेशन) को जिम्मेदार ठहराया था। 18 वर्षीय हेनरी नोवाक की दिसंबर में इंग्लैंड के साउथेम्प्टन में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। हेनरी को विक्रम डिगवा ने चाकू मारा था। डिगवा, जो सिख है, ने पुलिस से झूठा दावा किया था कि वह नोवाक द्वारा किए गए नस्लीय हमले का शिकार हुए है। नोवाक श्वेत समुदाय से थे। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो उन्होंने शुरुआत में गंभीर रूप से घायल नोवाक को ही संदिग्ध मान लिया और उसे हथकड़ी लगा दी। बाद में अधिकारियों को उनके घाव का पता चला और उन्हें बचाने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी मौत हो गई। 23 वर्षीय डिगवा को हेनरी नोवाक की हत्या का दोषी ठहराया गया। डिगवा ने आठ इंच लंबे सिख कृपाण जैसे चाकू से हमला किया था। इस सप्ताह अदालत ने डिगवा को न्यूनतम 21 वर्ष की सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई। वेंस ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस हत्या पर न्यायोचित गुस्सा होना चाहिए। उन्होंने इस घटना के लिए आंशिक रूप से बड़े पैमाने पर आए उन प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया, जो उनके अनुसार पश्चिम और उनके मूल्यों से नफरत करते हैं। वेंस की टिप्पणी के जवाब में डाउनिंग स्ट्रीट ने बयान जारी कर कहा कि कुछ लोग ब्रिटेन के लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और सड़कों पर विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बयान में कहा गया कि नोवाक परिवार अपने बेटे की भयावह हत्या के कारण शोक में है।

एच-1बी वीजा धारकों की बढ़ेंगी मुश्किलें: ग्रीन कार्ड मिलना नहीं होगा आसान

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। अमेरिकी कांग्रेस में रिपब्लिकन सांसद चिप रॉय ने एक नया विधेयक पेश किया है, जिसमें एच-1बी वीजा प्रणाली में बड़े बदलाव की मांग की गई है। इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा असर भारतीय पेशेवरों और छात्रों पर पड़ सकता है, क्योंकि बड़ी संख्या में भारतीय आईटी और तकनीकी क्षेत्र में इसी वीजा के जरिए अमेरिका जाते हैं। विधेयक में एच-1बी वीजा को ग्रीन कार्ड तक पहुंचने का रास्ता खत्म करने, वीजा अवधि घटाने और विदेशी छात्रों के लिए काम करने वाले ओपीटी कार्यक्रम को बंद करने जैसे बड़े प्रस्ताव शामिल हैं। रिपब्लिकन सांसद चिप रॉय ने अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट नाम से यह विधेयक पेश किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले करीब 40 वर्षों में एच-1बी वीजा प्रणाली का गलत इस्तेमाल हुआ है। उनके मुताबिक, अमेरिकी कंपनियां कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देकर अमेरिकी तकनीकी कर्मचारियों को पीछे कर रही हैं। इस विधेयक में कहा गया है कि अब वीजा प्रणाली को मेरिट यानी योग्यता और ज्यादा वेतन के आधार पर चलाया जाना चाहिए। अभी एच-1बी वीजा का आवंटन लॉटरी सिस्टम के जरिए होता है। इस विधेयक का सबसे बड़ा प्रस्ताव यह है कि एच-1बी वीजा धारकों के लिए ग्रीन कार्ड का रास्ता लगभग बंद कर दिया जाए। अभी तक एच-1बी वीजा पर काम करने वाले लोग अमेरिका में स्थायी निवास यानी ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते थे। लेकिन नए प्रस्ताव में ड्यूल इंटेंट नीति खत्म करने की बात कही गई है। यानी वीजा धारक को यह साबित करना होगा कि वह अमेरिका में स्थायी रूप से बसने का इरादा नहीं रखता। इसके अलावा विदेशी छात्रों के लिए पढ़ाई के बाद सीमित समय तक काम करने की अनुमति देने वाले ओपीटी कार्यक्रम को भी खत्म करने का प्रस्ताव है। इसका असर हजारों भारतीय छात्रों पर पड़ सकता है। प्रस्तावित कानून के तहत एच-1बी वीजा की अधिकतम अवधि छह साल से घटाकर सिर्फ दो साल करने की बात कही गई है। साथ ही अब लॉटरी सिस्टम की जगह ज्यादा वेतन देने वाली कंपनियों को प्राथमिकता दी जा सकती है।

चीन में नो मैरिज, नो किड्स का बढ़ा ट्रेंड, घटती जन्मदर बनी शी चिनफिंग सरकार की सबसे बड़ी चुनौती

बीजिंग, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में चीन की चुनौतियों की चर्चा अक्सर अमेरिका से आर्थिक प्रतिस्पर्धा, ताइवान को लेकर तनाव या वैश्विक शक्ति संतुलन के संदर्भ में होती है। लेकिन इन सबके बीच चीन एक ऐसे संकट से जूझ रहा है जो आने वाले दशकों में उसकी अर्थव्यवस्था, समाज और राजनीतिक स्थिरता पर गहरा असर डाल सकता है। यह संकट है तेजी से घटती शादियों और जन्मदर का।

चीन में पिछले लगभग एक दशक से नो मैरिज, नो किड्स का ट्रेंड लगातार बढ़ रहा है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 की पहली तिमाही में देश में होने वाली शादियों की संख्या पिछले दस सालों के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इस दौरान 17 लाख से भी कम विवाह पंजीकृत हुए। 2017 की तुलना में विवाह पंजीकरण के आंकड़े लगभग आधे रह गए हैं।

घटती जन्मदर को लेकर चीन सरकार की चिंता इतनी बढ़ गई है कि वह विभिन्न स्तरों पर लोगों को शादी और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। पिछले वर्ष चीन की एक कंपनी शांटियन केमिकल ग्रुप ने अपने 28 से 58 वर्ष की आयु के कर्मचारियों को नोटिस जारी कर कहा था कि यदि वे सितंबर 2025 तक शादी नहीं करेंगे तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाएगा। नोटिस में यह भी

कहा गया था कि शादी और बच्चे पैदा न करना सरकार की नीति के खिलाफ माना जा सकता है।

सरकार की ओर से विवाह परामर्श, मैचमेकिंग और पारिवारिक जीवन को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों में विशेष पाठ्यक्रम तक शुरू किए गए हैं। सोशल मीडिया पर ऐसे कंटेंट पर निगरानी रखी जा रही है जो विवाह विरोधी विचारों को बढ़ावा देते हैं या महिलाओं और पुरुषों के बीच टकराव पैदा करते हैं।

सब्सिडी, छुट्टियां और आर्थिक सहायता के बावजूद नहीं बदल रहे हालातः चीन सरकार ने लोगों को शादी और बच्चे पैदा करने के लिए कई प्रोत्साहन योजनाएं शुरू की हैं। अब नागरिक देश में कहीं भी अपनी शादी रजिस्टर करवा सकते हैं। तीन वर्ष तक के बच्चों की देखभाल के लिए हर साल 3600 युआन यानी लगभग 50 हजार रुपये से अधिक की सब्सिडी दी जा रही है।

शादी और बच्चे के जन्म के बाद मिलने वाली छुट्टियों की अवधि बढ़ा दी गई है। कई क्षेत्रों में विवाह करने वाले जोड़ों को आर्थिक सहायता दी जा रही है। बच्चों के जन्म और प्रसव से जुड़े चिकित्सा खर्चों में भी सरकार सहयोग कर रही है। यहां तक कि तलाक संबंधी नियमों में भी बदलाव किए गए हैं और गर्भनिरोधक उत्पादों पर कर बढ़ाया गया है ताकि अधिक लोग परिवार बढ़ाने के लिए प्रेरित हों।

विशेषज्ञों का मानना है कि घटती शादियों और जन्मदर के पीछे सबसे बड़ा कारण महिलाओं पर पड़ने वाला सामाजिक और पारिवारिक दबाव है। चीन का समाज आज भी काफी हद तक पारंपरिक सोच वाला है। शादी के बाद घर और बच्चों की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के हिस्से आती है।

कामकाजी महिलाओं के सामने अक्सर करियर और परिवार में से किसी एक को चुनने की स्थिति पैदा हो जाती है। यदि वे दोनों जिम्मेदारियां निभाना चाहें तो उनके ऊपर कार्यभार दोगुना हो जाता है। यही कारण है कि आधुनिक, शिक्षित और आर्थिक रूप से स्वतंत्र महिलाएं विवाह और मातृत्व को लेकर पहले की तुलना में अधिक सोच-विचार कर रही हैं।

कई विशेषज्ञों का मानना है कि मातृत्व महिलाओं के करियर के लिए सबसे बड़ी बाधाओं में से एक बन जाता है। बच्चे के जन्म के बाद उनके प्रमोशन, रोजगार और पेशेवर विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं।

चीन की वर्तमान स्थिति की जड़ें 1980 में लागू की गई वन चाइल्ड पॉलिसी में भी देखी जाती हैं। बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए चीन ने उस समय यह नीति लागू की थी, जिसके तहत विवाहित दंपतियों को केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता था और कई मामलों में सख्त कार्रवाई भी की जाती थी। इस नीति ने जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित तो किया, लेकिन इसके दीर्घकालिक दुष्परिणाम अब सामने आ रहे हैं। देश की आबादी तेजी से बूढ़ी होने लगी, कार्यबल सिकुड़ने लगा और बुजुर्गों की संख्या बढ़ती गई। इसके साथ ही लिंगानुपात में असंतुलन भी बढ़ा। बेटों को प्राथमिकता देने की सामाजिक प्रवृत्ति के कारण महिलाओं की संख्या पुरुषों की तुलना में कम होती गई। कम जन्मदर का सबसे बड़ा असर चीन की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। युवा आबादी कम होने से भविष्य में काम करने वाले लोगों की संख्या घट रही है। इसका असर उत्पादन, उद्योग, कर संग्रह और आर्थिक विकास पर पड़ सकता है। एक्सपर्ट्स के अनुसार चीन में एक बच्चे को 18 वर्ष की आयु तक पालने-पोसने में लगभग 5.38 लाख युआन यानी करीब 76 लाख रुपये खर्च होते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,